श्री वसुनन्दी गुरवे नमः

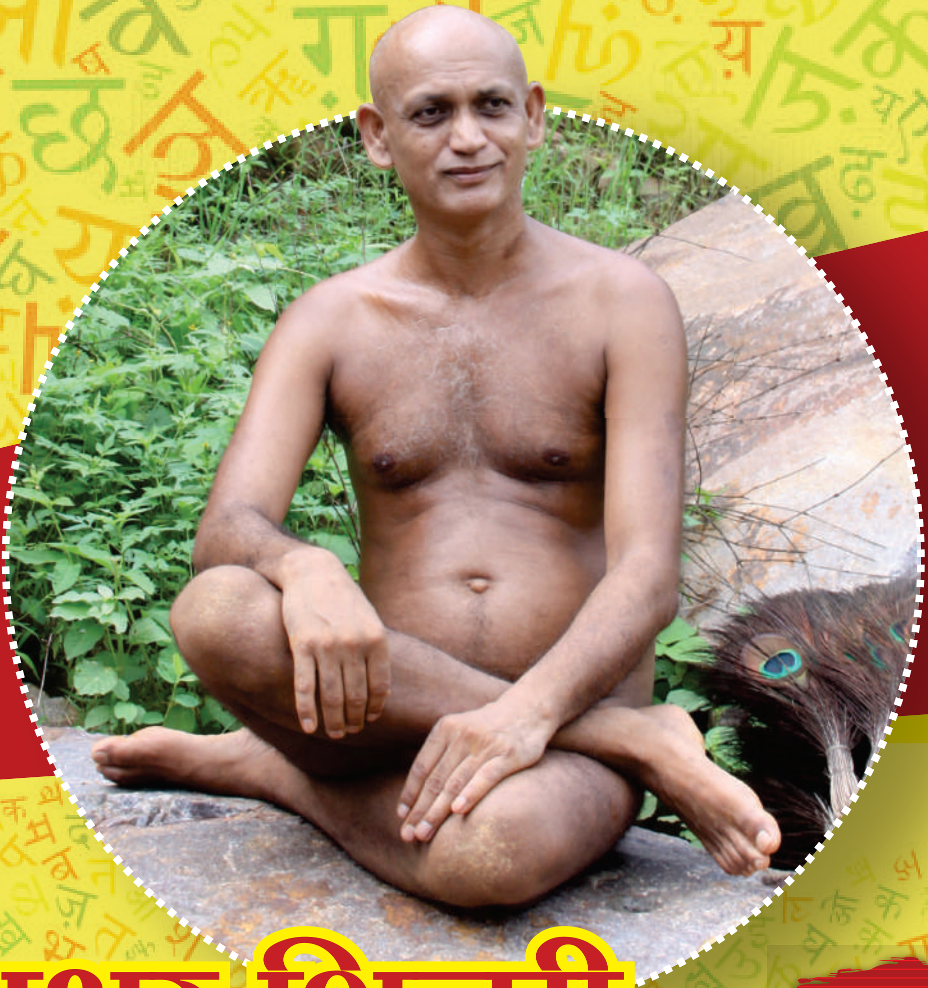

अक्षर शिल्पी

गुरु चरण रज :

मुनि शिवानन्द

कृति :

अक्षर शिल्पी

मंगल आशीर्वाद :
प.पू. श्वेतपिच्छाचार्य श्री विद्यानंद जी मुनिराज

चरित्र नायक
प.पू. आचार्य श्री वसुनंदी जी मुनिराज

प्रस्तुति संकलन
मुनि शिवानंद

सम्पादक :
मुनि प्रशमानन्द

संस्करण :
प्रथम संस्करण 2015 (1100 प्रतिया)
द्वितीय संस्करण 2018 (1100 प्रतियां)
तृतीय संस्करण 2023 (1100 प्रतियां)

पावन अवसर

प.पू. अभीक्ष्ण ज्ञानोपयोगी आचार्य
श्री 108 वसुनन्दी जी मुनिराज
के 9वें आचार्य पदारोहणदिवस पर

पुण्यार्जक : नवम् नवोदय वर्षायोग समिति 2022, दाहोद
ग्राफिक्स : महावीर (मोनु) जैन दाहोद (गुजरात)

प्राप्ति स्थान :
श्री जयशांतिसागर निकेतन, मण्डोला (गाजि.)
हिमांशु जैन, फरीदाबाद (हरि. 9024182930)
निर्ग्रन्थ ग्रंथमाला समिति (नोएडा 9867557668)
मुकेश जैन,अशोक नगर, दिल्ली 8076206391

मुद्रक : रुनवाल ओफसेट, दाहोद
निर्ग्रन्थ ग्रन्थ माला समिति (रजि.)

भूपेन्द्र पटेल
मुख्यमंत्री, गुजरात राज्य

Apro/jm /2022/08/23/rs

दि. २३-०८-२०२२

संदेश

कुछ महान अत्माएँ ऐसी होती हैं, जो प्रबुद्धता प्राप्त करने के बाद अपना ज्ञान, अपनी प्रज्ञा अपने तक सीमित रखते हैं। मगर कुछ विरल हस्तियाँ होती हैं, जिन के लिए ज्ञान प्राप्ति सहज आनंद एवं निजानंद नहीं होती, वह अपने अंदर प्रज्वलित हुई ज्ञान की ज्योत से दूसरों के दीपक जलाते हैं। अध्यात्म स्व की खोज का मार्ग है और व्यक्ति अपने ही अंदर यात्रा कर के स्वयं को खोजता है।

जैनाचार्य श्री वसुनन्दी जी मुनिराज प्रसिद्ध क्षेत्रों का भ्रमण कर जीवों को सदचारित्र की शिक्षा प्रदान कर के समाज के उत्थान के लिए हमेशा तत्पर रहते हैं। समाज व देशहित को ध्यान में रखकर आत्मनिर्भर भारत एवं राष्ट्र शांति महायज्ञ इत्यादि ग्रंथ के सर्जनहार दिगम्बर जैनाचार्य श्री वसुनन्दी जी मुनिराज के शिष्य युगल मुनि श्री शिवानन्द जी - प्रशमानंद जी मुनिराज के कुशल लेखन व संपादन में तैयार हो रहे अक्षर शिल्पी नामक पुस्तक के बारे में जानकर प्रसन्नता हुई। यह कृति समाज को आदर्श जीवन शैली की दिशा दिखाएँ और मार्गदर्शक बनी रहे एसी शुभकामना प्रेषित करता हूँ।

आपका,

(भूपेन्द्र पटेल)

To,
Shree Shaileshbhai Saraiya, *President,*
Digambar Jain Samaj - Dahod,
Mahavir Street, Dahod-389151
Mo: 9426431437

एक नजर से

1. मुख्यमंत्रीश्री शुभेच्छा संदेश... 3
2. गौरवशाली आचार्य परम्परा 5
3. हमारे आदर्श 6
4. हमारे सृजनकार 7
5. सम्पादकीय 8
6. लेखक का लेख 10
7. परम संत 13
8. वंदे गुरुवरम् 14
9. मीठे प्रवचन 15
10. बहुआयामी व्यक्तित्व के धनी आ. वसुनन्दी जी 16
11. जिनशासक प्रभावक आचार्य श्री वसुनंदी महाराज 17
12. परिचय सारांश 20
13. माता-पिता का परिचय 22
14. पूर्व पारिवारिक परिचय एवं चित्र 23
15. दीक्षा और पदारोहण पर उपस्थित साधुवर्ग 25
16. व्रत उपवास साधना 26
17. ग्रीष्मकालीन वाचना 28
18. शीतकालीन वाचना 29
19 चातुर्मासिक वाचना 31
20. चातुर्मास व उनके अध्यक्ष 33
21. चातुर्मास अध्यक्ष (चित्र) 34
22. चातुर्मास मंगल कलश प्राप्तकर्ता 35
23. मंगलकलश प्राप्तकर्ता (चित्र) 36
24. चातुर्मास स्थल (नक्शा) 37
25. पिच्छिका परिवर्तन 38
26. पिच्छी प्राप्तकर्ता (चित्र) 40
27. श्रावक साधना एवं धर्म संस्कार शिविर 42
28. तीर्थवंदना 43
29. पंचकल्याणक प्रतिष्ठा 47
30. मन्दिर व मानस्तम्भ शिलान्यास 50
31. प्रमुख जीर्णोद्धार एवं विकास 53
32. वेदी प्रतिष्ठा व उत्थापन 58
33. सान्निध्य में विभिन्न आयोजन 59
34. प्रेरणा एवं सानिध्य में प्रदत्त पुरस्कार 61
35. प्रदत्त दीक्षाएं व पद 62
36. श्रेष्ठ निर्यापकाचार्य गुरु 66
37. शिष्यावली 67
38. मुनि संघ (चित्र) 68
39. आर्यिका संघ (चित्र) 69
40. गजरथ महोत्सव 70
41. महावीर जयन्ती 71
42. नव वर्ष 72
43. सम्यग्ज्ञान शिक्षण शिविर 73
44. उपाधियाँ 75
45. प्रेरणा से संस्थाएँ एवं पत्रिकाएँ 77
46. प्रथम 78
47. कलशारोहण 80
48. संघस्थ साधु परिचय 82
49. संतों के विचारों में आचार्य श्री 122
50. परम्पराचार्य अर्घावली 133
51. गुरु पूजन 134
52. गुरु आरती 137
53. गुरु चालीसा 138
54. पद विहार (नक्शा) 139

गौरवशाली
आचार्य परम्परा

चारित्र चक्रवर्ती आचार्य
श्री शांतिसागर जी मुनिराज 'दक्षिण'

अन्तर्मना आचार्य
श्री पायसागरजी मुनिराज

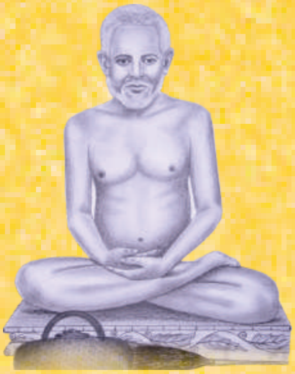

अध्यात्मिक संत आचार्य
श्री जयकीर्ति जी मुनिराज

भारत गौरव आचार्य
श्री देशभूषणजी मुनिराज

श्वेत पिच्छाचार्य
श्री विद्यानंदजी मुनिराज

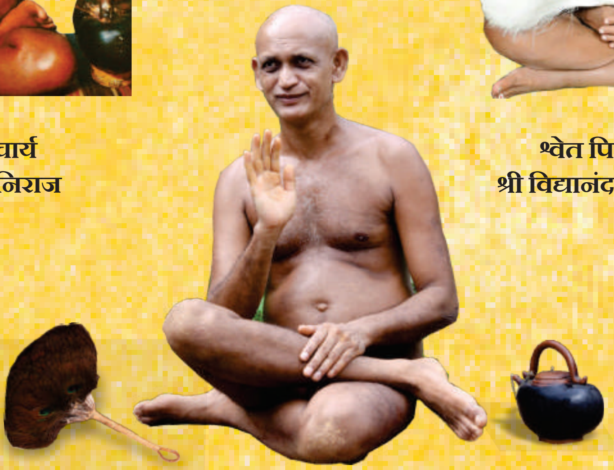

प.पू. अभीक्षण ज्ञानोपयोगी आचार्यश्री वसुनंदी जी मुनिराज

हमारे आदर्श

विशेष बिन्दु

प.पू. चारित्र चक्रवर्ती बीसवीं सदी के प्रथमाचार्य

श्री 108 शांतिसागर जी मुनिराज 'दक्षिण'

- शिथिलाचार सुधारक, निर्दोष चर्या परिपालक, 20वीं सदी के प्रथमाचार्य हुए।
- ऐसे दुर्द्धर तपस्वी जिन्होंने अपने जीवन में सम्पूर्ण आयु का 1/3 भाग निर्जल उपवास के द्वारा व्यतीत किया (9938 उपवास, 27.6 वर्ष)।
- णमोकार महामंत्र की सर्वाधिक (लगभग 10 करोड़) जाप करने वाले प्रथम तपस्वी आचार्य हुए।
- उपसर्ग जयी–कई बार सर्प, बिच्छू, चींटी आदि के उपसर्ग समता से सहन किए।
- इस सदी के आप एक ऐसे प्रथम दिगम्बराचार्य हुए जिनके पास सिंह जैसे क्रूर जानवर भी पालतू कुत्ते की तरह शांति से बैठते थे।
- आप एक ऐसे प्रथम दिगम्बराचार्य हुए जिन्होंने सम्पूर्ण भारतवर्ष में मुनिचर्या को पुनर्जीवित किया।
- आप एक ऐसे प्रथम दिगम्बराचार्य हुए जिन्होंने जैन वाङ्मय के मूल सिद्धांतिक ग्रन्थ षट्खण्डागम, कषाय पाहुड़ एवं महाबंधो आदि ग्रंथों को ताम्रपत्रों पर उत्कीर्ण करवाया।
- आपकी निर्दोष चर्या, संयम साधना, तपस्या एवं प्रभावना से प्रभावित होकर आपके गुरु ने भी आपको अपना निर्यापकाचार्य गुरु बनाया।
- आप एक ऐसे क्षपक श्रमण रहे जिन्होंने 36 दिन तक यम सल्लेखनापूर्वक प्रशस्त समाधिमरण को प्राप्त किया।
- आप इस युग के सर्वाधिक प्रभावी मनीषी, तपस्वी, आत्मध्याता एवं सर्वलोकप्रिय आचार्यों तथा इस युग में मनीषी विद्वानों व साधकों में आपको ही चारित्र चक्रवर्ती की उपाधि से सम्मानित किया गया।

पूर्व नाम
सातगौड़ा पाटिल

माता का नाम
श्रीमती सत्यवती पाटिल

पिता का नाम
श्री भीमगौड़ा पाटिल

जन्म
25 जुलाई, 1872
येलगुड़ (कर्नाटक)

क्षुल्लक दीक्षा
25 जून, 1915
उत्तूर ग्राम (कर्नाटक)

ऐलक दीक्षा
15 जनवरी, 1919
गिरनार जी (गुजरात)

मुनि दीक्षा
2 मार्च, 1920
यरनाल (कर्नाटक)

आचार्य पद
8 अक्टूबर, 1924
समडोली (महाराष्ट्र)

गुरु
देवेन्द्रकीर्ति जी

समाधि
18 सितम्बर, 1955
कुंथलगिरि (महाराष्ट्र)

हमारे सृजनकार गुरुनामगुरू

प. पू. सिद्धांत चक्रवर्ती राष्ट्रसंत श्वेतपिच्छाचार्य
श्री 108 विद्यानंद जी मुनिराज

विशेष बिन्दु

- श्रवणबेलगोला महामस्तकाभिषेक–1981 में सहस्राब्दि महोत्सव आपके सानिध्य व कुशल निर्देशन तथा 1996, 2006 व 2018 के मंगल मार्गदर्शन में सम्पन्न।
- आपके अनुभवपूर्ण व कुशल निर्देशन में अनेकों साधकों ने आत्म-सल्लेखना की साधाना की।
- आपके मंगलमय सानिघ्य में अतिशय क्षेत्र महावीरजी में सहस्राब्दि महोत्सव महामस्तकाभिषेक सम्पन्न हुआ।
- आपके द्वारा लोकोपकारी पंचदशक शास्त्र का लेखन हुआ।
- आपकी सभा में सर्वाधिक श्रोताओं ने एक साथ बैठकर धर्मोपदेश श्रवण किया।
- अनेकों मनीषी आचार्यों ने आपके ज्ञान से प्रभावित होकर 'चलता फिरता विश्वविद्यालय' के रूप में स्वीकार किया।
- आपका लगभग 12 भाषाओं पर पूर्णाधिकार था।
- आप एक ऐसे संत रहे जिन्होंने देश के शीर्षस्थ राजनेताओं व धर्मनेताओं को मार्गदर्शन प्रदान किया।
- आपके निर्देशन व आशीर्वाद से अहिंसा स्थल, गोम्मटगिरि (इन्दौर), अष्टापद, इत्यादि अनेक स्थानों पर भव्य जिनालय व जिनायतन की स्थापना हुई।
- आप जैन जगत् के वरिष्ठ, श्रेष्ठ व वयोवृद्ध आचार्यों में सर्वाग्रणीय थे।

पूर्व नाम
सुरेन्द्र उपाध्ये
माता का नाम
श्रीमती सरस्वती उपाध्ये
पिता का नाम
श्री कल्लपा उपाध्ये
जन्म
22 अप्रैल, 1925
शेडवाल (कर्नाटक)
क्षुल्लक दीक्षा
15 अप्रैल, 1946,
तमदड्डी
नाम–क्षु. पार्श्वकीर्ति
मुनि दीक्षा
25 जुलाई, 1963, दिल्ली
नाम–मुनि विद्यानंद जी
उपाध्याय पद
17 नवम्बर, 1974, दिल्ली
एलाचार्य पद
17 नवम्बर, 1978, दिल्ली
आचार्य पद
28 जून, 1987, दिल्ली
गुरु
आ. श्री देशभूषण जी
समाधि
22 सितम्बर, 2019
कुंदकुंद भारती, दिल्ली

सम्पादकीय

ध्यान मूलं गुरोमूर्ति, पूजा मूलं गुरोः पदम्।
मंत्र मूलं गुरुर्वाक्यं, मोक्ष मूलं गुरो कृपा॥

काल चक्र अविरल गतिशील है तथा उत्थान-पतन जीवन की नियति है। भौतिकता, आकांक्षा, लिप्सा मानव जीवन में विपति का द्योतक है। मान, अहंकार, पद, ख्याति मानव को कर्त्तव्यों से स्खलित करके पतन की ओर ले जाती है। जब-जब मानव मूल्य में गिरावट आई है, धार्मिक-चेतना पर आघात हुआ है।

वर्तमान में जैन श्रमण-संस्कृति का स्वर्णिम काल है, जिसका श्रेय प.पू. चारित्र चक्रवर्ती आचार्य श्री शांतिसागर जी मुनिराज को जाता है, उन्होंने श्रमण संस्कृति को पुनर्जीवित करने के साथ उत्कृष्ट साधना का मार्ग भी प्रशस्त किया। उन्हीं के अनुगामी आचार्य श्री वीरसागर जी, श्री पायसागर जी, श्री धर्मसागर जी, श्री देशभूषण जी, श्री सन्मतिसागर जी, श्वेतपिच्छाचार्य श्री विद्यानंद जी, श्री विद्यासागर जी, श्री वर्द्धमानसागर जी आदि अनेक आचार्य भगवन्तों ने जैन संस्कृति का संवर्द्धन किया है।

जिन शासन के अनुसार पंचम काल में तीर्थंकर नहीं होते, केवलज्ञानी नहीं होते, किन्तु उनके लघुनंदन, संतों के सरताज आचार्य भगवंत उनका प्रतिनिधित्व करते हैं। साक्षात् जिनराज नहीं होते किन्तु मुनिराज होते हैं। ऐसे स्व-पर प्रकाशक, एक सूर्य का उदय हिमालय सम विशाल, सुदृढ़ प.पू. आचार्य श्री विद्यानंद जी मुनिराज जी की ओट में प.पू. आचार्य श्री वसुनंदी जी मुनिराज का हुआ। ऐसे संत जिनके सुदर्शन करने वाला पूरी तरह से खो जाता है। उच्च कोटि के साधक व संतों की श्रेणी में एक नाम सर्व विख्यात **''आचार्य वसुनंदी''** भी गूंजता है। जिनकी साहित्यिक शैली अद्वितीय है वात्सल्य के महासागर हैं, गुणों में हिमालय, आगम के वेत्ता, अनेकों भाषा के ज्ञाता, जिनकी पुचकार ही पहचान है, साहित्य व प्रवचन के लोग दिवाने हैं, गुरु भक्ति में जिनका कोई सानी नहीं, जिन धर्म की प्रभावना करने में अग्रण ीय, मिलनसार, हर परिस्थिति में समता, क्षमता व उद्यमता का परिचय देने वाले और आचार्य परम्परा को गौरवशाली बनाते हुए वही गरिमा और गम्भीरता बनाए रखने में समर्थ हैं।

सागर की गहराई, हिमालय की ऊँचाई, चन्द्रमा की शीतलता, सूर्य के उदय को, पुष्प वाटिका की महक, अंधकार में रखे प्रज्ज्वलित दीपक को किसी परिचय की आवश्यकता नहीं होती ऐसे ही संत को भी किसी परिचय की आवश्यकता नहीं होती। संत का परिचय केवल उनका संतपना है, वह भेष, परिवेष व देश के बंधन में बंधे हुए नहीं हैं। शब्द श्रृंखला, शब्द कोष, व्याकरण, साहित्यिक शैली में भी जिनको आकार नहीं दिया जा सकता, जिनके परिचय हेतु इन सब अक्षरों की कमी हो जाना स्वाभाविक है। फिर भी वर्तमान काल को ध्यान में रखते हुए, सागर की कुछ बूंदों को इस पुस्तक में समेटने का प्रयास सफल रहा है। मेरे भ्रातावत् अग्रज गुरुभाई मुनि श्री शिवानंद जी मुनिराज ने जो 35 वर्षो का सार एक ही पुस्तक में समेटने का प्रयास करते हुए, हम सभी को विगत वर्षों से अवगत कराया उसके लिए आभार व्यक्त करता हूँ।

भूतकाल व वर्तमानकाल को भविष्यकाल में जाना जा सके, जिनधर्म की प्रभावना का काल इतिहास में दर्ज हो सके, गुरु भक्ति व जिन धर्म भक्ति की प्रेरणा आने वाली पीढ़ी को भी मिल सके, दिगम्बर साधु की चर्या से जैन-जैनेत्तर को अवगत कराने की भावना और प.पू. गुरुदेव की अनुपम, अद्वितीय व अद्‌भुत प्रभावना कार्य, प्रेरणा एवं उनकी उच्च विचारधारा, विशाल कार्यक्षेत्र, रचनाएँ व आत्मोत्थान की भावना से जन-मानस को अवगत कराने के उद्देश्य से **''अक्षर शिल्पी''** नामक कृति का उद्‌गम हुआ। आशा है कि मुनि श्री शिवानंद जी का उद्देश्य इस कृति से पूर्णता को प्राप्त होगा और जिनशासन की प्रभावना में एक नया आयाम प्रस्तुत होगा।

प्रस्तुत कृति में प्रत्यक्ष व परोक्ष सहयोगी महाव्रतीगण, अणुव्रतीगण, श्रेष्ठीजन व भक्तगणों का हृदय से आभार व्यक्त करते हैं, तथा कृति के प्रकाशन में अपनी चंचला लक्ष्मी का सद्उपयोग करने वाले नवम् नवोदय वर्षायोग समिति दाहोद 2022 के महानुभावो को एवं डिजाईनर महावीर (मोनु) जैन दाहोद को भी पूज्य गुरुदेव का मंगलकारी पावन आशीर्वाद एवं मैं उनको साधुवाद देता हूँ।

प्रस्तुत कृति में यथा सम्भव सभी विषयों का सम्पादन समीचीन परिश्रम पूर्वक किया है फिर भी कुछ त्रुटि रह गयी हो तो विज्ञजन मुझे अवगत कराते हुए, सुधार करके ग्रहण करें। पूज्य गुरुदेव का आशीर्वाद मुझे युगों-युगों तक भवों-भवों तक प्राप्त होता रहे यही परमेश्वर से प्रार्थना है। ये लघु प्रयास गुरु चरणों में अर्पित है–

जिन्दगी की असली
उड़ान अभी बाकी है,
अपने इरादों का
इम्तिहान अभी बाकी है।
अभी तो नापा है
मुट्ठी भर जीवन,
आगे अभी सारा
आसमान बाकी है।

''सर्वेषां मंगलं भवतु''

संशोधित संस्करण 2022

गुरु कृपा से पल्लवित
लघु शिष्य
मुनि प्रज्ञमानंद

लेखक का लेख

शैले-शैले न माणिक्यं, मौक्तिकं न गजे गजे।
साध्वो न हि सर्वत्रा, चंदनं न वने वने।।

इतिहास अतीत का गौरव होता है। उसका उद्देश्य अतीत में हुए महापुरुषों के सच्चरित्र की स्मृति को पुनः जागृत कराना है। इतिहास एवं संस्कृति सदा धर्म के आश्रित रहती हुई आई है और वह धर्म की मौलिक मान्यताओं और अनुश्रुति के आधार पर निर्भर रहती हुई भी नींव के पत्थर के रूप में काम करती है।

भूतकाल में घटित घटनाएँ, अच्छे-बुरे पलों को इतिहास अपने आँचल में सुरक्षित कराता है। इतिहास में हुआ वह सब, युवा पीढ़ी को प्रेरणा का आधार प्रदान करता है। इतिहास ना होता तो शायद किसी भी देश, धर्म, महापुरुष आदि का अस्तित्व स्थायी ना रह पाता, इतिहास ना होता तो शायद संस्कृति की हत्या हो चुकी होती, इतिहास ना होता तो शायद प्राचीनता की प्रमाणिकता नष्ट हो चुकी होती। इतिहास गवाह है उन भविष्य के पाठकों, अध्येताओं और खोजकर्ताओं के लिए जो भूत और भविष्य को एक राह पर मिलाने का असंभव कार्य संभव कर जाता है।

जैन संस्कृति का इतिहास भी सर्वग्राह्य और प्रमाणिक सिद्ध होता है। जिसके आधार पर वैज्ञानिक की खोज को भी नया आयाम मिलता है। जैन संस्कृति सबसे प्राचीन संस्कृति है। तीर्थंकर आदिनाथ से पूर्व भी ध र्म का अस्तित्व था और आज भी बरकरार है। 24 तीर्थंकरों की क्रमबद्ध श्रृंखला और उनके काल में हुई धर्म प्रभावना का लेखा-जोखा आज भी इतिहास में दर्ज है। तीर्थंकर परम्परा के लुप्त होने पर केवली, श्रुतकेवली का प्रादुर्भाव रहा और क्रम से काल का प्रभाव दिखाई देने लगा तथा पंचम काल में आचार्यों का महत्त्व वृद्धिंगत हुआ। वर्तमान परिपेक्ष में आचार्य भगवन्तों का सर्वश्रेष्ठ स्थान जिनशासन में बताया गया है।

आचार्य श्री भद्रबाहु, श्री पुष्पदंत भूतबली, श्री कुंदकुंदाचार्य, श्री उमास्वामी, श्री समन्तभद्र स्वामी, श्री अकलंक देव, श्री जिनसेन स्वामी, श्री सिद्धप्पा स्वामी आदि का इतिहास गौरवशाली व प्रभावक रहा। तत्कालीन श्रावकों की अटूट श्रद्धा इन संतों पर रही। लुप्त होती दिगम्बर संत परम्परा को पुनः जीवित करने का श्रेय प.पू. चारित्र चक्रवर्ती आचार्य श्री शांतिसागर जी मुनिराज को जाता है। उन्हीं के काल में प.पू. आचार्य श्री आदिसागर जी 'अंकलीकर' की भी साधना तपस्या का अद्‌भुत वर्णन सुनने व पढ़ने में आया है। साथ ही गौरवशाली संत प.पू. आचार्य श्री शांतिसागर जी मुनिराज 'छाणी' का भी समकालीन प्रभाव अवर्णनीय है। ये तीनों ही युगप्रवर्तक व श्रेष्ठ पदस्थ संत हुई जिनकी परम्पराएँ वर्तमान काल में लगभग 1500 साधुओं के रूप में विद्यमान है। **प.पू. चा.च. आचार्य श्री शांतिसागर जी मुनिराज** की एक शाखा **प.पू. आचार्य श्री पायसागर जी मुनिराज** के रूप में विकसित हुई जिसमें **प.पू. आचार्य श्री जयकीर्ति जी मुनिराज** के रूप में एक पुष्प पल्लवित हुआ। इसी बगिया में **प.पू. भारत गौरव आचार्य श्री देशभूषण जी मुनिराज** ने अपनी अलग पहचान बनाते हुए **प.पू. श्वेतपिच्छाचार्य श्री विद्यानंद जी मुनिराज** जैसे संत को जैन समाज को

देकर एक अद्वितीय उपहार प्रदान किया। रत्न की पहचान जौहरी को ही होती है, इसलिए आचार्य श्री रूपि कुशल जौहरी ने एक अनमोल कोहिनूर, उपमातीत छवि वाले **प.पू. अक्षर शिल्पी, अभीक्ष्ण ज्ञानोपयोगी आचार्य श्री वसुनन्दी जी मुनिराज** को तराशकर जैन समाज को सौंप दिया। ऐसे रत्नों का मोल नहीं, ये अनमोल होते हैं।

जो एक नहीं तीन रत्नों के धारी हैं, जो एक नहीं अनेक गुणों के धारी हैं, जो एक नहीं अनेक नेक सलाह व सुराह के दर्शायक हैं, ऐसे अनेक नहीं एक मात्र संत जो नवीनीकरण और नवीन पीढ़ी के जीर्णोद्धार में संलग्न हैं, जो समाज की दशा को सुधारने के लिए तत्पर हैं, जो सिंह चर्या में प्रसिद्ध, भय रहित, वात्सल्य के सागर, प्रत्येक प्राणी की वाणी पर जिनका नाम है, हर दुखियारे का सहारा, सशक्त जिनागम चर्या व प्रवचन मार्तण्ड, जिनके मीठे प्रवचनों की लहर पूरे भारतवर्ष में चल पड़ी है, कोमल हृदयी, ज्ञान ध्यान तप में अनुरक्त, आज्ञानुवर्ती शिष्य, शिष्यों के सरताज, भक्तों के मुनिराज, भविष्यकाल के जिनराज प.पू. अभीक्ष्ण ज्ञानोपयोगी आचार्य गुरुवर श्री वसुनंदी जी मुनिराज के महापरिचय को लेखनी से लिख पाना अत्यंत दुर्द्धर कार्य है। पहाड़ों को काटकर उसमें से सुरंग निकाली जा सकती है, आसमां का सीना फाड़कर धरती पर भागीरथी को लाया जा सकता है, धरती को चीरकर पानी निकाला जा सकता है, गुरु मुख से भगवंतो का गुणगान गाया जा सकता है किन्तु गुरुगुण की महिमा, उपकार का वर्णन कर पाना संभव नहीं है। कागज पर लिखे चंद शब्दों के द्वारा महिमा को बखान कर पाना मेरे लिए संभव नहीं था इसलिए इस "अक्षर शिल्पी" नामक कृति के द्वारा गुरु के गुणों से, महिमा से, चारित्र से, तप-त्याग से, धर्म प्रभावना से आपको पूर्णता रूबरू नहीं करा सकता हूँ लेकिन कुछ विशेष अवसर, पल, अविस्मरणीय स्मृतियाँ, अद्वितीय क्षण, जीवन की प्रमुख झलकियाँ ही कुछ अंश एवं साकार रूप देना ही यथोचित समझा है।

प्रथमानुयोग जैनधर्म का प्राण है, प्रारम्भिक मंजिल है, भविष्य की पीढ़ी को प्रेरणा देने वाला ज्योतिपुंज है। प्रथमानुयोग में न केवल तीर्थंकर, बलभद्र, चक्रवर्ती, कामदेव, आदि का जीवन चरित्र दर्शाया जाता रहा है अपितु मोक्षगामी, भव्य जीवों, महातपस्वी, गजकुमार मुनि, सुकुमाल मुनि, सुकौशल मुनि जैसे मुनिराजों का भी उल्लेख मिलता है। प्रथमानुयोग की अनमोल, ज्ञानवर्द्धक एवं प्रेरणादायक कृतियों ने वर्तमान काल को प्रकाशित करते हुए जैनागम को वृद्धिगंत किया है। ऐसे ही इस प्रथमानुयोग की पुष्पमाला में एक और पुष्प को गूंथने का भाव हृदय में आया तो गुरु भक्ति के वशीभूत होकर अपने भावों को वर्तमान काल के ज्ञानवृद्ध, तपोवृद्ध, अनुभव वृद्ध, युवा मनीषी जिनका चहुँ ओर, सर्वक्षेत्र में विकसित ज्ञान, ओजस्वी संत के संकलित विषय को गुरु भक्तों की मांग को देखते हुए पूर्ण किया।

यह कृति किसी साहित्यिक शैली व ज्ञान प्रदर्शन या ख्याति लाभ के लिए नहीं अपितु केवल और केवल गुरु प्रभावना के माध्यम से जनसाधारण को जागृत करने के उद्देश्य से रची है। इस कृति में प्राप्त जानकारी यदि आपको अपूर्ण या भिन्न लगती हो तो विनयी महानुभाव हमें अवश्य अवगत करायें अथवा कोई पुरानी स्मृतियाँ, चित्रादि सामग्री पूज्य आचार्य श्री से संबंधित हो तो अवश्य अपलब्ध करायें जिससे पूर्व की स्मृतियों को सहेजने का प्रयास अगले अंक में किया जा सके।

अंत में जिन महामुनिराज, तीर्थोद्धारक, जीवोद्धारक, मम कल्याण मार्ग प्रदर्शक, मम पितावत् गुरुदेव प.पू. आचार्य श्री वसुनन्दी जी मुनिराज के परिचय से आपका परिचय कराया, वे परोपकारी महात्मा संत मेरे जीवन को सदैव आलौकित करते रहें, मुझ पर कृपा की वर्षा करते रहें, उनका वात्सल्य और दिशा निर्देश हर कदम पर प्राप्त होता रहे इन्हीं मंगल भावनाओं के साथ प्रभु से प्रार्थना करता हूँ कि पूज्य गुरुदेव के चरण कमलों में समाधिमरण का अवसर मुझे प्राप्त हो। सभी सहयोगी मेरे गुरुभाई को हृदय से नमोस्तु-प्रतिनमोस्तु एवं गुरुबहन और गुरु भक्तों का हृदय से यथायोग्य साधुवाद।

प.पू. गुरुदेव आचार्य श्री वसुनंदी जी मुनिराज के चरण-युगल में त्रयभक्ति पूर्वक कोटिश: नमोस्तु! नमोस्तु! नमोस्तु!

गुरु चरणरज, सेवक

पुत्रवत् शिष्य

मुनि शिवानंद

प्रथम संस्करण 2015

26 सितम्बर, 2015 ई., मीरा मार्ग, मानसरोवर, जयपुर (राज.)

संशोधित संस्करण 2018

03 अक्टूबर 2018, ज्योति नगर, दिल्ली

तृतीय संस्करण 2023

03 जनवरी 2023, दाहोद (गुजरात)

परम संत

जो चल पड़ा मंजिल की खोज में
कदम दर कदम बढ़ाते हुए
मन में दृढ़ निश्चय व असीम श्रद्धा
और लगन के साथ
परमात्मा से मिलन की चाह मन में लिए
अकेला ही प्रज्ज्वलित प्रकाश पुञ्ज बन
दुर्धर मार्ग पर निरावरण पग रखता हुआ
दुर्लभ व विरले, साहसी पुरुषों में
अपनी अलग पहचान छोड़ता हुआ
अनुसरण करते हुए पीछे आने वाले
हजारों, लाखों अनुयायियों के लिए
जो आदर्श शिष्य से आदर्श गुरु का सफर तय करते हुए
अनन्त सुख को लक्षित कर
चला जा रहा है
और आत्मा से महात्मा बन
परमात्मा बनने की कगार पर खड़ा है
जो राग और अनुराग की दशा को छोड़
वीतराग अवस्था को पाने को लालायित हो गया
वही संत
महंतों का राजहंस उड़ते हुए आज
''परम संत''
बन, आप और हम सबको
आराध्य, आदर्श, आधार,
इष्ट, गुरु और मार्गदर्शक
के रूप में प्राप्त हुआ है।

मुनि प्रज्ञानंद

वन्दे गुरुवरम्

जिनके कदम मानवता को सार्थकता देने के लिए
खुदा से खुद की पहचान करने के लिए
पाप को पुण्य में परिवर्तित करने के लिए
अहिंसा की मशाल से सर्वत्र प्रकाशमान करने के लिए
भक्ति से भगवान की प्राप्ति करने के लिए
दूसरों के दु:खों को मिटाने के लिए
अपराधों को नज़र अंदाज करने के लिए
भटकों को सद्राही बनाने के लिए
गिरतों को उठाने के लिए
मोक्षमार्गी बन आत्मा की शुद्धि के लिए
लोक के अग्रभाग में विराजित होने के लिए
बेसहारों का सहारा बनने के लिए
बिखरों को जोड़ने के लिए, कर्मों को हराने के लिए
वात्सल्य की बौछार करने के लिए
तीर्थों की वन्दना करने के लिए
और आत्मा के सच्चे रूप को प्राप्त करने के लिए
बढ़ चुके हैं।
ऐसे ऋषिराज, गुरुराज, मुनिराज
प.पू. आचार्य श्री वसुनन्दी जी गुरुदेव के
चरणों की रज को चंदनवत्
अपने मस्तक पर धारण करता हुआ
त्रय भक्ति पूर्वक नमोऽस्तू करता हूँ।
''वन्दे गुरुवरम्''

मुनि श्रद्धानंद

मीठे प्रवचन

रोगी के रोगों को दूर करने वाले
गैरों को अपना बनाने वाले
वास्तविकता से रूबरू कराने वाले
मोह की नींद तोड़ने वाले
मीठी घुट्टी पिलाने वाले
भटकों को राह पर लाने वाले
जैन धर्म का मर्म बताने वाले
गैरों को भी अपना बनाने वाले
कर्म की सत्ता को गिराने वाले
पापों को उँगलियों पर नचाने वाले
देश में धूम मचाने वाले
'महानुभाव' का शब्द गुंजाने वाले
प्रतिदिन जिनवाणी चैनल पर आने वाले
सबके दिल पर छा जाने वाले
ऐसे **''मीठे प्रवचनों''** को
देने वाले
परम संत, अध्यात्म योगी, सर्वजनप्रिय
प.पू. गणधराचार्य श्री वसुनन्दी जी मुनिराज की
वाणी को जिनवाणी वत् शिरोधार्य करता हुआ
त्रिकाल त्रयभक्ति पूर्वक नत्मस्तक
होता हुआ नमोऽस्तु करता हूँ।
''वन्दे गुरुवरम्''

मुनि पवित्रानंद

बहुआयामी व्यक्तित्व के धनी आचार्य श्री वसुनन्दी जी महाराज

आचार्य श्री वसुनंदी जी मुनिराज श्रमण परम्परा के वह नक्षत्र हैं जो सदैव धरा को प्रकाशित कर रहे हैं। आचार्य वसुनंदी जी महाराज 36 मूलगुणों का अक्षरश: पालन करने वाले प्राणी मात्र के कल्याण की कामना में सदैव तत्पर एवं संस्कारों का शंखनाद कर रहे हैं। प्राणी मात्र से वात्सल्य प्रेम देखकर मन आनन्द से विभोर हो जाता है। जो स्व-पर कल्याण में लगे हुए हैं निर्विकार, सरल हृदय, करुणा के सागर हैं। आचार्य श्री ने धर्म बचाओ, धर्म सिखाओ का नारा चरितार्थ कर उन्होंने देश की सम्पूर्ण युवा शक्ति को धर्म के प्रति जागरुक किया है।

विशाल संघ के अधिनायक होने के साथ-साथ आचार्य श्री ने देश में संस्कृति, संवर्धन व संरक्षक हेतु अनेक अभियान छेड़े हैं। धर्म के प्रचार-प्रसार में श्रावक सद्संस्कार शिविर का आयोजन करना कराना मजबूत कड़ी का कार्य है।

आचार्य श्री ने शताधिक पंचकल्याणक प्रतिष्ठायें कराई हैं। प्रत्येक पंचकल्याणक अभूतपूर्व रहा है। आचार्य श्री के मंगल सान्निध्य में जुलाई 2004 दिल्ली में सिद्धचक्र विधान के समय सान्निध्य प्राप्त हुआ जो आज तक निरन्तर चला आ रहा है।

आचार्य श्री के मंगल सान्निध्य में अभी तक 40-50 पंचकल्याणकों के अलावा कई विधान कराने का सौभाग्य मिला। आचार्य श्री प्रतिष्ठा कार्यों में शुद्धि एवं क्रियाओं में किसी प्रकार की शिथिलता पसन्द नहीं करते हैं।

आचार्य श्री की तीर्थ क्षेत्रों के प्रति दृष्टि संरक्षक रही है एवं किसी भी क्षेत्र में राग-द्वेष की भावना से रहित होकर हमेशा तीर्थ क्षेत्रों के प्रति संरक्षक की दृष्टि सकारात्मक रहती है। तीर्थों की पवित्रता पर ध्यान दिया और जीर्ण-शीर्ण तीर्थों को व्यवस्थित बनाने का मार्ग दर्शन दिया। जिसके तहत अजमेर में श्री जिनशासन तीर्थ की स्थापना और बौलखेड़ा जम्बूस्वामी तपोस्थली के साथ अनेक तीर्थ क्षेत्रों की काया कल्प एक स्वर्णिम कीर्तिमान है, जो सदियों तक स्मरण रहेगा। साहित्य के क्षेत्र में आचार्य श्री ने जो अवदान दिया है वह स्वर्णाक्षरों में अंकित रहेगा। सैकड़ों ग्रन्थों के टीकाकार उन्हें सहज, सरल, बोधगम्य बनाना केवल आचार्य श्री वसुनन्दी मुनिराज ही कर सकते हैं।

मीठे प्रवचन एवं प्राकृत कृति सहित लगभग 40-50 कृतियों के सृजेता महाकवि आचार्य श्री कुशल चिंतन व समालोचक भी हैं। उच्च अर्थों में गुरुदेव एक संत हैं।

ऐसे युग पुरुष-युग दृष्टा के श्री चरणों में कोटि-कोटि नमोस्तु।

–प्रतिष्ठाचार्य श्री मनोज जैन शास्त्री

रोहिणी, दिल्ली

जिनशासक प्रभावक
आचार्य श्री वसुनंदी जी महाराज

आचार का लक्षण

मुक्तिमहल में प्रवेश करने का मुख्य द्वार आचार है। सभी मानवों में ज्ञानी मानव श्रेष्ठ होता है। सभी ज्ञानियों में आचारवान श्रमण श्रेष्ठ होता है। विचार की जन्मभूमि आचार है, राष्ट्र, समाज एवं व्यक्ति के सर्वांगीण उन्नति का मूल आधार आचार है। सदाचार एक ऐसा सार्वभौमिक तत्व है कि जिसे देश एवं काल की सीमा में बांध नहीं सकते हैं। जिस प्रकार सूर्य का प्रकाश सभी के लिए उपयोगी है, वैसे ही सदाचार सभी के लिए उपयोगी एवं आवश्यक है।

श्रमणाचार यात्रा

परमपूज्य प्रातः स्मरणीय अभीक्ष्ण ज्ञानोपयोगी निर्मल ज्ञान के अनुपम निधि, संयम साधना के शिखर संत, उग्रतप साधना में निरन्तरलीन निर्ग्रंथ आचार्यश्री वसुनन्दी जी महाराजश्री ने मानव पर्याय को प्राप्त कर 55 बसन्त पूर्ण कर लिए हैं। आपने 21 वर्ष की भरी जवानी में वैराग्य को धारण कर इस मनुष्य जन्म को सार्थक किया है। इस जन्म के भाग्योदय का वह मौलिक क्षण था, जिस समय आपने ब्रह्मचर्यव्रत, क्षुल्लकव्रत एवं मुनिधर्मव्रत को धारण कर निज कल्याण के साथ लोककल्याण के पथ पर अग्रसर हुए हैं। आपने 21 से 35 उम्र तक चौदह साल के मध्य सतत अध्ययन, मनन, चिन्तन करते हुए, आध्यात्मिक जागरण के प्रहरी बनकर, मोक्षमार्ग के पथिक होकर शासननायक, वर्धमान महावीर भगवान के अहिंसामयी जिनधर्म को जनमानस तक पहुँचाया है।

गुरु से योग्यता प्राप्त कर जिनशासन के परमेष्ठी पदों पर प्रतिष्ठित होना

पूर्व भव में संचित अपार सुकृत पुण्यफल ने आपके भाग्य को सौभाग्य में परिवर्तित किया है। राजधानी दिल्ली में विराजमान परमपूज्य राष्ट्रसंत सिद्धांतचक्रवर्ती ज्ञानवृद्ध, तपवृद्ध आचार्यश्री विद्यानंद मुनिराज के पावन करकमलों से उपाध्यायपद, एलाचार्यपद एवं आचार्यपद से विभूषित हुए। गौरवशाली श्रमण परम्परा के जिनशासन प्रभावक दैदीप्यमान उज्ज्वल नक्षत्र बनकर उभरे हैं।

सारस्वत साधना से उपाध्याय पद की सार्थकता

आचार्यश्री शास्त्रसभा के मध्य अपने अधीन ज्ञान-विज्ञान के गम्भीर विषयों को लेकर स्वाध्याय कराते हैं। उस समय जो प्रसंग मैंने अवलोकन किया, वह अत्यन्त मार्मिक है। वे शास्त्रीय परम्परा का अनुपालन अत्यन्त निपुणता से करते हैं। धर्मसभा में अपने संघ के साधुओं को एक साथ उपस्थित रखना। सभी त्यागीजन मौन होकर एक चित्त से शास्त्र को सुनने में तत्पर रहना। धर्मसभा के आरम्भ में शास्त्रीय मंगलाचरण किसी विद्वान से करवाना। मंगलाचरण मूलक ग्रंथ का प्रारम्भ करना। जिनवाणी के प्रति विनय प्रकट करते हुए स्तुति पूर्वक वंदना करना। धर्मसभा में पिन ड्रॉप साइलेंस होना। णमोकार मंत्र के 9 बार जाप करवाना। श्रोताओं को सचेत कर, रीढ़ को सीधा करवाकर, सुखासन में बिठाकर, सावधान मुद्रा में उपस्थित कर, भव्यात्माओं को कोमल वचनों से सम्बोधित कर, बारम्बार छन्दों को शुद्ध पाठ करवाना। एक घण्टे के स्वाध्याय में मात्र एक ही छन्द का विस्तार से विवेचन करना। जैन पारिभाषिक कठिन पदावलियों का विशेष अर्थ मूलक सामान्य जनता को सुलभ अर्थ में समझाना। यह अध्यापन परम्परा

उच्चस्तरीय शिक्षण संस्थानों के माप दण्डों पर खरा उतरा है।

शास्त्रीय परम्परा का निर्वाह करते हुए एलाचार्य पद की गम्भीरता

पाठ्य ग्रंथ के संदर्भ का स्पष्टीकरण करना। प्रत्येक छंद का सार्थ प्रस्तुत करना। लयबद्ध तरीके से छन्दपाठ करवाना। व्याकरण मूलक अन्वय बनाना। कठिन शब्दों का भावार्थ करना। शास्त्रीय टिप्पणी, ऐतिहासिक टिप्पणी, सांस्कृतिक टिप्पणी मूलक गम्भीर विषय को सहजता से प्रस्तुत करना। समय-समय पर पूर्वाचार्यों के मौलिक ग्रन्थों का संदर्भ प्रस्तुत करना, समानान्तर विषयों पर तुलनात्मक विवेचन करना, गुण-दोषों का सटीक परिचय देना, लोकजीवन में व्याप्त आधुनिक कवियों के विभिन्न भाषाओं में निबद्ध संस्मरण को उदाहरण के साथ घटित करना। अपने सुदीर्घ अध्ययन से प्राप्त व्यापक अनुभवों का सांगोपांग कथन करना। पूर्वापर छन्दों से सम्बन्ध स्थापित करना। विषय का विवेचन गूढ़ता से सहजता की ओर ले जाना। मध्य में रोचक प्रसंगों को उद्घाटित कर चित्त की एकाग्रता को बढ़ाना। चारों अनुयोगों का यथासमय व्याख्या करते हुए विषय को पुष्ट एवं स्पष्ट करना।

समय-समय पर श्रोताओं के मन में आये हुए जिज्ञासाओं का सटीक उदाहरण के साथ समाधान करना। अत्यन्त सजगता से धर्मसभा में अनुशासन का परिपालन करना। विषय से हटकर आवान्तर चर्चा कभी नहीं करना। आगम, सिद्धान्त, नय, निक्षेप, स्याद्वाद, अनेकान्तवाद के आधार पर शास्त्रसम्मत कथन करना, कटु-निष्ठुर अनुचित दोषयुक्त पदावलियों का कभी भी प्रयोग नहीं करना। सभी श्रोताओं के प्रति करुणा भाव को बनाये रखना। अपने निर्मल ज्ञान से, क्षोभ रहित होकर कल्याण की भावना से उपदेश देना। ऐसे अनेक सद्गुणों के द्वारा अनुपम, उत्कृष्ट महिमायुक्त, प्रभावक शैली में आप प्रवचन देते हैं।

साहित्यशास्त्र के विभिन्न आयामों का सहजता से प्रयोग करते हुए रस-योजना, रीति-विवेचन, छन्द-प्रयोग, अलंकार-निर्देशन, उत्कृष्ट-भाषा शैली, गुण-निरूपण के द्वारा श्रोताओं के हृदय को आल्हादित करने का प्रसंग प्रशंसनीय है।

निरतिचार चारित्र के परिपालक आचार्य परमेष्ठी

दीन-दुःखी, पीड़ित प्राणियों के उत्थान के प्रति आप सतत सजग हैं। संघस्थ साधुओं के प्रति परम-कल्याण की भावना से ओत-प्रोत हैं। निरतिचार चारित्र के परिपालन करने में सदैव तत्पर हैं। सिद्धहस्थ यशस्वी लेखक हैं। प्रतिभा सम्पन्न उद्भट वाग्मि हैं। श्रमण संस्कृति के विविध आयामों के द्वारा समाज के हर वर्ग को लाभान्वित करने का कुशल नेतृत्व आप में है। सदाचार सम्पन्न राष्ट्र निर्माण के प्रति सदैव सचेष्ट हैं। श्रावकों के आध्यात्मिक उत्थान हेतु व्रताचरण, सदाचरण पर विशेष बल देते हैं। पर्व, उत्सव मनाने के लिए यथासमय प्रशस्त मार्गदर्शन देते हैं। सामाजिक व्यवस्था सुसंगठित करने के लिए उदात्त चिन्तन रखते हैं। कलियुग में संघ शक्ति का महत्व युवाशक्ति को समझाकर धर्म की ओर उन्हें आकर्षित कर प्रेरित करते हैं। इस तरह आपके यहाँ मनोज्ञमुनि के लक्षण विद्यमान हैं।

उपसंहार

गुरुदेव आचार्यश्री विद्यानंद जी मुनिराज ने दीक्षा देने से पहले अनुशासन के तीन तथ्य बड़े शालीनता से प्रस्तुत किये हैं। पहले शिक्षा, बाद में दीक्षा, अनन्तर भिक्षा विधि को क्रम से प्राप्त करना आवश्यक है। ये तीनों तथ्य आपको प्राप्त हैं।

इसी वर्षायोग में आपके लेखनी द्वारा प्राकृतभाषा में रचित अनेक ग्रन्थ प्रकाशित हुए हैं। उन शौरसेनी साहित्य के ग्रन्थों के अध्ययन से जैन समाज को एक भारतीय साहित्य प्रेमियों को ऐतिहासिक तथ्यों का विशिष्ट ज्ञान प्राप्त होगा। इस लोकोपयोगी साहित्य सृजन की दिशा में आपका साहस श्लाघनीय है। प्राचीन प्राकृतभाषा के सर्वांगीण उन्नयन, संरक्षण एवं शिष्य वर्गों को प्रशिक्षण देने का जो सपना आचार्यश्री विद्यानंद जी मुनिराज ने देखा था, उस महान कार्य की सफलता आपके द्वारा पूर्णता को प्राप्त हो रही है। उन आदर्श आचार्य परमेष्ठी को मैं श्रद्धापूर्वक नमन करते हुए स्वर्णजयंती महोत्सव के पावनपर्व पर विनयाञ्जलि अर्पण करता हूँ। आपकी रत्नत्रय आराधना सफल हो तथा जिनशासन की अपार प्रभावना हो, ऐसी हार्दिक मंगल भावना आपके चरणकमलों में सादर समर्पित करता हूँ।

विनीत गुरुभक्त

डॉ. प्रो. जयकुमार उपाध्ये

प्रोफेसर एवं प्राकृत भाषा विषय प्रमुख

श्री ला.ब.शा.रा. संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली

बी-4, कुतुब सांस्थानिक क्षेत्र, नई दिल्ली-16

पूज्य आचार्यश्री अपनी सीधी-सादी, शांत, मृदु और गम्भीर शैली में श्रोताओं के मन तक पहुँच जाने की कला जानते हैं, स्वाभाविकता में जीने का आनन्द सिखाने का मन्त्र समझाते हैं और सिखाते हैं—प्रेममय जीवन, स्वाभाविकता के साथ जीने का सिद्धान्त भी; जिससे उनकी बातें और निर्देश सहज ही हृदय-ग्राह्य हो जाते हैं। पूज्य श्री ने अपने मीठे और वात्सल्यसिक्त प्रवचनों के माध्यम से आध्यात्म का अर्थ समझाया है।
उनके शब्दों में तटस्थता के साथ एक नैसर्गिक मिठास है, जो बिना किसी का पक्ष लिए तन्द्रा में आपाद मस्तक डूबे मनुज को झिंझोड़ती है और कर देती है संचार मुर्दे में भी जीवन का। गुरुदेव की देशना कर हर शब्द और हर वाक्य सूक्ति बन गया है।
उनके वक्तव्यों से उनकी साधना मुखरित होती है, ज्ञान-आचार और साधना का विषद अनुभव गुंजित होता है। उन्होंने गुणों की पूजा को महत्त्व दिया है और प्रेरणा दी है कि स्वाध्याय, भक्ति की आराधना और आत्म-चिंतन के त्रिकोण की साधना की।
पूज्य आचार्यश्री का जीवन आत्म-स्वातंत्र्यबोध-जन्य क्रांति का श्लोक है, साधना से मुक्ति का दिव्य चाँद है तथा मानवीय मूल्यों की वंदना एवं मानसिक ऐश्वर्य के विकास का वह भागीरथ प्रयत्न, जो स्तुत्य हैं, वन्दनीय हैं और हैं जाति, धर्म, वर्ग, सम्प्रदाय भेद से दूर; पूरी इंसानी जमात की बेहतरी एवं उसके आतम उत्कर्ष की भाव भूमि की स्थापना को समर्पित एक सशक्त कदम। पूज्यपाद आचार्यश्री तो वीतराग साधना पथ के पथिक हैं, निरामय हैं, निर्ग्रन्थ हैं, दर्शन, ज्ञान और आचार की त्रिवेणी हैं, क्रान्तिद्रष्टा हैं और परिष्कृत विचारों के प्रणेता भी।

प्रो. नलिन के. शास्त्री, कुलसचिव
मगध विश्वविद्यालय, बोधगया (बिहार)

परिचय सारांश

पूर्व नाम	श्री दिनेश जैन 'रवि'/रविन्दु
जन्म स्थान	ग्राम विरौंधा, तह. मनियाँ, जि. धौलपुर (राज.)
जन्म तिथि	आसौज वदी अमावस्या, सं. 2023
	मंगलवार, 03 अक्टूबर 1967, वी.नि. सं. 2494
माता	श्रीमति त्रिवेणी देवी जैन (समाधिस्थ आर्यिका भव्यनंदनी माता जी)
पिता	श्री रिखबचन्द जी जैन (वर्तमान में ब्र. भव्यप्रकाश भैया जी)
गोत्र व जाति	जैसवाल, वैश्य
लौकिक शिक्षा	बी.कॉम. (धौलपुर से)
वैराग्य	सन् 1979, जनवरी
निमित्त (कारण)	छहढाला की पंक्तियाँ सुनकर
	"दौल समझ सुन चेत सयाने, काल वृथा मत खोवे।
	यह नर भव फिर मिलन कठिन है, जो सम्यक् नहीं होवे॥"
ब्रह्मचर्य व्रत	सन् 1983, मार्च (विरौंधा, तह. मनिया, धौलपुर)
गृह त्याग निमित्त	किसी युवा की आकस्मिक मृत्यु देखकर
ब्रह्मचर्य दीक्षा	14 मई, 1988 अतिशय क्षेत्र सिंहोनिया जी, मुरैना (म.प्र.)
	आ. श्री विमलसागर जी महाराज से
दो प्रतिमा के व्रत	17 जून, 1988 ज्येष्ठ कृ. 14, शनिवार, राजाखेड़ा (राज.)
	आ. श्री सुमतिसागर जी महाराज से पंचकल्याणक प्रतिष्ठा में
सात प्रतिमा के व्रत	16 जुलाई, 1988 अतिशय क्षेत्र बरही (भिण्ड, म.प्र.)
उम्र	20 वर्ष 9 महीने
प्रथम केशलोंच	14 अगस्त, 1988 (भिण्ड, म.प्र.)
क्षुल्लक दीक्षा	16 नवम्बर, 1988 कार्तिक सुदी 7, वि.सं. 2045
स्थान	अतिशय क्षेत्र बरासों (भिण्ड, म.प्र.), दिन-बुधवार
उम्र	21 वर्ष, 1 माह, 12 दिन
नाम	क्षुल्लक श्री जिनेन्द्रसागर जी
दीक्षाकाल	10 माह, 25 दिन
मुनि दीक्षा	11 अक्टूबर, 1989 आश्विन शु. 11, वि.सं. 2046, बुधवार
स्थान	भिण्ड (म.प्र.)

उम्र	22 वर्ष, 8 दिन
नाम	मुनि श्री निर्णयसागर जी मुनिराज
दीक्षा काल	12 वर्ष 4 माह, 06 दिन
उपाध्याय पद	17 फरवरी बसंत पंचमी, रविवार
स्थान	विश्वास नगर, दिल्ली
उम्र	34 वर्ष, 4 माह
नाम	उपाध्याय श्री निर्णयसागर जी मुनिराज
दीक्षा काल	7 वर्ष, 01 माह, 11 दिन
एलाचार्य पद	01 अप्रैल, 2009 चैत सुदि 6, वि.सं. 2006, बुधवार
स्थान	कमल सिनेमा पार्क, ग्रीन पार्क, दिल्ली
उम्र	41 वर्ष, 05 माह
नाम	एलाचार्य श्री वसुनन्दी जी मुनिराज
दीक्षा काल	5 वर्ष, 9 माह, 2 दिन
आचार्य पद	03 जनवरी 2015, पौष शु. 13, वि. सं. 2071, शनिवार
स्थान	कुन्दकुन्द भारती, दिल्ली
उम्र	48 वर्ष, 3 माह
नाम	आचार्य श्री वसुनन्दी जी मुनिराज
दीक्षा काल	वर्तमान पद
त्रय पद प्रदाता	प.पू. श्वेतपिच्छाचार्य श्री विद्यानंद जी मुनिराज
संपादित ग्रंथ	लगभग 250
भाषा ज्ञान	हिन्दी, अंग्रेजी, उर्दू, संस्कृत, प्राकृत, कन्नड़, तमिल, गुजराती, मराठी, बुन्देली, ब्राह्मी, शॉर्टहैण्ड (ऋषि प्रणाली), पंजाबी
रुचि	अध्ययन, अध्यापन, ध्यान, चिंतन, लेखन, संयम, अनशन, साधना, रस परित्याग, कथा वाचन, आदि
गुरु	प.पू. श्वेतपिच्छाचार्य श्री विद्यानन्द जी मुनिराज

माता पिता परिचय

ब्र. भव्यप्रकाश भैया

गृहस्थ अवस्था का नाम	श्री रिखब चंद जैन
माता का नाम	श्रीमती ग्यासोबाई जैन
पिता का नाम	श्री मवासी लाल जैन
जन्म	23 जुलाई, 1941, आषाढ़ कृ. चतुर्दशी, संवत् 1998
स्थान	विरोंधा, तहसील मनियाँ (राज.)
लौकिक शिक्षा	हाई स्कूल (संस्कृत में प्रथम शास्त्री)
ब्रह्मचर्य व्रत	11 अक्टूबर, 1989, भिण्ड (म.प्र.)
नाम	ब्र. भव्यप्रकाश जी
दो प्रतिमा व्रत	चातुर्मास 2005, शौरीपुर (उ.प्र.)
सात प्रतिमा व्रत	2013 बौलखेड़ा (राज.)
गुरु	प.पू. आचार्य श्री वसुनन्दी जी मुनिराज

आ० श्री भव्यनंदनी माताजी

गृहस्थ अवस्था का नाम	श्रीमती त्रिवेणी जैन
माता का नाम	श्रीमती भगवती जैन
पिता का नाम	श्री भोंदूराम जैन
पति का नाम	श्री रिखबचंद जैन (सम्प्रति ब्र. भव्यप्रकाश जी)
जन्म	सन् 1945
लौकिक शिक्षा	मैट्रिक
सप्तम प्रतिमा	वर्ष 2005, बौलखेड़ा (राज.)
गृहत्याग	31 जनवरी, 2018
नाम	ब्र. स्वयंप्रभा जी
क्षुल्लिका दीक्षा	01 फरवरी 2018, जिनवाणी चैनल प्रांगण, आगरा (उ.प्र.)
नामकरण	क्षुल्लिका श्री भव्यनन्दनी माता जी
आर्यिका दीक्षा	4 जनवरी 2021, बौलखेड़ा (राज.)
नाम	आर्यिका श्री भव्यनंदनी माता जी
समाधि	05 जनवरी, 2021
स्थान	अ.क्षे. जम्बूस्वामी तपोस्थली, बौलखेड़ा (राजस्थान)
गुरु	प.पू. आचार्य श्री वसुनन्दी जी मुनिराज

चातुर्मास

2018	बैंक एन्क्लेव, दिल्ली
2019	कालका जी, दिल्ली
2020	श्री जम्बूस्वामी तपोस्थली, बौलखेड़ा (राज.)

पूर्व पारिवारिक परिचय

क्र.सं.	नाम	सम्बन्ध
1.	श्रीमति त्रिवेणी देवी जैन (समाधिस्थ आ. भव्यनंदनी माता जी)	माता
2.	श्री रिखबचंद जी जैन (वर्तमान में ब्र. भव्यप्रकाश भैया जी)	पिता
3.	श्री नरेश जैन	बड़े भाई
4.	श्री महेश जैन	छोटे भाई
5.	श्री सुरेश जैन	छोटे भाई
6.	श्री मनीष जैन	छोटे भाई
7.	श्रीमति मनोरमा जैन	बहन
8.	श्रीमति सुनीता जैन	बहन
9.	श्रीमति अनीता जैन	बहन
10.	श्रीमति ग्यासो देवी जैन	दादी
11.	श्री मवासी लाल जैन	दादा
12.	श्रीमति भागवती जैन	नानी
13.	श्री भोंदूराम जैन	नाना
14.	श्री अजित कुमार जैन	चाचा
15.	श्री भागचन्द जैन	मामा
16.	श्री सुमत चन्द जैन	मामा
17.	श्रीमति जैनमति जैन	बुआ
18.	श्रीमति शांतिदेवी जैन	बुआ
19.	श्रीमति रतनदेवी जैन	बुआ
20.	श्रीमति किरण देवी जैन (समाधिस्थ आ. कल्याणनंदनी माता जी)	बुआ
21.	श्रीमति प्रेमवती जैन	बुआ
22.	श्रीमति गुणमाला जैन	बुआ
23.	श्रीमति अंगूरी देवी जैन	मौसी
24.	श्रीमति कृष्णा देवी जैन	मौसी
25.	श्रीमति केलादेवी जैन	मौसी
26.	श्रीमति बतको देवी जैन	मौसी

दादा

स्व. श्री मवासीलाल जैन

पिता - माता

श्री रिखबचंद - श्रीमती त्रिवेणी जैन

चाचा - चाची

श्री अजित - श्रीमती ओमवती जैन

श्री नरेश जैन, श्री महेश जैन, श्री सुरेश जैन, श्री मनीष जैन

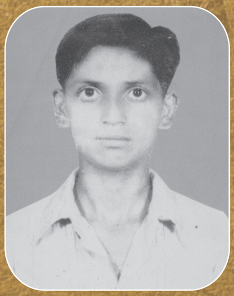

बा.ब्र. दिनेश भैया जी

क्षु.श्री जिनेन्द्र सागरजी

मुनि श्री निर्णयसागरजी

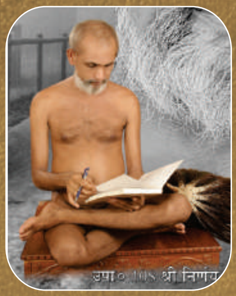

उपा.श्री निर्णयसागरजी

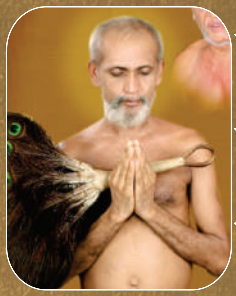

एलाचार्य श्री वसुनंदी जी

प.पू. अभीक्ष्ण ज्ञानोपयोगी आचार्यश्री वसुनंदी जी मुनिराज

दीक्षा और पदारोहण पर उपस्थित साधुवर्ग

क्षुल्लक दीक्षा 1988

1. मुनि श्री अजितसागर जी
2. मुनि श्री बाहुबली सागर जी

मुनि दीक्षा 1989

1. आचार्य श्री वीरसागर जी
2. मुनि श्री अजितसागर जी
3. मुनि श्री कुमुदनंदी जी

उपाध्याय पद 2002

1. मुनि श्री वीरसम्राट जी
2. ऐलक श्री विमुक्तसागर जी
3. क्षुल्लक श्री विशंक सागर जी

एलाचार्य पद 2009

1. एलाचार्य श्री श्रुतसागर जी
2. आर्यिका श्री गुरुनन्दनी जी
3. आर्यिका श्री ब्रह्मनन्दनी जी
4. आर्यिका श्री सौम्यनन्दनी जी
5. आर्यिका श्री पद्मनन्दनी जी
6. ऐलक श्री विज्ञानसागर जी
7. ऐलक श्री विमुक्तसागर जी
8. क्षुल्लक श्री विशंकसागर जी
9. क्षुल्लक श्री नित्यानन्द जी
10. क्षुल्लक श्री विभंजनसागर जी
11. क्षुल्लक श्री दिव्यसागर जी
12. क्षुल्लक श्री भद्रसागर जी

आचार्य पद 2015

1. एलाचार्य श्री प्रज्ञसागर जी
2. मुनि श्री ज्ञानानंद जी
3. मुनि श्री जिनानंद जी
4. मुनि श्री आत्मानंद जी
5. मुनि श्री निजानंद जी
6. मुनि श्री अनुमानसागर जी
7. मुनि श्री संयमानंद जी
8. ग.आ. श्री प्रज्ञमति माता जी
9. ग.आ. श्री गुरुनन्दनी माता जी
10. आ. श्री ब्रह्मनंदनी माता जी
11. आ. श्री श्रीनंदनी माता जी
12. आ. श्री पद्मनंदनी माता जी
13. ऐलक श्री प्रज्ञानंद जी
14. ऐलक श्री शिवानंद जी
15. ऐलक श्री प्रशमानंद जी
16. क्षुल्लक श्री अविरलसागर जी

व्रत उपवास साधना

क्र.	व्रत	अवधि	उपवास	विशेष
1.	णमोकार मंत्र (1 बार)	56 दिन	35 उपवास, 21 पारणा	(शौरिपुर में सन् 2005)
2.	कवलचंद्रायण (शौरीपुर में)	31 दिन	3 उपवास, 28 ऊनोदर	1 ग्रास चंद्रमा की कलाओं के अनुसार बढ़ता घटता है।
3.	पंचमी व्रत	5 वर्ष, 5 माह	65 ऊनोदर	तिजारा में-2006 में लिया।
4.	जिनगुण सम्पत्ति	120 दिन	63 उपवास, 57 पारणा	1988 में क्षुल्लक दीक्षा पर ग्रहण किया।
5.	कर्मदहन व्रत	2 वर्ष	156 उपवास	1989 में मुनि दीक्षा पर ग्रहण किया।
6.	लघु सहस्रनाम व्रत		11 उपवास	
7.	तत्त्वार्थ सूत्र व्रत		11 उपवास	
8.	पंचकल्याणक व्रत (2 बार)	1 वर्ष	120 ऊनोदर	
9.	समवशरण व्रत	1 वर्ष	24 चतुर्दशी उपवास	सन् 2009
10.	अश्वनी व्रत (2 बार)	27 माह	28 उपवास	
11.	रोहिणी व्रत (2 बार)	7 वर्ष 7 माह	102 ऊनोदर	कैलाश नगर में स्वाध्याय के दौरान
12.	भक्तामर व्रत		48 अनुपवास	मॉडल टाउन, दिल्ली में
13.	नित्य रसीव्रत (प्रतिदिन)	आजीवन		चातुर्मास 2010 से प्रतिदिन 1 रस त्याग
14.	उत्कृष्ट ऊनोदर	प्रतिवर्ष	1 अनुपवास	जल एवं 1 दाना चावल
15.	चारित्र शुद्धि व्रत		1234 ऊनोदन	
16.	श्रुत पंचमी व्रत	5 साल	नीरस	सन् 2013
17.	सिद्धचक्र व्रत	288 दिन	288 व्रत रस परित्याग	
18.	रविव्रत (3 बार)	81 रविवार	दूध पानी	
19.	सोलहकरण व्रत	5 वर्ष 3 माह	3 शाखाओं में	
20.	दसलक्षण व्रत	10 वर्ष	अन्न त्याग से	2006 से लगातार
21.	चौसठ ऋद्धि व्रत		64 ऊनोदर	
22.	वृहद् सहस्रनाम व्रत	1008	1 अन्न व नीरस से	
23.	ज्ञान पच्चीसी व्रत		25 उपवास	
24.	सर्वदोष परिहार व्रत	8 अष्टमी	अन्न त्याग	जम्बूस्वामी तपोस्थली, बोलखेड़ा में
25.	सिद्धचक्र महामण्डल विधान व्रत	2040	ऊनोदर व रस त्याग	2016 से
26.	षट् रसी व्रत	6 माह	एक-एक माह	एक-एक रस का त्याग
27.	चौसठ ऋद्धि व्रत		64 उपवास	आ. श्री विद्यासागर जी से पपौरा में लिए 17 मई, 2018

28.	अष्टाह्निका की पंचमी व्रत	15 पंचमी	उपवास से	2017 में लिए
29.	पंचमी व्रत (1 बार)	65 शुक्ल पक्ष पंचमी	उपवास से	2020 में (बौलखेड़ा)
30.	रत्नत्रय व्रत	चौदस को उपवास पूर्वक	आगे-पीछे 1 रस	2020 (बौलखेड़ा)
31.	रोहिणी व्रत (1 बार और)	3 साल 3 माह	उपवास	
32.	लघु चारित्र शुद्धि व्रत		13 उपवास	2020 (बौलखेड़ा)
33.	श्री नेमिनाथ पंचकल्याण व्रत		5 उपवास	2022 गिरनार
34.	नंदीश्वर व्रत	52	मात्र पेय	2020 बौलखेड़ा
35.	णमोकार व्रत (2 बार)	35	उपवास	अभी चल रहा है, कुछ बाकी

ग्रीष्म कालीन वाचना

क्र.	वर्ष	स्थान	ग्रन्थ
1.	1988	अम्बाह (म.प्र.)	त्रिलोकसार
2.	1989	हस्तिनापुर (उ.प्र.)	समयसार
3.	1990	टीकमगढ़ (म.प्र.)	धवला भाग 1, रत्नकरण्ड श्रवकाचार
4.	1991	पन्ना (म.प्र.)	धवला भाग 6, छहढाला
5.	1992	छतरपुर (म.प्र.)	धवला भाग 3, कार्तिकेयानुप्रेक्षा
6.	1993	बीना (म.प्र.)	धवला भाग 9, परमात्म प्रकाश
7.	1994	बीना (म.प्र.)	धवला भाग 13, न्याय प्रदीपिका
8.	1995	सागर (म.प्र.)	धवला भाग 15, प्रवचनसार
9.	1996	हटा (म.प्र.)	जीवकाण्ड
10.	1997	गढ़ाकोटा (म.प्र.)	द्रव्यसंग्रह, संस्कृत व्याकरण
11.	1998	बीना (म.प्र.)	द्वात्रिंशतिका
12.	1999	भिण्ड (म.प्र.)	पुरुषार्थ सिद्ध्युपाय
13.	2000	फिरोजाबाद (उ.प्र.)	प्रथमानुयोग दशक (10 ग्रंथ)
14.	2001	सरधना (उ.प्र.)	रयणसार
15.	2002	ग्रीन पार्क (दिल्ली)	प्रवचनसार
16.	2003	बद्रीनाथ (उत्तराखण्ड)	जिनकल्पि सूत्र
17.	2004	रोहतक (हरियाणा)	प्रबोध सार, जैन सिद्धांत प्रवेशिका
18.	2005	फिरोजाबाद (उ.प्र.)	परमात्म प्रकाश, पंचस्तोत्र, प्राकृत व्याकरण
19.	2006	फिरोजाबाद (उ.प्र.)	कातंत्र रूपमाला, जीवकाण्ड
20.	2007	सरधना (उ.प्र.)	कर्मकाण्ड भाग 1, नाममाला
21.	2008	दिल्ली	कर्मकाण्ड, तत्त्वार्थ सूत्र
22.	2009	मेरठ (उ.प्र.)	रयणसार, स्वयंभूस्तोत्र
23.	2010	विहार के दौरान	वृहद् स्वयंभू स्तोत्र, जिनसहस्रनाम
24.	2011	विहार के दौरान	परिक्षामुख सूत्र, जीवकाण्ड, कातंत्र रूपमाला
25.	2012	विहार के दौरान	चारित्रसार, अष्ट पाहुड़
26.	2013	शिमला (हि.प्र.)	महाबंधो भाग-7, रत्नमाला, तत्त्वार्थ सूत्र
27.	2014	प्रशांत विहार (दिल्ली)	मृत्यु महोत्सव, प्रश्नोत्तर रत्नमालिका, लघु द्रव्य संग्रह, कथानक, मानचित्र अध्ययन
28.	2015	विहार के दौरान	रत्नत्रय विवेचना
29.	2016	विहार के दौरान	प्रवचनसार, तत्त्वानुशासन
30.	2017	विहार के दौरान	आराधनासार, आराधना कथा कोष।
31.	2018	बुंदेलखण्ड यात्रा (म.प्र.)	समयसार, भक्तामर स्तोत्र, उत्तर पुराण, हरिवंश पुराण, मृत्यु महोत्सव, द्वात्रिंशतिका
32.	2019	नोएडा से. 50 (उ.प्र.)	धवला जी पु. 1, इष्टोपदेश, संस्कृतव्याकरण
33.	2020	समशाबाद (उ.प्र.)	नियमसार, जैन सिद्धांत प्रवेशिका, जीवकांड
34.	2021	चूलगिरि जयपुर (राज.)	धवला जी पु. 5, कर्मस्थान चर्चा कर्मकाण्ड
35.	2022	गजपंथा (महाराष्ट्र)	पुरुषार्थ सिद्ध्युपाय, धवला पु. 8

शीत कालीन वाचना

क्र.	वर्ष	स्थान	ग्रन्थ
1.	1988	भिण्ड (म.प्र.)	छहढाला, जीवकाण्ड, कातंत्ररूपमाला
2.	1989	भिण्ड (म.प्र.)	मूलाचार प्रदीप, पार्श्वनाथ चरित्र, मूलाराधना, चर्चासार, इष्टोपदेश
3.	1990	सोनागिर (म.प्र.)	प्रवचनसार, चरित्रसार, कर्मकाण्ड
4.	1991	टीकमगढ़ (म.प्र.)	आलाप पद्धति, धवला-7, परीक्षा मुखसूत्र, रत्नकरण्ड श्रावकाचार
5.	1992	देवेन्द्र नगर (म.प्र.)	वसुनन्दी श्रावकाचार, सर्वार्थसिद्धि, धवला-13, प्रथमानुयोग ग्रंथ, दस भक्ति सार्थ
6.	1993	शाहगढ़ सागर (म.प्र.)	धवला-15, रत्नकरण्ड श्रावकाचार, तत्त्वार्थ सूत्र, सर्वार्थसिद्धि
7.	1994	सतना (म.प्र.)	धवला-13, अमितगति श्रावकाचार, नाममाला
8.	1995	सागर (म.प्र.)	समयसार, व्याकरण, प्रवचनसार, प्रथमानुयोग ग्रंथ
9.	1996	ललितपुर (उ.प्र.)	जीवकाण्ड, द्रव्यसंग्रह, कार्तिकेयानुप्रेक्षा, चरणानुयोग, रयणसार
10.	1997	पथरिया (म.प्र.)	जीवकाण्ड, स्वयंभूस्तोत्र, कातन्त्ररूपमाला
11.	1998	बन्डा, सागर (म.प्र.)	कर्मकाण्ड, रयणसार, तत्त्वसार, भावसंग्रह
12.	1999	श्रेयांसगिरि (म.प्र.)	सूर्यप्रकाश, त्रिलोकसार, राजवार्तिक, धर्मपरीक्षा
13.	2000	फिरोजाबाद (उ.प्र.)	34 स्थान दर्शन, सर्वार्थसिद्धि, पुण्यास्रव कथाकोष
14.	2001	एटा (उ.प्र.)	छत्रचूड़ामणि, भावत्रय फलप्रदर्शी, सम्यक्त्व कौमुदी
15.	2002	खेकड़ा (उ.प्र.)	कर्म विपाक, राम चरित्र, शिविर
16.	2003	सरधना (उ.प्र.)	जयधवला भाग 1, सार समुच्चय
17.	2004	हस्तिनापुर (उ.प्र.)	भगवती आराधना, ज्योतिष शास्त्र
18.	2005	पश्चिम विहार, ग्रीन पार्क दिल्ली	छंद शतक, प्रश्नोत्तर रत्नमालिका, न्याय
19.	2006	एटा (उ.प्र.)	जयधवला-2, क्षत्रचूड़ामणि
20.	2007	देहरा तिजारा (राज.)	धर्म परीक्षा, ज्ञानार्णव, हरिवंशपुराण, आराधना सार
21.	2008	मथुरा चौरासी (उ.प्र.)	वारसाणुवेक्खा, लघीयस्त्रय, जयधवला
22.	2009		
22.	2010	ग्रीनपार्क, दिल्ली	तत्त्वार्थसार, जैन धर्म का प्राचीन इतिहास
23.	2011	शोरिपुर बटेश्वर (उ.प्र.)	जाप्यानुष्ठान

24.	2012	कृष्णा नगर, दिल्ली	महाधवला-1, चारों अनुयोग वाचना
25.	2013	अतिशय क्षेत्र अहिच्छत्र (उ.प्र.)	महाबंधो भाग-5, तत्त्वार्थ राजवार्तिक, ज्योतिष
26.	2014	नाका मदार, अजमेर (राज.)	मुनि प्रतिक्रमण, बारह भावना, मूलाचार प्रदीप
27.	2015	जम्बूस्वामी तपोस्थली (राज.)	मूलाचार
28.	2016	तिजारा (राज.)	ज्योतिष, कल्याणमन्दिर स्तोत्र
29.	2017	कामां (राज.)	ज्योतिष, वास्तु
30.	2018	जम्बूस्वामी तपोस्थली (राज.)	समयसार, प्रथमानुयोग
31.	2019	फिरोजाबाद (उ.प्र.)	वैराग्यमणिमाला, मृत्युमहोत्सव, शकुन सिद्धांत
32	2020	शौरिपुर (उ.प्र.)	धवलाजी पु-2, वृहद्स्वयंभूस्तोत्र, कातंत्र रूपमाला
33.	2021	बौलखेड़ा (राज.)	धवला जी पु. 4, ज्ञानांकुश, कल्याणकारकम्, युक्तानुशासन, नवदेवता स्तोत्र, पंचास्तिकाय, तत्त्वार्थसूत्र
34.	2022	गिरनार यात्रा (गुजरात)	नियमसार, मूलाचार प्रदीप, त्रिलोकसार,
35.	2023	सूरत (गुजरात)	आराधनासार, तत्त्वार्थसूत्र, छः ढाला, धवला पु. 9

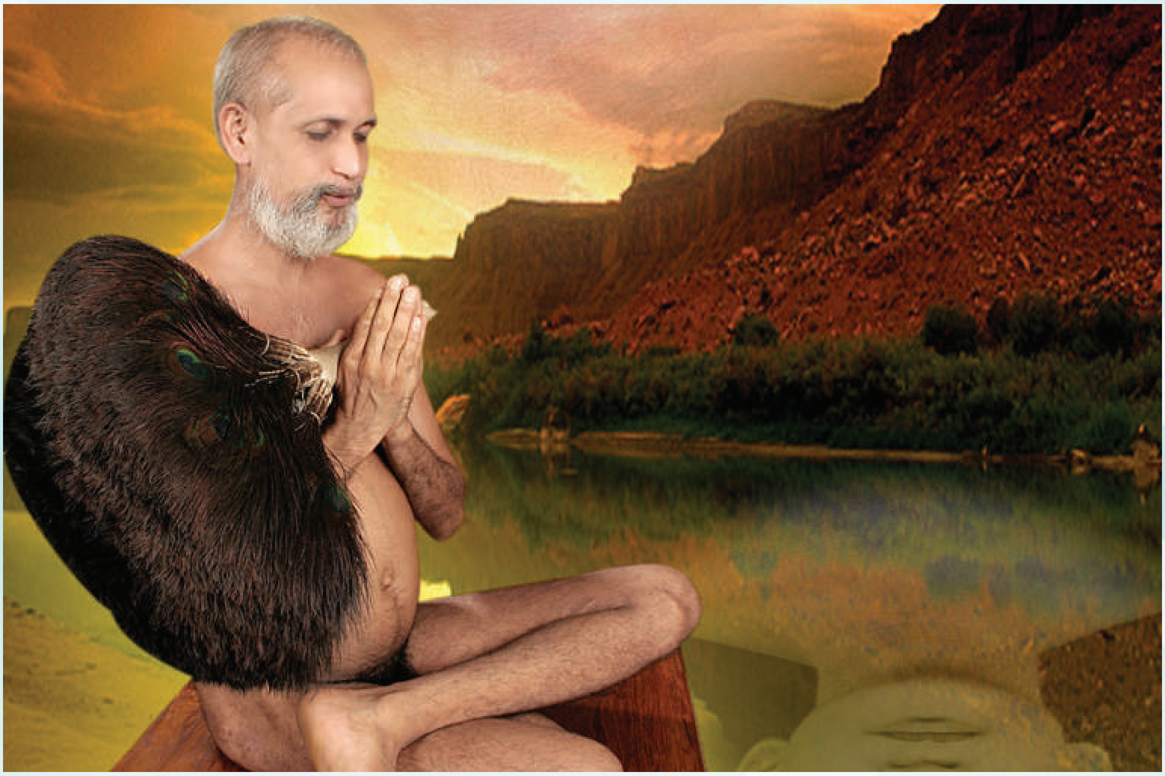

चातुर्मासिक वाचनायें

1.	1988	तत्त्वार्थसूत्र, रत्नकरण्ड श्रावकाचार, द्रव्य संग्रह, जैन सिद्धान्त प्रवेशिका, पदम पुराण
2.	1989	कातन्त्र रूपमाला, मूलाचार प्रदीप
3.	1990	धवल जी-2, रयणसार, क्षत्रचूडामणी, सर्वार्थसिद्धी
4.	1991	स्वयंभू स्तोत्र, तात्पर्यवृत्ति, आदिपुराण, उत्तर पुराण
5.	1992	पञ्चास्तिकाय, भाव संग्रह, अमृताशीति
6.	1993	समयसार, राजवार्तिक, नयचक्र
7.	1994	लघु सिद्धान्त कौमुदी, संस्कृत व्याकरण
8.	1995	सिद्धान्त सार संग्रह, सागार धर्मामृत, पाण्डव पुराण
9.	1996	सुभाषित रत्नावली, समयसार, जीवकाण्ड
10.	1997	द्रव्य संग्रह, परमात्म प्रकाश, परम आध्यात्म तरंगिणी
11.	1998	वसुनंदी श्रावकाचार, अमितगति श्रावकाचार, मंत्रशास्त्र, लघु विद्यानुवाद, परिक्षामुख सूत्र, कर्मकाण्ड।
12.	1999	ज्ञानार्णव, पद्मनंदी पंचविंशतिका, 34 स्थान दर्शन, सर्वार्थसिद्धी, पुण्यास्रव कथाकोष आदि प्रथमानुयोग के अनेक लघु ग्रंथ, तत्त्वार्थसूत्र, भक्तामर
13.	2000	रयणसार, प. प्रवर मुक्तार जी का व्याक्ति कृतित्व, जैनेन्द्र सिद्धान्त कोष (भाग-1 व 2)
14.	2001	प्रवचनसार, इष्टोपदेश, परमात्मप्रकाश, कार्तिकेयानुप्रेक्षा
15.	2002	तिलोयपण्णत्ति (भाग-1,2,3), रयणसार, भावसंग्रह, अमितगति श्रावकाचार, हरिवंश पुराण
16.	2003	संस्कृत व्याकरण, प्रथमानुयोग के लघुकायग्रंथ, आचारसार चौबीसठाणा, आप्तमीमांसा
17.	2004	तत्त्वार्थ सूत्र, अष्टपाहुड़, मदन पराजय, सज्जनचित्त-विलास, समयसार, पट्टमहादेवी शांतला
18.	2005	णमोकार ग्रंथ, कर्म प्रकृति, वृहद कथाकोश, आराधना-कथाकोष।
19.	2006	रत्नकरण्ड-श्रावकाचार, सामायिक पाठ, श्रावकाचार संग्रह, लघु स्तोत्रादि, इष्टोपदेश, धर्म परीक्षा
20.	2007	लघियस्त्रय, तत्वार्थसूत्र, व्रत वैभव, आराधनासार, कल्याणालोयणा
21.	2008	समाधितन्त्र, भगवती आराधना, आस्रवत्रिभंगी, भाव त्रिभंगी, इष्टोपदेश, धर्मपरीक्षा।
22.	2009	सर्वार्थसिद्धी, आलाप पद्धति, अन्य लघुस्तोत्रादि, प्रवचनसार, वारसाणुवेक्खा, ब्राह्मी लिपि

23.	2010	तच्च वियारो सारो, अष्ट पाहुड, उत्तरपुराण, णमोकार ग्रंथ, कातन्त्र रूपमाला
24.	2011	पञ्चास्तिकाय, पद्म पुराण, प्रतिक्रमण एवं भक्तियाँ
25.	2012	रयणसार, आध्यात्म अमृतकलश, पंचसंग्रह, प्रथमानुयोग के अनेक लघुकाय ग्रंथ।
26.	2013	जीवकाण्ड, तत्त्वार्थसूत्र, रत्नकरण्ड श्रावकाचार, जैन सिद्धान्त प्रवेशिका, कर्मस्थान चर्चा, छहढाला, प्राकृत व्याकरण, स्वयंभू स्तोत्र
27.	2014	त्रिलोकसार, सर्वार्थसिद्धी, एकीभावस्तोत्र (वाचना), प्रश्नोत्तर रत्नमाला
28.	2015	सामायिक पाठ (शिव पथ का रथ), न्यायदीपिका, जैन ज्योतिष कक्षा, धर्मसंस्कार निलय, जैन भूगोल, स्वरूप संबोधन, मरणकण्डिका
29.	2016	मूलाचार, आचार सार, जिनेन्द्र सिद्धान्त कोष कक्षा (भेद-प्रभेद), कातन्त्र रूपमाला, जैन संस्कृत व्याकरण, द्रव्य संग्रह, नाममाला, षट्प्राभृत
30.	2017	सार समुच्चय, इष्टोपदेश, समाधितन्त्र, पद्मपुराण, नागकुमार चरित्र (कथानक) , सुरसुंदरी चरित्र (कथानक) श्री जम्बूस्वामी चरित्र (कथानक), यतिभावनाष्टक
31.	2018	इष्टोपदेश (वाचना-मुक्ति का वाग्दान), भक्तामर वाचना, पद्म पुराण, आत्मानुशासन, योगसार, सुभाषित रत्न संदोह, हनुमान चरित्र (कथानक), बाहुबली कथानक (तन से लिपटी बेल)
32.	2019	रयणसार, धर्मामृत, भक्तिसंग्रह, स्तोत्र व स्तुति संग्रह (शांतिभक्ति, एकीभाव स्तोत्र, नवदेवता स्तोत्र, पंचमहागुरुभक्ति, महावीराष्टक, गोम्मटेशथुदि, मंगलाष्टक, देवदर्शन स्तोत्र, लघु स्वयंभू सुप्रभात स्तोत्र इत्यादि)
33.	2020	धवला जी पुस्तक-3,4, आलाप पद्धति, जीवकाण्ड, कर्मकाण्ड, योगसार प्राभृत, तत्त्वभावना, पुरुषार्थ-सिद्ध्युपाय, जीवस्थान चर्चा, आदिपुराण, रत्नकरण्ड श्रावकाचार, समाधितन्त्र (स्वात्मोपलब्धि) मदनलेखा चरित्र, तत्त्वार्थ सूत्र
34.	2021	धवला जी पुस्तक-6,7, पूज्यपाद श्रावकाचार, वृहद द्रव्य संग्रह, मृत्यु महोत्सव, कर्मकाण्ड, पद्मपुराण
35.	2022	रत्नमाला, सर्वार्थसिद्धी, मरणकण्डिका, चौबीस ठाणा, जैन सिद्धान्त, प्रवेशिका, धर्मपरीक्षा, श्रीपाल चरित्र, धर्मबोध संस्कार (भाग-1,2,3,4), सामायिक पाठ, लघु स्तोत्रादि (अर्थसहित), जैन ज्योतिष

चातुर्मास व उनके अध्यक्ष

क्र.	चातुर्मास स्थापना दिवस	स्थान	अध्यक्ष
1.	17.07.1989	परेड ग्राऊण्ड, भिण्ड, म.प्र.	श्री रविसेन जैन, भिण्ड
2.	06.07.1990	पपौरा चौराहा, टीकमगढ़, म.प्र.	श्री सुरेश जैन (तेवरिया)
3.	25.07.1991	श्रेयांसगिरि, पन्ना, म.प्र.	श्री त्रिलोकचंद जैन, पन्ना
4.	13.07.1992	द्रोणगिरि, छतरपुर, म.प्र.	श्री कपूरचंद जैन, घुवारा
5.	02.07.1993	श्रेयांसगिरि, पन्ना म.प्र.	श्री राजकुमार जैन, अजयगढ़
6.	21.07.1994	मोरा जी, सागर, म.प्र.	श्री नेमिचंद जैन, बस वाले
7.	11.07.1995	क्षेत्रपाल, ललितपुर, उ.प्र.	श्री ज्ञानचंद जैन (इमलिया)
8.	29.07.1996	दमोह, म.प्र.	श्री वीरेन्द्रकुमार जैन (इटोरिया)
9.	19.07.1997	गढ़ाकोटा, सागर, म.प्र.	डॉ. वीरेन्द्रकुमार जैन (गढ़ाकोटा)
10.	08.07.1998	श्रेयांसगिरि, पन्ना, म.प्र.	श्री पवन कुमार जैन (सलेहा)
11.	27.07.1999	नसिया जी, फिरोजाबाद	श्री विजय जैन, देवता ग्लास
12.	27.07.2000	ऋषभ चौराहा, टूण्डला (उ.प्र.)	श्री अनिल जैन 'भैया जी'
13.	04.07.2001	ग्रीन पार्क, दिल्ली	इं. पुरुषोत्तम लाल जैन
14.	23.07.2002	दुर्गाबाड़ी, सदर मेरठ, (उ.प्र.)	श्री वीरेन्द्र कुमार जैन
15.	12.07.2003	डी ब्लॉक, शास्त्री नगर, मेरठ (उ.प्र.)	श्री अजेन्द्र कुमार जैन
16.	03.07.2004	कृष्णा नगर, दिल्ली	श्री महेन्द्र कुमार जैन
17.	20.07.2005	शौरिपुर, बटेश्वर (उ.प्र.)	श्री नवीन जैन, शिकोहाबाद
18.	10.07.2006	तिजारा, अलवर (राज.)	श्री ज्ञानचंद जी जैन
19.	29.07.2007	मथुरा चौरासी (उ.प्र.)	श्री विजय जैन, टोंग्या
20.	12.07.2008	तिजारा, अलवर (राज.)	श्री शिखरचंद जैन
21.	21.07.2009	मेरठ महानगर (उ.प्र.)	श्री सुरेश जैन 'रितुराज'
22.	25.07.2010	श्री जम्बूस्वामी तपोस्थली, बौलखेड़ा (राज.)	श्री आर.सी. जैन गर्ग, दिल्ली (पूर्व एसीपी)
23.	05.07.2011	हस्तिनापुर (उ.प्र.)	बाल ब्र. इन्द्रकुमार जैन
24.	03.07.2012	छदामी लाल मंदिर, फिरोजाबाद (उ.प्र.)	श्री अरुण जैन (पीली कोठी)
25.	21.07.2013	श्री जम्बूस्वामी तपोस्थली, बौलखेड़ा (राज.)	श्री आर.सी. जैन गर्ग (पूर्व एसीपी, दि.पु.)
26.	13.07.2014	केसरगंज, अजमेर (राज.)	श्री अशोक जैन 'शाहबजाज'
27.	01.08.2015	मीरा मार्ग, मानसरोवर, जयपुर	श्रीदेवप्रकाश जैन, खण्डाका
28.	24.07.2016	श्री जम्बूस्वामी तपोस्थली, बौलखेड़ा (राज.)	श्री आर.सी. जैन गर्ग (पूर्व एसीपी, दि.पु.)
29.	09.07.2017	ग्रीन पार्क, दिल्ली	श्री आर.पी. जैन, ग्रीन पार्क
30.	27.07.2018	श्री जिनशासन तीर्थक्षेत्र अजमेर (राज.)	श्री अशोक जैन शाहबजाज, अजमेर
31.	24.07.2019	नोएडा से. 50 (उ.प्र.)	श्री दिनेश चंद जैन, नोएडा
32.	05.07.2020	श्री जम्बूस्वामी तपोस्थली, बौलखेड़ा, (राज.)	श्री आर.सी. जैन गर्ग (पूर्व एसीपी, दि.पु.)
33.	24.07.2021	सि.क्षे. तारंगा जी, तपोवन (गुज.)	श्री विपिन जैन कांतिलाल शाह (दलौत वाले) बड़ोदरा (गुज.)
34.	10.07.2022	बोरीवली, मुंबई (महाराष्ट्र)	श्री परेश जैन गांधी, मुम्बई (महा.)

चातुर्मास अध्यक्ष

1989 1990 1991 1992 1993 1994

1989 श्री रविसेन जैन
1990 श्री सुरेश जैन तेवरिया
1991 श्री त्रिलोक चंद
1992 श्री कपूर चंद जैन
1993 श्री राजकुमार जैन
1994 श्री नेमीचंद जैन

1995 श्री ज्ञानंचद जैन
1996 श्री वीरेंद्रकुमार जैन
1997 डॉ . वीरेन्द्रकुमार जैन
1998 श्री पवन कुमार जैन
1999 श्री विजय जैन
2000 श्री अनिल जैन
2001 श्री पुरुषोतम लाल जैन

2002 श्री विरेन्द्र जैन
2003 श्री अजेंद्र जैन
2004 श्री महेन्द्रकुमार जैन
2005 श्री नवीन जैन
2006 श्री ज्ञानचंद जैन
2007 श्री विजय जैन
2008 श्री शिखरचंद जैन

2009 श्री सुरेश जैन रितुराज'
2010 श्री आर.सी. जैन
2011 ब्रा.ब. इन्द्रकुमार जैन
2012 श्री अरुण जैन
2013 श्री आर.सी. जैन
2014 श्री अशोक जैन
2015 श्री देवप्रकाश जैन

2016 श्री आर.सी. जैन
2017 श्री आर.पी.जैन
2018 श्री अशोक जैन
2019 श्री दिनेश चंद जैन
2020 श्री आर.सी. जैन गर्ग
2021 श्री विपिन जैन
2022 श्री परेश जैन

चातुर्मास मंगल कलश प्राप्तकर्ता

क्र.	वर्ष	स्थान	सौभाग्यार्जक
1.	1989	भिण्ड (म.प्र.)	श्री रविसेन जैन, भिण्ड
2.	1990	पपौरा चौराहा, टीकमगढ़ (म.प्र.)	श्री जिनेन्द्र कुमार जैन 'सर्राफ'
3.	1991	श्रेयांसगिरि (म.प्र.)	श्री विजय जैन सलेहा
4.	1992	द्रोणगिरि (म.प्र.)	श्री प्रेमचंद जैन, कुप्पी वाले, छतरपुर
5.	1993	श्रेयांसगिरि (म.प्र.)	श्री प्रेमचंद जैन, कुप्पी वाले, छतरपुर
6.	1994	मोरा जी, सागर (म.प्र.)	श्री पूरनचंद जैन 'जैसी नगर'
7.	1995	ललितपुर (उ.प्र.)	ज्ञात नहीं
8.	1996	दमोह (म.प्र.)	श्री वरेन्द्र जैन इटोरिया
9.	1997	गढ़ाकोटा (म.प्र.)	डॉ. वीरेन्द्र जैन, गढ़ाकोटा
10.	1998	श्रेयांसगिरि (म.प्र.)	ज्ञात नहीं
11.	1999	फिराजाबाद (उ.प्र.)	श्री गुलाब चंद जैन, फिरोजाबाद
12.	2000	टूण्डला (उ.प्र.)	श्री अनिल जैन 'भैया जी', टूण्डला
13.	2001	ग्रीनपार्क, दिल्ली	श्री राकेश जैन 'गैस वाले' ग्रीन पार्क
14.	2002	सदर बाजार, मेरठ (उ.प्र.)	श्री नरेन्द्र जैन चौधरी, मेरठ
15.	2003	शास्त्री नगर, मेरठ (उ.प्र.)	श्री दिनेश कुमार जैन, सम्राट पैलेस (मेरठ)
16.	2004	कृष्णा नगर, दिल्ली	श्री वीरसेन जैन (कृष्णा नगर, दिल्ली)
17.	2005	शौरिपुर बटेश्वर, आगरा (उ.प्र.)	श्री नवीन जैन, शिकोहाबाद (उ.प्र.)
18.	2006	तिजारा (राज.)	श्री नीरज जैन, दिल्ली स्वीट्स, दिल्ली
19.	2007	मथुरा चौरासी (उ.प्र.)	श्री पद्मचंद जैन, दरीबाकलां, दिल्ली
20.	2008	तिजारा (राज.)	श्री रमेश जैन 'तिजारिया' जयपुर (राज.)
21.	2009	मेरठ (उ.प्र.)	श्री प्रवीण जैन आलू वाले, सुभाष बड़खोले, मेरठ
22.	2010	श्री जम्बूस्वामी तपोस्थली (राज.)	ज्ञात नहीं
23.	2011	हस्तिनापुर (उ.प्र.)	श्री संदीप जैन, अशोक नगर (दिल्ली)
24.	2012	फिरोजाबाद (उ.प्र.)	श्री विनोद जैन, मिलेनियम, फिरोजाबाद (उ.प्र.)
25.	2013	श्री जम्बूस्वामी तपोस्थली (राज.)	श्री प्रवीण जैन (मुन्नु भैया) गाजियाबाद (उ.प्र.)
26.	2014	अजमेर (राज.)	श्री वीरेन्द्र जैन (बाड़मेर वाले), अजमेर (राज.)
27.	2015	मीरा मार्ग, मानसरोवर, जयपुर (राज.)	श्री राजीव जैन (गाज़ियाबाद वाले), जयपुर (राज.)
28.	2016	श्री जम्बूस्वामी तपोस्थली (राज.)	श्री गजेन्द्र जैन, इन्दौर (म.प्र.)
29.	2017	ग्रीन पार्क, दिल्ली	श्री राकेश जैन 'गैस वाले' ग्रीन पार्क, दिल्ली
30.	2018	श्री जिनशासन तीर्थक्षेत्र, अजमेर (राज.)	श्री वीरेन्द्र जैन (बाड़मेर वाले) अजमेर
31.	2019	नौएडा सै. 50, (उ.प्र.)	श्री राजेश जैन 'रानू' मधुबन, दिल्ली
32.	2020	श्री जम्बूस्वामी तपोस्थली, बौलखेड़ा (राज.)	श्री विनोद जैन 'मिलेनियम' फिरोजाबाद, (उ.प्र.)
33.	2021	सिद्धक्षेत्र श्री तारंगा जी, गुजरात	श्री वीरेन्द्र कुमार जैन 'बाड़मेर वाले' अजमेर, राज.
34.	2022	बोरीबली, मुम्बई (महाराष्ट्र)	श्री अरविंद जैन गांधी, मुम्बई (महा.)

चातुर्मास मंगल कलश प्राप्तकर्ता

1989

श्री रविसेन जैन

1990

श्री जिनेन्द्र कुमार जैन

1991

श्री विजय जैन

1992

श्री प्रेमचंद जैन

1993

श्री प्रेमचंद जैन

1994

श्री पूरनचंद जैन

1995

ज्ञात न ीं

1996

श्री संजीव जैन

1997

डॉ . वीरेन्द्र जैन

1998

ज्ञात नहीं

1999

श्री गुलाब चंद जैन

2000

श्री अनिल जैन

2001

श्री राकेश जैन

2002

श्री नरेन्द्र जैन

2003

श्री दिनेश कुमार जैन

2004

श्री वीरसेन जैन

2005

श्री नवीन जैन

2006

श्री नीरज जैन

2007

श्री पदमचंद जैन

2008

श्री रमेश जैन

2009

श्री प्रवीण जैन

2010

ज्ञात नहीं

2011

श्री संदीप जैन

2012

श्री विनोद जैन

2013

श्री प्रवीण जैन

2014

श्री वीरेन्द्र जैन

2015

श्री राजीव जैन

2016

श्री गजेन्द्र जैन

2017

श्री राकेश जैन

2018

श्री वीरेन्द्र जैन

2019

श्री राजेश जैन

2020

श्री विनोद जैन

2021

श्री वीरेन्द्र कुमार जैन

2022

श्री अरविंद जैन गांधी

चातुर्मास स्थल

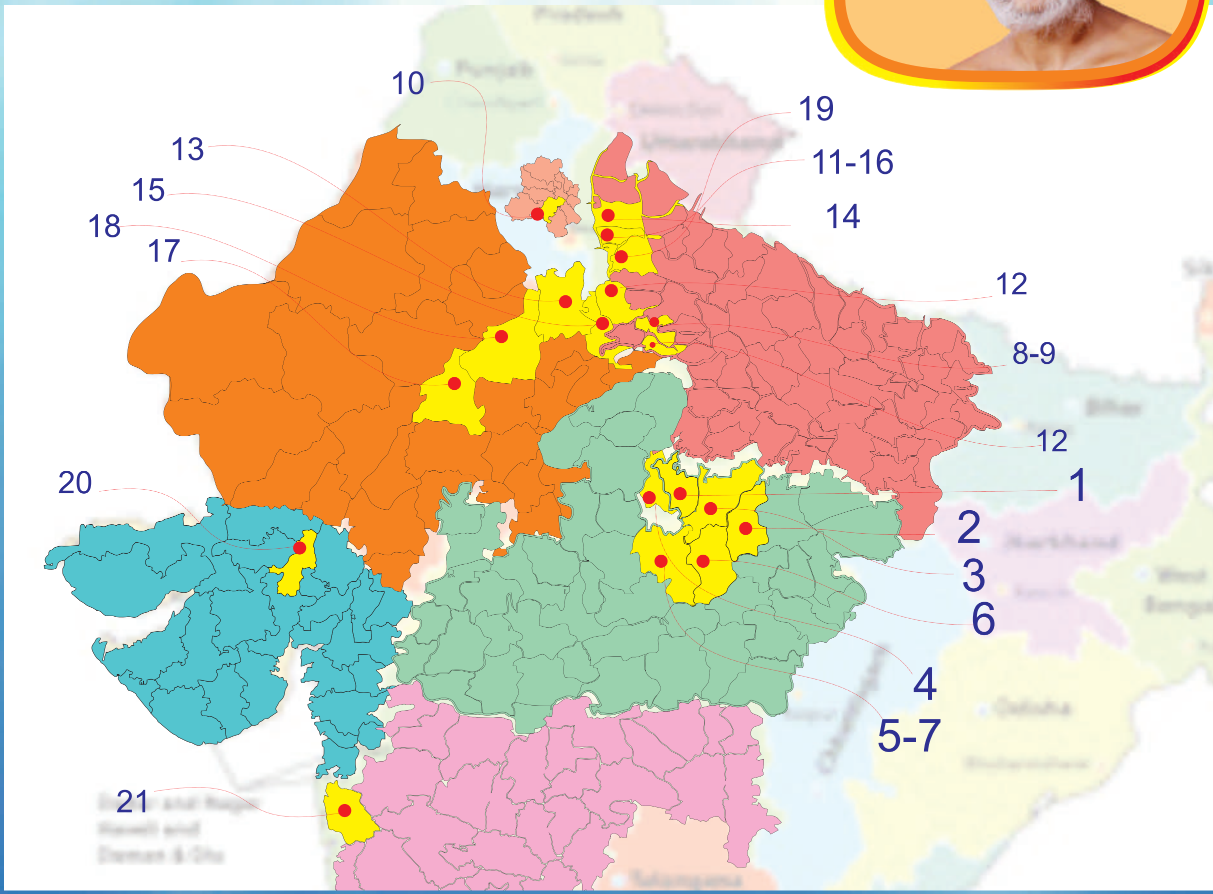

1.	टीकमगढ़ (म.प्र.)	1990	12.	शौरिपुर बटेश्वर (उ.प्र.)	2005
2.	श्रेयांसगिरि (म.प्र.)	1991, 93, 98	13.	तिजारा (राज.)	2006, 08
3.	द्रोणगिरि (म.प्र.)	1992	14.	मथुरा चौरासी (उ.प्र.)	2007
4.	ललितपुर (उ.प्र.)	1995	15.	श्री जम्बूस्वामी तपोस्थली, बौलखेड़ा (राज.)	2010, 13, 16, 20
5.	सागर (म.प्र.)	1994	16.	हस्तिनापुर (उ.प्र.)	2011
6.	दमोह (म.प्र.)	1996	17.	अजमेर (राज.)	2014 2018
7.	गढ़ाकोटा (म.प्र.)	1997	18.	जयपुर (राज.)	2015
8.	फिरोजाबाद (उ.प्र.)	1999, 12	19.	नोएडा, (उ.प्र.)	2019
9.	टूण्डला (उ.प्र.)	2000	20.	तारंगाजी, (गुज.)	2021
10.	दिल्ली	2001, 04, 17	21.	बोरीवली, मुम्बई (महाराष्ट्र)	2022
11	मेरठ (उ.प्र.)	2002, 03, 09			

कुल राज्य : म.प्र., उ.प्र., दिल्ली, राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र

पिच्छिका परिवर्तन

क्र.	वर्ष	स्थान	प्राप्तकर्ता का नाम	अवसर
1.	1989	नसिया जी, भिण्ड (म.प्र.)	श्री रिखब चंद जैन, मनियाँ (राज.)	मुनि दीक्षा पर
2.	1990	पपौरा चौराहा, टीकमगढ़ (म.प्र.)	श्री हरीश चंद जैन (वर्तमान में ऐलक विज्ञान सागर जी)	चातुर्मास निष्ठापन
3.	1991	श्रेयांसगिरि, पन्ना (म.प्र.)	(ज्ञात नहीं)	चातुर्मास निष्ठापन
4.	1992	द्रोणगिरि, (म.प्र.)	श्री राजा राम जैन (पहलवान) टीकमगढ़	चातुर्मास निष्ठापन
5.	1993	श्रेयांसगिरि, पन्ना (म.प्र.)	कु. अंकिता जैन (वर्तमान में ग.आ. श्री विज्ञा श्री माताजी) गैसाबाद	चातुर्मास निष्ठापन
6.	1994	सागर (मोरा जी) (म.प्र.)	ब्र. अंजना दीदी, लकलका (वर्तमान में आर्यिका सौम्यनन्दनी माताजी)	चातुर्मास निष्ठापन
7.	1995	क्षेत्रपाल मन्दिर, ललितपुर (उ.प्र.)	श्री बालचंद जैन (जमुनिया वाले) समाधिस्थ मुनि श्री संकल्पभूषण जी) ललितपुर	चातुर्मास निष्ठापन
8.	1996	दमोह (म.प्र.)	श्री जिनेन्द्र जैन, दमोह	चातुर्मास निष्ठापन
9.	1997	गढ़ाकोटा (सागर, म.प्र.)	श्री रमेशचंद जैन, हटा (वर्तमान में मुनि श्री विश्ववीर सागर जी)	चातुर्मास निष्ठापन
10.	1998	श्रेयांसगिरि, पन्ना (म.प्र.)	बा.ब्र. इन्द्रकुमार, देवेन्द्रनगर	चातुर्मास निष्ठापन
11.	1999	फिरोजाबाद (उ.प्र.)	श्री नरेश जैन (भुल्लन) फिरोजाबाद	चातुर्मास निष्ठापन
12.	2000	टूण्डला (उ.प्र.)	श्री अजय जैन, साहू, टूण्डला (उ.प्र.)	चातुर्मास निष्ठापन
13.	2001	ग्रीन पार्क, दिल्ली	श्री रमेश चंद जैन, भिण्ड वाले, दिल्ली	चातुर्मास निष्ठापन
14.	2002	विश्वास नगर, दिल्ली	श्री प्रेमसागर, ग्रीन पार्क, दिल्ली	उपाध्याय पद पर
15.	2002	दुर्गाबाड़ी, सदर, मेरठ	श्री सुरेन्द्र जैन 'कल्लू' देवेन्द्र नगर (म.प्र.)	चातुर्मास निष्ठापन
16.	2003	शास्त्रीनगर, मेरठ	श्री अजेन्द्र जैन, अध्यक्ष, शास्त्री नगर	चातुर्मास निष्ठापन
17.	2004	कृष्णा नगर, दिल्ली	श्री महेन्द्र जैन, अध्यक्ष, कृष्णा नगर	चातुर्मास निष्ठापन
18.	2005	शौरिपुर (आगरा, उ.प्र.)	श्री प्रमोद जैन, देवेन्द्र नगर (म.प्र.)	चातुर्मास निष्ठापन
19.	2006	टूण्डला (उ.प्र.)	कु. संस्कृति जैन (वर्तमान में आर्यिका श्री श्रीनन्दनी माताजी) शाहपुरा (म.प्र.)	क्षुल्लिका दीक्षा समारोह
20.	2006	देहरा तिजारा (राज.)	श्री ज्ञानचंद जैन, अध्यक्ष, देहरा (राज.)	चातुर्मास निष्ठापन
21.	2007	नसियां, फिरोजाबाद (उ.प्र.)	श्री प्रमोद जैन, RCM, आगरा (उ.प्र.)	चातुर्मास निष्ठापन
22.	2008	देहरा तिजारा (राज.)	श्री अजय जैन, पश्चिम विहार, दिल्ली	चातुर्मास निष्ठापन
23.	2008	सीकरी (राज.)	श्री शिखरचंद जैन, अध्यक्ष, सीकरी	आर्यिका दीक्षा महोत्सव

24.	2009	ग्रीन पार्क, दिल्ली	श्री प्रदीप जैन, सुन्दर विहार, दिल्ली	एलाचार्य पद पर
25.	2009	शास्त्री नगर, मेरठ (उ.प्र.)	श्री हंस कु. नवीन कु. जैन, सरधना	चातुर्मास निष्ठापन
26.	2010	करावल नगर, दिल्ली	श्री राजेन्द्र जैन (साड़ी वाले) कृष्णा नगर, दिल्ली	द्वितीय एलाचार्य पद दिवस पर
27.	2010	श्री जम्बूस्वामी तपोस्थली, बौलखेड़ा (राज.)	बाल. ब्र. (इं.) पंकज जैन पुणे (महा.)	चातुर्मास निष्ठापन
28.	2011	हस्तिनापुर (उ.प्र.)	श्री योगेश जैन, मेरठ	चातुर्मास निष्ठापन
29.	2012	लोधी रोड (दिल्ली)	श्रीमती अनीता जैन, श्री राजकमल सरावगी, ग्रीन पार्क, दिल्ली	तृतीय एलाचार्य पद दिवस पर
30.	2012	जैन नगर, फिरोजाबाद (उ.प्र.)	कु. संस्तुति जैन (वर्तमान में आर्यिका श्री यशोनंदनी जी), फिरोजाबाद	चातुर्मास निष्ठापन
31.	2013	टूण्डला (उ.प्र.)	श्री अशोक जैन 'लाले', फिरोजाबाद	गणिनी पद समारोह
32.	2013	श्री जम्बूस्वामी तपोस्थली, बौलखेड़ा (राज.)	श्री रमेश जैन, अध्यक्ष, श्री जम्बूस्वामी तपोस्थली	चातुर्मास निष्ठापन
33.	2014	अहिंसा स्थल, दिल्ली	बा.ब्र. धर्माशीष भैया (वर्तमान में मुनि श्री शिवानंद जी)	दिल्ली से अजमेर विहार (विदाई समारोह)
34.	2014	अजमेर (राज.)	श्री अशोक जैन 'शाहबजाज', अध्यक्ष सकल दि. जैन समाज, अजमेर	चातुर्मास निष्ठापन
35.	2015	कुन्दकुन्द भारती, दिल्ली	श्री निकुंज जैन, ग्रेटर कैलाश, दिल्ली	आचार्य पद प्रतिष्ठा
36.	2015	मीरा मार्ग, जयपुर (राज.)	श्री राजीव जैन (जयपुर)	चातुर्मास निष्ठापन
37.	2016	श्री जम्बूस्वामी तपोस्थली (राज.)	बा.ब्र. प्रज्ञा दीदी, अजमेर	चातुर्मास स्थापना
38.	2016	श्री जम्बूस्वामी तपोस्थली (राज.)	बा.ब्र. प्रभाशीष भैया, मेरठ	चातुर्मास निष्ठापना
39.	2017	ग्रीन पार्क, दिल्ली	श्री राजेन्द्र प्रसाद जैन, दिल्ली	चातुर्मास निष्ठापन
40.	2018	अजमेर (राज.)	श्री रानू जैन शाहबजाज, अजमेर	चातुर्मास निष्ठापन
41.	2019	नोएडा सै. 50, (उ.प्र.)	श्री अशोक जैन 'खबरा', देवेन्द्र नगर, पन्ना (म.प्र.)	चातुर्मास निष्ठापन
42.	2020	श्री जम्बूस्वामी तपोस्थली, बोलखेड़ा (राज.)	श्री प्रेमचंद जी जैन, तिजारा (राज.)	चातुर्मास निष्ठापन
43.	2021	तारंगा जी, (गुज.)	श्री कन्नू भाई के. मेहता, सूरत (गुज.)	चातुर्मास निष्ठापन
44.	2022	भाण्डुप (मुंबई)	श्री सुरेन्द्र कुमार जैन, (मुंबई) (महा.)	चातुर्मास स्थापना
45.	2022	बोरीवली (मुंबई) (महा.)	श्री अरविंदभाई गांधी, (मुंबई) (महा.)	चातुर्मास निष्ठापन

पिच्छी प्राप्तकर्ता

1989

श्री रिखब चंद जैन

1990

ऐलक विज्ञान सागर जी

1991

(ज्ञात नहीं)

1992

श्री राजा राम जैन

1993

ग.आ. श्री विज्ञा श्री जी

1994

आर्यिका सौम्यनन्दनीजी

1995

मुनि श्री संकल्पभूषण जी

1996

श्री जिनेन्द्र जैन

1997

मुनि श्री विश्ववीर सागर जी

1998

बा.ब्र. इन्द्रकुमार

1999

श्री नरेश जैन

2000

श्री अजय जैन

2001

श्री रमेश चंद जैन

2002

श्री प्रेमसागर

2002

श्री सुरेन्द्र जैन

2003

श्री अजेन्द्र जैन

2004

श्री महेन्द्र जैन

2005

श्री प्रमोद जैन

2006

आ. श्री श्रीनन्दनी माताजी

2006

श्री ज्ञानचंद जैन

पिच्छी प्राप्तकर्ता

2007

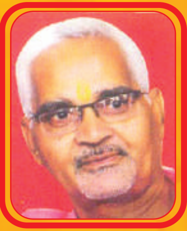

श्री प्रमोद जैन

2008

श्री अजय जैन

2008

श्री शिखरचंद जैन

2009

श्री प्रदीप जैन

2009

श्री हंसकुमार जैन

2010

श्री राजेन्द्र जैन

2010

बाल. ब्र. (इं.) पंकज जैन

2011

श्री योगेश जैन

2014

श्रीमती अनीता -
श्री राजकमल सरावगी

2012

आ. श्री यशोनंदनी जी

2012

श्री अशोक जैन

2013

श्री रमेश जैन

2013

मुनि श्री शिवानंद जी

2014

श्री अशोक जैन

2014

श्री निकुंज जैन

2015

श्री राजीव जैन, जयपुर

2015

बा.ब्र . प्रज्ञा दीदी

2015

बा. ब्र. प्रभाशीष भैया

2016

श्री राजेन्द्र प्रसाद जैन

2018

श्री रानू जैन

2019

श्री अशोक जैन

2020

श्री प्रेमचंद जी जैन

2021

श्री कन्नू भाई के. मेहता

2022

श्री सुरेन्द्र कुमार जैन

2022

ब्र.अरविंदभाई, मुंबई

श्रावक साधना एवं धर्म संस्कार शिविर

क्र.सं.	सन्	स्थान	शिविरार्थियों की संख्या
1.	1994	मोराजी सागर (म.प्र.)	150
2.	1995	क्षेत्रपाल बड़ा मंदिर, ललितपुर (उ.प्र.)	700
3.	1996	नन्हे भाई जैन मन्दिर, दमोह (म.प्र.)	2000
4.	1998	श्रेयांसगिरि, पन्ना (म.प्र.)	200
5.	1999	फिरोजाबाद (उ.प्र.)	300
6.	2000	टूण्डला (उ.प्र.)	250
7.	2001	ग्रीन पार्क, दिल्ली	200
8.	2002	सदर बाजार, मेरठ (उ.प्र.)	300
9.	2003	शास्त्री नगर, मेरठ (उ.प्र.)	300
10.	2004	कृष्णा नगर, दिल्ली	550
11.	2005	शौरिपुर बटेश्वर (उ.प्र.)	150
12.	2006	तिजारा (राज.)	350
13.	2007	मथुरा चौरासी (उ.प्र.)	650
14.	2008	तिजारा (राज.)	500
15.	2009	महावीर जयंती भवन, मेरठ (उ.प्र.)	525
16.	2011	हस्तिनापुर (उ.प्र.)	225
17.	2013	श्री जम्बूस्वामी तपोस्थली, बौलखेड़ा (राज.)	60
18.	2015	मीरा मार्ग, मानसरोवर, जयपुर (राज.)	300
19.	2016	श्री जम्बूस्वामी तपोस्थली, बौलखेड़ा (राज.)	सीमित संख्या
20.	2021	सिद्ध क्षेत्र तारंगा, गुजरात	लगभग 200

अरि मित्र महल मसान कंचन, कांच निदंन द्युति करन।
अर्घावतारण असि प्रहारण, में सदा समता धरण।।

ऐसी मंगल भावना को अपने जीवन में चरितार्थ किया है जिन्होंने और सम्पूर्ण भारत वसुंधरा पर सत्य, अहिंसा, जिनर्म की प्रभावना का तो मानों जीवन का लक्ष्य बना लिया है, तथा पंच कल्याणक प्रतिष्ठा जिनके सान्निध्य में प्रति वर्ष लगभग 8-10 प्रतिष्ठायें तो होना सामान्य बात है। मुझे भी मेरठ शास्त्री नगर में पंच कल्याणक प्रतिष्ठा परम पूज्य आचार्य श्री वसुनन्दी जी महाराज के ससंघ सान्निध्य में कराने का अवसर प्राप्त हुआ था, मैंने अनुभव किया कि पूज्य महाराज श्री के ज्ञान का क्षयोपशम अति तीव्र है। आपका अनुशासन प्रशंसनीय है। आपने अपने जीवन में जैन संस्कृति की साहित्य रचना करके जो संस्कृति को समृद्ध किया है, आपकी लेखनी से अनेकों पुस्तकों का लेखन सम्पादन आदि कार्य हुए हैं।

प्रतिष्ठाचार्य पं. नरेश कुमार जैन 'कांसल', पंच कुटीर पांडव नगर, हस्तिनापुर, मेरठ (उ.प्र.)

तीर्थवन्दना

क्र.सं.	तीर्थ	सन्
1.	बरही, भिण्ड (म.प्र.)	1988
2.	बरासो, भिण्ड (म.प्र.)	1988, 1989
3.	सिंहोनिया (म.प्र.)	1988, 2007, 2018
4.	शौरिपुर, आगरा, (उ.प्र.)	1988, 89, 99, 05, 07, 11, 12, 15, 17, 20
5.	बटेश्वर, आगरा (उ.प्र.)	1988, 89, 99, 2005, 07, 11, 12, 15, 17, 20
6.	सोनागिरि (म.प्र.)	1988, 1989, 1990, 1999, 2018
7.	करगुंआ जी (उ.प्र.)	1988, 1989, 1990, 1998, 1999, 2018
8.	गोपाचल पर्वत (म.प्र.)	1989, 1999
9.	मथुरा चौरासी (उ.प्र.)	1989, 2006, 07, 08, 11, 12, 14, 15, 17, 18
10.	हस्तिनापुर (उ.प्र.)	1989, 2001, 02, 03, 04, 05, 07, 09, 11
11.	पवाई, भिण्ड (म.प्र.)	1989
12.	सीरोन जी (म.प्र.)	1990, 1994, 1996
13.	चंदेरी (म.प्र.)	1990, 1994, 1996
14.	पपौरा जी (म.प्र.)	1990, 94, 95, 99, 2018
15.	बँधा जी (म.प्र.)	1990, 98, 99, 2018
16.	बड़ागाँव (म.प्र.)	1990, 91, 93, 94, 95, 99, 2018
17.	थुबौन जी (म.प्र.)	1990, 1993, 1996
18.	देवगढ़ जी (म.प्र.)	1990, 1993, 1995
19.	बानपुर (म.प्र.)	1990, 1993, 1995, 1996
20.	आहार जी (म.प्र.)	1990, 1993, 1995, 1999, 2018
21.	द्रोणगिरि (म.प्र.)	1990, 91, 92, 93, 95, 96, 99, 2018
22.	नैनागिरि (म.प्र.)	1990, 91, 93, 95, 99, 2018
23.	खंदारगिरि (म.प्र.)	1990, 94, 96
24.	कुण्डलपुर (म.प्र.)	1991, 94, 96, 97, 2018
25.	पजनारी, बण्डा (म.प्र.)	1991, 94, 97
26.	श्रेयांसगिरि (म.प्र.)	1991, 93, 98, 99
27.	अजयगढ़ (म.प्र.)	1992
28.	खजुराहो (म.प्र.)	1992, 1994, 2018

29.	पढ़रुआ, सागर (म.प्र.)	1993, 97
30.	मदनपुर, ललितपुर (म.प्र.)	1993, 94, 95, 96
31.	पावागिर, बीना (म.प्र.)	1994, 98
32.	मंगलगिरि (म.प्र.)	1994, 95, 96
33.	ईश्वरवारा (म.प्र.)	1994
34.	बजरंगगढ़ (म.प्र.)	1994
35.	रहली पटनागंज (म.प्र.)	1995, 97
36.	बीना बारह (म.प्र.)	1995, 97
37.	भाग्योदय, सागर (म.प्र.)	1995
38.	ललितपुर (उ.प्र.)	1995
39.	नेमीगिरि, बण्डा (म.प्र.)	1997
40.	मणिया, जबलपुर (म.प्र.)	1997
41.	पटेरिया जी (म.प्र.)	1997, 98
42.	श्रमणगिरि, लखनादौन (म.प्र.)	1997
43.	कोनी जी, कुण्डलगिरि (म.प्र.)	1997
44.	पवा जी (उ.प्र.)	1998
45.	कारिटोरन (उ.प्र.)	1999
46.	चंद्रवाड (उ.प्र.)	1999, 2000, 05, 08, 10, 12, 20
47.	रामजल (उ.प्र.)	2000, 2005
48.	मरसलगंज (उ.प्र.)	2000, 2005
49.	पचोखरा (उ.प्र.)	2000, 10, 12, 13, 17, 20
50.	बड़ागाँव (उ.प्र.)	2001, 02, 05, 09
51.	महलका (उ.प्र.)	2001, 02, 03, 05
52.	बरनावा (उ.प्र.)	2001, 05, 16
53.	अहिच्छत्र (उ.प्र.)	2001, 05, 13
54.	अहिंसा स्थल (दिल्ली)	2001, 02, 06, 07, 08, 09, 13, 14, 15, 17, 18, 19
55.	ऋषभांचल (उ.प्र.)	2002, 03, 04, 05, 07, 09, 17
56.	ज्ञानस्थली (उ.प्र.)	2002, 03, 04, 05, 07, 09, 11, 17
57.	अष्टापद विलासपुर (हरि.)	2002, 06, 07, 08, 09, 13, 14, 17
58.	सिद्धांत तीर्थ, शिकोहपुर (हरि.)	2002, 06, 07, 08, 09, 13, 14, 17, 18
59.	तिजारा (राज.)	2002, 06, 07, 08, 09, 13, 14, 15, 16, 17, 18
60.	कासन (हरि.)	2002, 06, 07, 08, 09

61.	मसूरी (उत्तराखण्ड)	2003
62.	वहलना (उ.प्र.)	2003
63.	जलालाबाद (उ.प्र.)	2003
64.	बद्रीनाथ (अष्टापद)	2003
65.	रानीला (हरि.)	2004
66.	मंगलायतन (उ.प्र.)	2005
67.	जम्बूस्वामी तपोस्थली, बोलखेड़ा (राज.)	2008, 10, 12, 13, 14, 15, 16, 17, 18, 19, 20, 21
68.	महावीर जी (राज.)	2009, 08, 17
69.	जयशांतिसागर निकेतन, मण्डौला (उ. प्र.)	2012, 13, 15, 16, 17, 21
70.	गुप्तिधाम, गन्नौर (हरि.)	2013
71.	सौरभांचल, गन्नौर (हरि.)	2013
72.	चूलगिरि (राज.)	2014, 15, 19, 21
73.	पद्मपुरा (राज.)	2014, 15, 19
74.	मौजमाबाद (राज.)	2014, 18, 21
75.	नारेली (राज.)	2014, 15, 18, 21
76.	बड़ के बालाजी (राज.)	2014, 15, 16
77.	आदीश्वर गिरि, चाकसू (राज.)	2014
78.	गुणस्थली, फागी (राज.)	2014
79.	श्रीजिनशासन तीर्थ, अजमेर	2014, 15, 16, 18, 21
80.	अहिंसा स्थल, अलवर (राज.)	2015, 16
81.	सांगानेर (राज.)	2015
82.	विराटनगर (राज.)	2015
83.	पार्श्वगिरि, अजमेर (राज.)	2015
84.	झांझीरामपुरा (राज.)	2015, 17, 19
85.	बसवा (राज.)	2015, 17, 19
86.	भुसावर (राज.)	2017, 19
87.	आभा नगरी (राज.)	2017
88.	बाला जी (राज.)	2017

89.	पमारी (राज.)	2017
90.	दरगुआँ, टीकमगढ़ (म.प्र.)	2018
91.	भगवाँ, छतरपुर (म.प्र.)	2018
92.	पटेरा, दमोह (म.प्र.)	2018
93.	थंभ की नसिया (राज.)	2018
94.	साईवाड़ा (राज.)	2018
95.	केसरिया जी (राज.)	2021
96.	पाल (गुज.)	2021
97.	छाणी (राज.)	2021
98.	भिलोड़ा (गुज.)	2021
99.	ईडर (गुज.)	2021
100.	सिद्धक्षेत्र तारंगा जी (गुज.)	2021
101.	उमता (गुज.)	2021
102.	गिरनार सिद्धक्षेत्र (गुज.)	2022
103.	गोगा अ.क्षे. (गुज.)	2022
104.	सिद्धक्षेत्र पालीताणा (शत्रुंजय) (गुज.)	2022
105.	पावागढ़ सिद्धक्षेत्र (गुज.)	2022
106.	अंकलेश्वर अ.क्षे. (गुज.)	2022, 23
107.	सजोद (गुजरात)	2022
108.	महुआ अ.क्षे. (गुज.)	2022
109.	सि.क्षे. मांगीतुंगी (महा.)	2022
110.	सि.क्षे. गजपंथा (महा.)	2022
111.	णमोकार तीर्थ, नासिक (महा.)	2022
112.	अ.क्षे. अंजनगिरि (महा.)	2022
113.	त्रिमूर्ति, पोदनपुर, बोरीवली, मुंबई (महा.)	2022
114.	मुमरा बाहुबली, ठाणा, मुम्बई (महा.)	2022
115.	सिरसाड़ क्षेत्र, मुंबई (महा.)	2022
116.	श्री जिनशरणं तीर्थ (महा.)	2022
117.	समवशरण तीर्थ (असूर्या,गुज.)	2023

पंचकल्याणक प्रतिष्ठा

1.	1989	सोनागिर (म.प्र.)	मुनि अवस्था	सह सानिध्य
2.	1990	सोनागिर (म.प्र.)	मुनि अवस्था	सह सानिध्य
3.	1993	शांति नगर, बीना (म.प्र.)	मुनि अवस्था	सह सानिध्य
4.	1994	साडूमल, ललितपुर (उ.प्र.)	मुनि अवस्था	सह सानिध्य
5.	1994	पपौरा जी, टीकमगढ़ (म.प्र.)	मुनि अवस्था	सह सानिध्य
6.	1995	अतिशय क्षेत्र जतारा (म.प्र.)	मुनि अवस्था	सह सानिध्य
7.	1996	क्षेत्रपाल, बड़ा मन्दिर, ललितपुर (उ.प्र.)	मुनि अवस्था	सह सानिध्य
8.	1996	सिद्धक्षेत्र द्रोणगिरि (बड़ा मन्दिर) (म.प्र.)	मुनि अवस्था	सह सानिध्य
9.	1996	देवेन्द्र नगर, पन्ना (म.प्र.)	मुनि अवस्था	सह सानिध्य
10.	1996	हटा, दमोह (म.प्र.)	मुनि अवस्था	मुख्य सानिध्य
11.	1998	अतिशय क्षेत्र जतारा (म.प्र.)	मुनि अवस्था	मुख्य सानिध्य
12.	1998	अतिशय क्षेत्र पवाजी, ललितपुर (उ.प्र.)	मुनि अवस्था	मुख्य सानिध्य
13.	1999	अतिशय क्षेत्र आहार जी (म.प्र.)	मुनि अवस्था	मुख्य सानिध्य
14.	1999	ककरवाहा, टीकमगढ़ (म.प्र.)	मुनि अवस्था	मुख्य सानिध्य
15.	1999	नेमीनगर, बण्डा (म.प्र.)	मुनि अवस्था	सह सानिध्य
16.	2000	विभव नगर, फिरोजाबाद (उ.प्र.)	मुनि अवस्था	मुख्य सानिध्य
17.	2001	टूण्डला चौराहा (उ.प्र.)	मुनि अवस्था	मुख्य सानिध्य
18.	2001	बरनावा (उ.प्र.)	मुनि अवस्था	सह सानिध्य
19.	2002	विश्वास नगर, दिल्ली	उपाध्याय अवस्था	सह सानिध्य
20.	2003	शास्त्री नगर, मेरठ (उ.प्र.)	उपाध्याय अवस्था	मुख्य सानिध्य
21.	2004	बसंत कुंज, दिल्ली	उपाध्याय अवस्था	सह सानिध्य
22.	2004	बड़ा मन्दिर, पानीपत (हरि.) (लघुप्रतिष्ठा)	उपाध्याय अवस्था	मुख्य सानिध्य
23.	2005	ग्रीन पार्क, दिल्ली	उपाध्याय अवस्था	सह सानिध्य
24.	2005	सकरौली, फिरोजाबाद (उ.प्र.)	उपाध्याय अवस्था	मुख्य सानिध्य
25.	2005	घेर खोखल, फिरोजाबाद (उ.प्र.)	उपाध्याय अवस्था	मुख्य सानिध्य
26.	2006	उझानी जिला बदायूँ (उ.प्र.)	उपाध्याय अवस्था	मुख्य सानिध्य
27.	2007	अलवर, शांति कुंज (राज.)	उपाध्याय अवस्था	मुख्य सानिध्य
28.	2007	आदर्श नगर, सरधना (उ.प्र.)	उपाध्याय अवस्था	मुख्य सानिध्य
29.	2008	सादतपुर, करावल नगर (दिल्ली)	उपाध्याय अवस्था	मुख्य सानिध्य
30.	2008	सिद्धक्षेत्र मथुरा चौरासी (उ.प्र.)	उपाध्याय अवस्था	सह सानिध्य
31.	2008	पंसारिया मौहल्ला, जलेसर (उ.प्र.)	उपाध्याय अवस्था	मुख्य सानिध्य
32.	2008	बुलंदशहर (उ.प्र.)	उपाध्याय अवस्था	मुख्य सानिध्य
33.	2009	देहरा चंद्रवाटिका (राज.)	उपाध्याय अवस्था	मुख्य सानिध्य
34.	2009	कचहरी रोड़, मेरठ (उ.प्र.)	ऐलाचार्य अवस्था	मुख्य सानिध्य
35.	2010	शकरपुर, दिल्ली	ऐलाचार्य अवस्था	मुख्य सानिध्य
36.	2010	बुलंदशहर (उ.प्र.)	ऐलाचार्य अवस्था	मुख्य सानिध्य

37.	2010	राजा का ताल, फिरोजाबाद (उ.प्र.)	ऐलाचार्य अवस्था	मुख्य सानिध्य
38.	2010	राजाखेड़ा (राज.)	ऐलाचार्य अवस्था	मुख्य सानिध्य
39.	2011	संगम विहार, दिल्ली	ऐलाचार्य अवस्था	मुख्य सानिध्य
40.	2011	नूतन लाल मन्दिर, कालकाजी, दिल्ली	ऐलाचार्य अवस्था	सह सानिध्य
41.	2011	हस्तिनापुर (लघु पंचकल्याणक)	ऐलाचार्य अवस्था	मुख्य सानिध्य
42.	2011	हस्तिनापुर (लघु पंचकल्याणक-2)	ऐलाचार्य अवस्था	मुख्य सानिध्य
43.	2012	जय शांतिसागर निकेतन, मण्डोला (उ.प्र.)	ऐलाचार्य अवस्था	मुख्य सानिध्य
44.	2012	शंकर नगर, दिल्ली	ऐलाचार्य अवस्था	मुख्य सानिध्य
45.	2012	इन्द्रापुरी, लोनी (उ.प्र.)	ऐलाचार्य अवस्था	मुख्य सानिध्य
46.	2012	जैन नगर, फिरोजाबाद (उ.प्र.)	ऐलाचार्य अवस्था	मुख्य सानिध्य
47.	2013	टूण्डला (उ.प्र.)	ऐलाचार्य अवस्था	मुख्य सानिध्य
48.	2013	बदायूँ (उ.प्र.)	ऐलाचार्य अवस्था	मुख्य सानिध्य
49.	2013	शिमला (हि.प्र.)	ऐलाचार्य अवस्था	मुख्य सानिध्य
50.	2014	फरीदाबाद सै. 37, (हरियाणा)	ऐलाचार्य अवस्था	मुख्य सानिध्य
51.	2014	अलीगढ़, कक्कावाला (उ.प्र.)	ऐलाचार्य अवस्था	मुख्य सानिध्य
52.	2014	श्री जम्बूस्वामी तपोस्थली, बौलखेड़ा (राज.)	ऐलाचार्य अवस्था	मुख्य सानिध्य
53.	2014	अजमेर (राज.) लघु प्रतिष्ठा	ऐलाचार्य अवस्था	मुख्य सानिध्य
54.	2015	राजाखेड़ा (राज.)	आचार्य अवस्था	मुख्य सानिध्य
55.	2015	चन्द्रप्रभ मन्दिर, फिरोजाबाद (उ.प्र.)	आचार्य अवस्था	मुख्य सानिध्य
56.	2015	होड़ल (हरियाणा)	आचार्य अवस्था	मुख्य सानिध्य
57.	2015	श्री जम्बूस्वामी तपोस्थली, बौलखेड़ा (राज.)	आचार्य अवस्था	मुख्य सानिध्य
58.	2015	जय शांतिसागर निकेतन, मण्डौला (लघु)	आचार्य अवस्था	मुख्य सानिध्य
59.	2015	मीरा मार्ग, मानसरोवर (जयपुर राज.)	आचार्य अवस्था	मुख्य सानिध्य
60.	2016	अशोक नगर, दिल्ली	आचार्य अवस्था	मुख्य सानिध्य
61.	2016	इन्द्रापुरी, लोनी (उ.प्र.)	आचार्य अवस्था	मुख्य सानिध्य
62.	2016	उस्मानपुर, दिल्ली, (लघु)	आचार्य अवस्था	मुख्य सानिध्य
63.	2016	उस्मानपुर, दिल्ली (वृहद्)	आचार्य अवस्था	मुख्य सानिध्य
64.	2016	श्री जम्बूस्वामी तपोस्थली, बौलखेड़ा (राज.)	आचार्य अवस्था	मुख्य सानिध्य
65.	2017	सीकरी (भरतपुर, राज.)	आचार्य अवस्था	मुख्य सानिध्य
66.	2017	श्री जम्बूस्वामी तपोस्थली, बौलखेड़ा (राज.)	आचार्य अवस्था	मुख्य सानिध्य
67.	2017	सरूरपुर कलां, बागपत, (उ.प्र.)	आचार्य अवस्था	मुख्य सानिध्य
68.	2017	लेखराज नगर, अलीगढ़ (उ.प्र.)	आचार्य अवस्था	मुख्य सानिध्य
69.	2017	शमसाबाद, आगरा (उ.प्र.)	आचार्य अवस्था	मुख्य सानिध्य
70.	2017	टूण्डला (उ.प्र.)	आचार्य अवस्था	मुख्य सानिध्य
71.	2017	झांझीराम पुरा (राज.)	आचार्य अवस्था	मुख्य सानिध्य
72.	2017	बसवा (राज.)	आचार्य अवस्था	मुख्य सानिध्य
73.	2017	अलवर (राज.) (लघु)	आचार्य अवस्था	मुख्य सानिध्य
74.	2017	ग्रीन पार्क, दिल्ली	आचार्य अवस्था	मुख्य सानिध्य

75.	2017	वसुनंदी विहार, मेरठ (उ.प्र.)	आचार्य अवस्था	मुख्य सानिध्य
76.	2018	श्री जम्बूस्वामी तपोस्थली, बौलखेड़ा (राज.)	आचार्य अवस्था	मुख्य सानिध्य
77.	2018	मथुरा चौरासी (उ.प्र.)	आचार्य अवस्था	मुख्य सानिध्य
78.	2018	मनियाँ (राज.) वृहद् व लघु	आचार्य अवस्था	मुख्य सानिध्य
79.	2018	द्वारि, पन्ना (म.प्र.)	आचार्य अवस्था	मुख्य सानिध्य
80.	2018	गुनौर, पन्ना, (म.प्र.) लघु	आचार्य अवस्था	मुख्य सानिध्य
81.	2018	हथिनी, दमोह (म.प्र.)	आचार्य अवस्था	मुख्य सानिध्य
82.	2019	भुसावर (राज.)	आचार्य अवस्था	मुख्य सानिध्य
83.	2019	हसनपुर (हरि.)	आचार्य अवस्था	मुख्य सानिध्य
84.	2019	प्रताप नगर, जयपुर (राज.)	आचार्य अवस्था	मुख्य सानिध्य
85.	2019	करावल नगर, दिल्ली	आचार्य अवस्था	मुख्य सानिध्य
86.	2019	गौतमपुरी, दिल्ली	आचार्य अवस्था	मुख्य सानिध्य
87.	2020	शौरिपुर (उ.प्र.)	आचार्य अवस्था	मुख्य सानिध्य
88.	2020	श्री जम्बूस्वामी तपोस्थली, (राज.) लघु	आचार्य अवस्था	मुख्य सानिध्य
89.	2020	श्री जम्बूस्वामी तपोस्थली (राज.) वृहद्	आचार्य अवस्था	मुख्य सानिध्य
90.	2020	अपना घर शालीमार, अलवर (राज.)	आचार्य अवस्था	मुख्य सानिध्य
91.	2020	जनूथर (राज.)	आचार्य अवस्था	मुख्य सानिध्य
92.	2021	श्री जम्बूस्वामी तपोस्थली, (बौल., राज.) लघु	आचार्य अवस्था	मुख्य सानिध्य
93.	2021	श्री जम्बूस्वामी तपोस्थली (बौल., राज.) वृहद्	आचार्य अवस्था	मुख्य सानिध्य
94.	2021	जय शांतिसागर निकेतन, मण्डोला (उ.प्र.)	आचार्य अवस्था	मुख्य सानिध्य
95.	2021	थापर नगर, मेरठ (उ.प्र.)	आचार्य अवस्था	मुख्य सानिध्य
96.	2021	सिद्धक्षेत्र तारंगा जी (गुज.)	आचार्य अवस्था	मुख्य सानिध्य
97.	2022	सिद्धक्षेत्र शत्रुंजय, पालीताणा (गुज.)	आचार्य अवस्था	मुख्य सानिध्य
98.	2022	सन्मति पार्क बरौदा (गुज.)	आचार्य अवस्था	मुख्य सानिध्य
99.	2022	सिद्धक्षेत्र, मांगीतुंगी जी (महा.)	आचार्य अवस्था	मुख्य सानिध्य
100.	2022	सिद्धक्षेत्र गजपंथा (महा.)	आचार्य अवस्था	मुख्य सानिध्य
101.	2022	भयंदर मुम्बई (महा.)	आचार्य अवस्था	मुख्य सानिध्य
102.	2023	सूरत (गुज.)	आचार्य अवस्था	मुख्य सानिध्य
103.	2023	कर्जन (गुज.)	आचार्य अवस्था	मुख्य सानिध्य
104.	2023	श्री पार्श्वनाथ मन्दिर सलुम्बर (राज.)	आचार्य अवस्था	मुख्य सानिध्य
105.	2023	रुप्यगिरि तीर्थ, सलुम्बर (राज.)	आचार्य अवस्था	मुख्य सानिध्य

संभावित आगामी सानिध्य

106.	2023	बाड़मेर (राज.)	आचार्य अवस्था	मुख्य सानिध्य
107.	2023	जोधपुर (राज.)	आचार्य अवस्था	मुख्य सानिध्य
108.	2023	झांझीरामपुरा (राज.)	आचार्य अवस्था	मुख्य सानिध्य
109.	2023	बलबीर नगर (दिल्ली)	आचार्य अवस्था	मुख्य सानिध्य
110.	2023	कालका जी, दिल्ली	आचार्य अवस्था	मुख्य सानिध्य
111.	2023	छपरौली (उ.प्र.)	आचार्य अवस्था	मुख्य सानिध्य
112.	2023	गांधीनगर, सरधना, (उ.प्र.)	आचार्य अवस्था	मुख्य सानिध्य

शिलान्यास

क्र.सं.	स्थान	वर्ष
1.	दमोह (म.प्र.) मन्दिर	1996
2.	पन्ना (म.प्र.) बड़ा मन्दिर	1998
3.	बण्डा (म.प्र.) मानस्तम्भ व तीन वेदी	1998
4.	बरनावा (उ.प्र.)	2001
5.	कचहरी रोड़ असोड़ा हाऊस, मेरठ (उ.प्र.)	2005
6.	बदायूँ (उ.प्र.) मन्दिर	2006
7.	हस्तिनापुर (उ.प्र.) मन्दिर	2006
8.	बी.एड. कॉलेज स्थापना शिलान्यास, तिजारा (राज.)	2006
9.	शकरपुर (दिल्ली) मन्दिर शिखर	2007
10.	जय शांतिसागर निकेतन, मण्डोला (उ.प्र.) मन्दिर	2007
11.	मथुरा चौरासी (उ.प्र.) जम्बूस्वामी वेदी	2007
12.	अम्बाह (म.प्र.)	2008
13.	मथुरा ऋषभ ब्रह्मचर्याश्रम (उ.प्र.) (मानस्तम्भ)	2008
14.	चन्द्रवाड़ (उ.प्र.) मन्दिर	2008
15.	सिंहोनिया जी (म.प्र.)	2008
16.	टूण्डला (उ.प्र.) मानस्तम्भ	2008
17.	सै. 37, फरीदाबाद (हरि.) मन्दिर	2009
18.	वीर नगर, मेरठ (उ.प्र.) (संत भवन शिलान्यास)	2009
19.	वसुनन्दी विहार, मेरठ (उ.प्र.) मन्दिर	2009
20.	ग्रीन पार्क (दिल्ली) शिखर शिलान्यास	2009
21.	जय शांतिसागर निकेतन, मण्डोला (उ.प्र.) मन्दिर	2009
22.	संगम विहार (दिल्ली) मंदिर	2009
23.	संगम विहार (दिल्ली) संत भवन शिलान्यास	2010
24.	राम पार्क (उ.प्र.) मन्दिर शिलान्यास	2010
25.	करावल नगर (दिल्ली) संत भवन शिलान्यास	2010
26.	राजाखेड़ा (राज.) मानस्तम्भ (जैन धर्मशाला)	2010
27.	राजाखेड़ा (राज.) मानस्तम्भ (बीच वाला मंदिर)	2010
28.	श्री जम्बूस्वामी तपोस्थली (राज.) (मानस्तम्भ)	2013
29.	श्री जम्बूस्वामी तपोस्थली (राज.) (मन्दिर शिलान्यास)	2013
30.	सीकरी (राज.) मन्दिर	2013

31.	कालका (हरि.) शिखर शिलान्यास	2013
32.	अजमेर (राज.) श्री जिनशासन तीर्थ	2014
33.	अजमेर (राज.) लाल मन्दिर	2014
34.	धारूहेड़ा (हरि.) संत भवन शिलान्यास	2014
35.	श्री जम्बूस्वामी तपोस्थली, बौलखेड़ा (राज.) अजितनाथ मन्दिर	2015
36.	श्री जम्बूस्वामी तपोस्थली, बौलखेड़ा (राज.) समवशरण मन्दिर	2015
37.	सीकरी राजस्थान मानस्तम्भ, 3 वेदी, 3 शिखर व मुख्य द्वार	2015
38.	अंकुर विहार (उ.प्र.) वेदी शिलान्यास	2015
39.	करावल नगर (नंदीश्वर द्वीप शिलान्यास)	2015
40.	अलवर, 60 फुटा रोड (राज.) संत भवन	2015
41.	अलवर मुंशी बाजार (राज.) संत भवन	2015
42.	हसनपुर (हरि.) मन्दिर	2016
43.	मथुरा ब्रह्मचर्याश्रम (उ.प्र.) मन्दिर	2016
44.	जनूथर (राज.) मन्दिर	2016
45.	श्री जम्बूस्वामी तपोस्थली, बौलखेड़ा (राज.)	2016
46.	नसिया जी, अलवर (राज.) संत भवन	2016
47.	तिजारा (राज.) समवशरण, नंदीश्वर, सहस्रकूट शिलान्यास	2016
48.	चन्द्रलोक सिटी, तिजारा (राज.) मन्दिर	2016
49.	नेहरू रोड़ (बड़ौत, उ.प्र.), मंदिर	2016
50.	सोनिया विहार, दिल्ली, वेदी	2016
51.	भुसावर (राज.) मंदिर वेदी	2017
52.	झांझीराम पुरा (राज.) मानस्तंभ, संतभवन	2017
53.	ईदगाह, आगरा (उ.प्र.) वेदी शिलान्यास	2017
54.	छपरौली, बागपत (उ.प्र.) मन्दिर	2017
55.	गौतमपुरी (दिल्ली) वेदी	2017
56.	थापर नगर (मेरठ) मन्दिर	2017
57.	श्री जिनशासन तीर्थक्षेत्र (आ. श्री विद्यानंद जी संत भवन)	2018
58.	हरसौलिया (जि. फागी) मन्दिर	2018
59.	साईवाड़ (जयपुर) (आ. श्री वसुनंदी जी संत भवन)	2018
60.	बड़ामलहरा (म.प्र.) (आहारशाला)	2018
61.	छपरौली (उ.प्र.) वेदी शिलान्यास	2018
62.	मांझी रेनवाल, जयपुर, मंदिर शिलान्यास	2018
63.	बड़ा मंदिर शिखर शिलान्यास (बागपत)	2021
64.	सिद्धक्षेत्र तारंगा जी (गुज.) वेदी	2021

65.	आ. वसुनंदी रत्नत्रय भवन, भूमिपूजन, बड़ोदरा सन्मति पार्क, (गुज.)	2022
66.	चौबीसी शिलान्यास, अंजनगिरि (महा.)	2022
67.	मन्दिर शिलान्यास, गजपंथा (महा.)	2022
68.	मन्दिर शिलान्यास, भयंदर मुंबई (महा.)	2022
69.	वेदी शिलान्यास, भयंदर मुंबई (महा.)	6 नवंबर, 2022
70.	शिखर शिलान्यास, भयंदर मुंबई (महा.)	नवम्बर 2022
71.	बोरीवली, मुम्बई (महा.) मंदिर व संतभवन	3 दिसम्बर 2022
72.	विहार धाम शिलान्यास (2) सूरत बड़ोदरा हाईवे (गुज.)	4 जनवरी 2023

आगामी संभावित शिलान्यास

73	श्री जैसवाल दि. जैन मन्दिर श्री महावीर जी (राज.)	अप्रैल 2023
74	मन्दिर शिलान्यास, गौशाला परिसर मण्डोला (उ.प्र.)	मई 2023

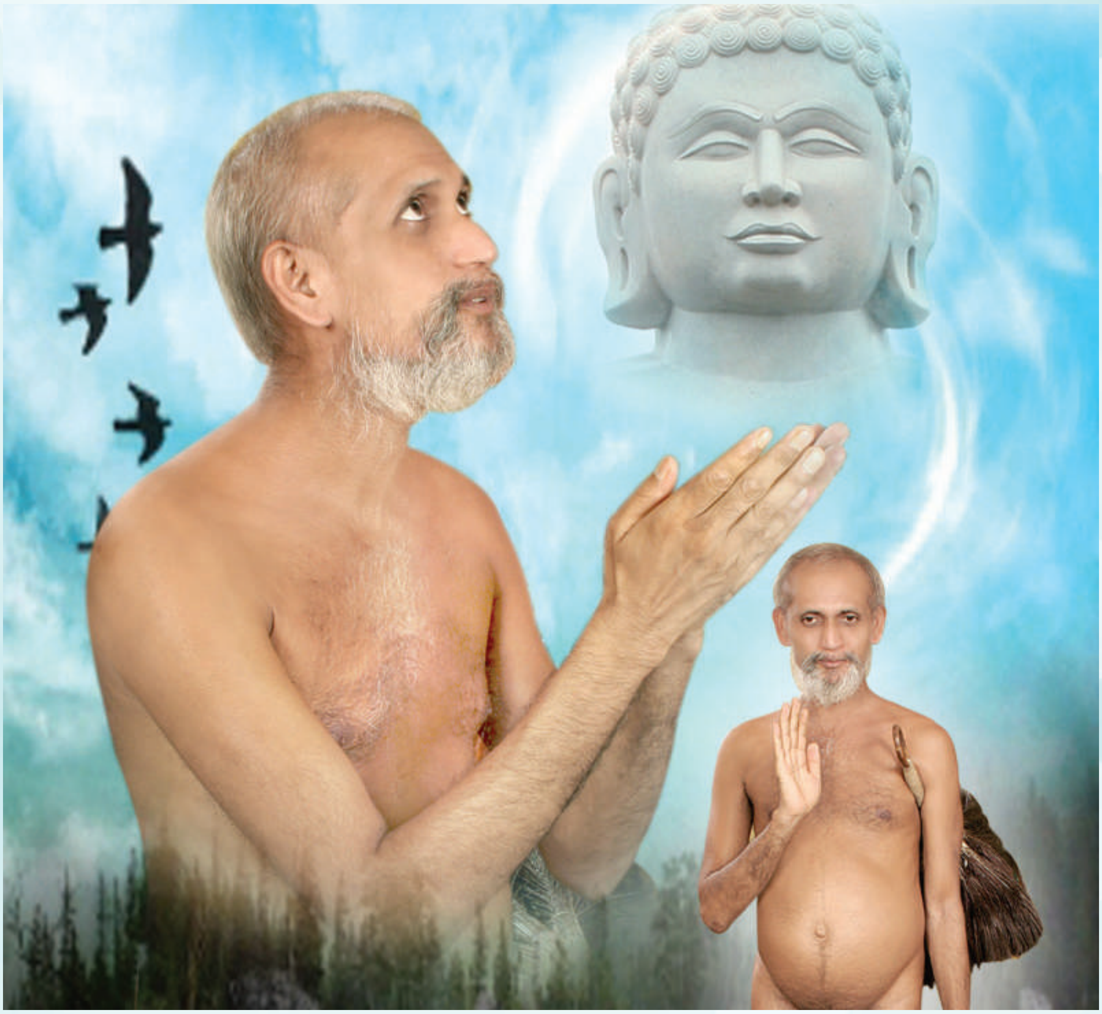

प्रमुख जीर्णोद्धार एवं विकास

मध्य प्रदेश

1.	श्रेयांसगिरि	मुनि वसतिका का निर्माण-1998, 21 गुफाओं व मंदिरों का जीर्णोद्धार 1998, पहाड़ पर सीढ़ियों का निर्माण-1998
2.	सिंहोनिया	मानस्तम्भ, धर्मशाला व अतिथि भवन का विकास-2008-09
3.	पवाजी	एक मंदिर का निर्माण व पंचकल्याणक, अतिथि भवन की प्रेरणा-1998
4.	अम्बाह	चार मंदिरों का जीर्णोद्धार-2008-09, एक नूतन मंदिर का निर्माण-2008-09
5.	खबरा	एक मंदिर का जीर्णोद्धार व विकास-1998
6.	पन्ना	पुराने मंदिर का जीर्णोद्धार व विकास-1998-99
7.	गढ़ाकोटा	बड़े मंदिर का जीर्णोद्धार व विकास-1998-99, अतिथि भवन व धर्मशाला का निर्माण-1997-98
8.	बंडा	शांति नगर के मंदिर का निर्माण व विकास-1998
9.	बीना	शांतिनगर में मंदिर का निर्माण व विकास-1993-94
10.	द्वारी	एक मात्र मंदिर का निर्माण व विकास-2006-18, अतिथि भवन का निर्माण व विकास-2018
11.	लकलका	मंदिर का जीर्णोद्धार व विकास-2005-08, अतिथि भवन का निर्माण-2005-08
12.	मनका	मंदिर में जीर्णोद्धार व विकास-2008-10, अतिथि भवन का निर्माण-2008-10
13.	गुनौर	मंदिर का विकास-1998-2005, चौबीसी निर्माण व मंदिर विकास-2018 आचार्य विमल सागर विद्यालय का विकास-1998-2005
14.	हरदुआ	दो मंदिरों का जीर्णोद्धार व विकास-1998-2000
15.	मौहदरा	मंदिर निर्माण व विकास-1998-2000
16.	बड़ामलहरा (छतरपुर)	आहारशाला निर्माण-2018

राजस्थान

1.	तिजारा	देहरा मंदिर विकास, चन्द्रवाटिका चौबीसी-2006-08
2.	पहाड़ी	1 मंदिर का जीर्णोद्धार-2008-12
3.	डींग	3 मंदिरों का जीर्णोद्धार व विकास-2008-12, अतिथि भवन की प्रेरणा
4.	राजगढ़	नसियाँ मंदिर का जीर्णोद्धार-2009-10
5.	अलवर	शांतिकुंज व मुंशी बाजार के मंदिरों का जीर्णोद्धार व विकास-2007-08, 60 फुटा रोड, मुंशीबाजार व नसिया जी में संत भवन निर्माण-2015-17 शिवाजी पार्क मंदिर विकास 2017
6.	कामां	3 मंदिरों का जीर्णोद्धार व विकास-2008-17

7.	राजाखेड़ा	नूतन मंदिर निर्माण व मानस्तम्भ निर्माण-2009-13
8.	मनियां	जिन मंदिर जीर्णोद्धार 2015-16, मंदिर निर्माण-2016-18
9.	श्री जम्बूस्वामी तपोस्थली	मानस्तम्भ निर्माण व जिन मंदिर निर्माण-2010-13, अतिथि भवन व संत भवन निर्माण-2010-13 क्षेत्र का बहुमुखी विकास-2010 से, अजितनाथ जिनालय का निर्माण-2015-16, समवशरण व चौबीसी निर्माण-2016-18, ध्यान मंदिर, जम्बूस्वामी जिनालय, पक्षीगृह, भोजनशाला, नवदेवता निलय, प्रवेश द्वार आदि
10.	सीकरी	मंदिर पुनर्निर्माण व मानस्तम्भ निर्माण-2013-17
11.	नौगांवा	मंदिर जीर्णोद्धार-2013
12.	अजमेर	श्री जिनशासन तीर्थ निर्माण-2014, लाल मंदिर निर्माण-2014
13.	जनूथर	मंदिर निर्माण-2016
14.	खेड़ली	वेदी जीर्णोद्धार-2017
15.	झांझीराम पुरा	मंदिर जीर्णोद्धार, वेदी निर्माण व मानस्तंभ निर्माण-2016-17
16.	कोटखावदा	मानस्तम्भ निर्माण-2016
17.	बांदीकुई	वेदी जीर्णोद्धार-2016-17, संत भवन निर्माण 2019-21, रत्न चौबीसी विराजमान
18.	बसवा	मंदिर जीर्णोद्धार-2016-17
19.	भरतपुर	वेदी जीर्णोद्धार-2016-17
20.	भुसावर	मन्दिर निर्माण-2017
21.	बैनाड़	मन्दिर जीर्णोद्धार-2015
22.	करौली	मन्दिर जीर्णोद्धार प्रेरणा-2017
23.	हरसौलिया	मन्दिर जीर्णोद्धार-2018
24.	सलुम्बर	■ रुप्यगिरि तीर्थ विकास-21 फुट खड्गासन मुनिसुव्रतनाथ भ. एवं 17 फुट के दो जिनबिम्ब विराजमान, ■ ऋषभदेव मंदिर विकास-वेदी निर्माण, ■ नूतन मन्दिर निर्माण-दसा नरसिंहपुरा समाज, जैन नगर, ■ चा.च.आ. श्री शांतिसागर ग्रंथालय, श्रमण भवन-2021-22
25.	बाड़मेर	नूतन जिनमंदिर निर्माण-2022-23
26.	जोधपुर	नूतन जिनालय निर्माण-2022

उत्तर प्रदेश

1.	चन्द्रवाड़	मंदिर, मानस्तंभ, अतिथि भवन- जीर्णोद्धार, निर्माण, विकास-2007-12
2.	पचोखरा	मंदिर जीर्णोद्धार व विकास-2005-12, वेदी निर्माण-2016-17
3.	उझानी	मंदिर का जीर्णोद्धार व विकास-2005-08, स्वाध्याय कक्ष व अतिथि भवन का निर्माण-2005-08
4.	एत्मादपुर	मानस्तम्भ जीर्णोद्धार 2005-06, मंदिर निर्माण प्रेरणा-2015
5.	शास्त्री नगर, मेरठ	अतिथि भवन निर्माण, डी. ब्लॉक, जीर्णोद्धार व विकास-2002-09

6.	वीर नगर, मेरठ व आनन्दपुरी मेरठ	संत भवन का नव निर्माण-2009, (एलाचार्य वसुनंदी संत भवन)
7.	शौरीपुर बटेश्वर	क्षेत्र का विकास-2005-06
8.	राजमल	वेदी निर्माण
9.	राजा का ताला	नूतन वेदी निर्माण-पुरानी वेदियों का जीर्णोद्धार-2010
10.	टूण्डला	बाजार व चौराहे के 3 मंदिरों का जीर्णोद्धार व विकास-2000-10, बाजार मंदिर का शिखर निर्माण व शिलान्यास, मानस्तम्भ निर्माण चौराहा मंदिर-2013, पार्श्वनाथ मंदिर वेदी निर्माण-2017, नंदीश्वर द्वीप रचना-2020-22
11.	मथुरा चौरासी	3 मंदिरों का जीर्णोद्धार व विकास, इन्टर कॉलेज व गुरुकुल का विकास, जम्बूस्वामी प्रतिमा स्थापना, चौबीसी, मानस्तम्भ स्थापना व निर्माण-2008-10, मंदिर निर्माण 2016
12.	मथुरा	मथुरा बस्ती निर्माण व आगरा रोड़ के मंदिरों का जीर्णोद्धार व विकास-2007-10
13.	फिरोजाबाद	विभव नगर, चंद्रप्रभु मंदिर, इन्द्रा कॉलोनी जीर्णोद्धार विकास-1999-2015, अट्टा मंदिर वेदी जीर्णोद्धार 2017, बड़ा मौहल्ला मंदिर जीर्णोद्धार 2015-17
14.	एटा	ठण्डी सड़क व नसियाँ जी मंदिर जीर्णोद्धार व विकास-2001
15.	जलेसर	शेरगंज व पंसारिया मोहल्ला- जीर्णोद्धार व विकास-2001-10
16.	बुलन्दशहर	मंदिर का जीर्णोद्धार व विकास-2008-12
17.	खेकड़ा	मंदिर में अतिथि भवन जीर्णोद्धार व विकास-2001-10, (शिखर निर्माण)
18.	सरधना	गांधी नगर, बड़े मंदिर, आदर्श नगर मंदिर जीर्णोद्धार निर्माण व विकास-2001-12
19.	अवागढ़	मंदिर का जीर्णोद्धार व विकास
20.	गाजियाबाद	अंकुर कॉलोनी मंदिर निर्माण-2010
21.	कोसी कलां	मंदिर जीर्णोद्धार-2010
22.	सकरौली	मंदिर जीर्णोद्धार-2005
23.	मवाना	मंदिर जीर्णोद्धार-2001
24.	बदायूँ	नूतन मंदिर निर्माण-2006-12
25.	मण्डोला	जय शांतिसागर निकेतन तीर्थ विकास-2005 से, गौशाला निर्माण मनोहर उद्यान - 2020, आ.श्री विद्यानंदजी ध्यान कक्ष, आ.श्री. वसुनंदीजी स्वाध्याय कक्ष - 2020
26.	बरनावा	गुरुकुल मंदिर निर्माण-2016
27.	मेरठ	वसुनन्दी विहार, थापर नगर में मंदिर निर्माण-2011-2017
28.	बड़ौत	मंदिर जीर्णोद्धार-2017
29.	छपरौली	मंदिर निर्माण-2017-23

30.	सरूरपुर	मंदिर विकास व वेदी निर्माण-2016-17
31.	सिसाना	वेदी निर्माण-2017
32.	मोमदाबाद	मंदिर विकास व जीर्णोद्धार-2017
33.	जलालपुर	वेदी जीर्णोद्धार-2016-17
34.	इन्द्रापुरी (लोनी)	मंदिर निर्माण व वेदी निर्माण-2015-16
35.	गांधीनगर सरधना	मंदिर जीर्णोद्धार-2019-23
36.	बागपत	बड़ा मंदिर, द्वय शिखर निर्माण व मंदिर द्वार सौन्दर्यकरण-2021-23
37.	दीवान एन्क्लेव (गा.बा.) उ.प्र.	मंदिर निर्माण-2019
38.	रिवर पार्क बागपत - ज्ञानालय (पुस्तकालय) -2021	

दिल्ली

1.	ग्रीनपार्क	मंदिर व शिखर विकास व जीर्णोद्धार-2010-12, स्वर्णिम समवशरण रचना-2016-17
2.	शकरपुर	मंदिर निर्माण-2008-10
3.	करावल नगर	मंदिर निर्माण व विकास-2005-08, अतिथि भवन व संत भवन निर्माण-2010-15, नंदीश्वर रचना-2016-18
4.	उत्तम नगर	मंदिर जीर्णोद्धार व अतिथि भवन का विकास-2017
5.	रोहिणी	मंदिर निर्माण व विकास
6.	प्रशांत विहार	अतिथि भवन व निर्माण-2013
7.	कृष्णा नगर	मंदिर जीर्णोद्धार, सौन्दर्यकरण व संत भवन विकास प्रेरणा-2014
8.	सुन्दर विहार	अतिथि भवन का विकास
9.	शंकर नगर	मंदिर विकास-2012
10.	लक्ष्मी नगर	वेदी जीर्णोद्धार (नूतन विकास)-2012
11.	कबूल नगर	मंदिर जीर्णोद्धार प्रेरणा
12.	गोविन्द विहार	शिव विहार संत भवन निर्माण-2012
13.	संगम विहार	मंदिर व संत भवन विकास व निर्माण-2008-11
14.	अशोक नगर	वेदी जीर्णोद्धार-2014-16
15.	सोनिया विहार	मंदिर निर्माण-2015-16
16.	गौतमपुरी	पाण्डुकशिला प्रांगण विकास, मंदिर निर्माण-2015-18
17.	उस्मानपुर	वेदी निर्माण-2015-16
18.	विश्वास पार्क (उत्तम नगर)	मंदिर निर्माण प्रेरणा-2017
19.	विश्वास नगर (राम गली)	वेदी निर्माण व चौबीसी प्रेरणा-2017
20.	ज्योति कॉलोनी	वेदी जीर्णोद्धार-2021

हरियाणा

1.	धारूहेड़ा	वेदी व मंदिर विकास, जीर्णोद्धार-2008-12, अतिथि भवन शिलान्यास-2014
2.	फरीदाबाद सै. 37	मंदिर निर्माण व विकास,-2009-13
3.	कालका	शिखर निर्माण-2013
4.	रेवाड़ी	मंदिर पुन:निर्माण-2014
5.	पलवल	मंदिर जीर्णोद्धार, पुनः निर्माण-2015
6.	हसनपुर	मंदिर निर्माण-2016-18, संत भवन
7.	होडल	मंदिर विकास-2012-15
8.	बल्लभगढ़	मंदिर निर्माण-2015

हिमाचल प्रदेश

1.	शिमला	संत भवन विकास, आ. शांतिसागर सभागार, आ. विद्यानंद पुस्तकालय-2013
2.	सोलन	मंदिर निर्माण प्रेरणा-2013
3.	धर्मपुरा	मंदिर विकास प्रेरणा-2013

गुजरात

1.	सिद्धक्षेत्र तारंगाजी	627 वर्ष प्राचीन गुफा
2.	बड़ोदरा	आ. वसुनन्दी रत्नत्रय भवन, सन्मति पार्क-2022
3.	कर्जन	नूतन मंदिर निर्माण-2022
4.	सूरत	राजमार्ग पर 15 km - 15 km की दूरी पर 2 'विहार धाम' का निर्माण 2022-23

महाराष्ट्र

1.	गजपंथा	श्री आदिवीर प्रतिमा (सवा ग्यारह फुट) स्थापना, जिनमंदिर निर्माण-2022
2.	अंजनगिरि तीर्थ	परिकर सहित वर्ममान चौबीसी स्थापना, मन्दिर निर्माण-2022
3.	भायंदर, मुंबई	नूतन मंदिर निर्माण-2022
4.	बोरीवली, मुम्बई,	मन्दिर व संत भवन निर्माण 2022

तमिलनाडु

1.	सेलम	ई. रोड, भव्यमंदिर का निर्माण-2018
2.	अम्बत्तूर	श्रीअजितनाथ मंदिर का जीर्णोद्धार-2020-21
3.	पोन्नूरमलै	आ. कुंदकुंद स्वामी तपोस्थली-तीस चौबीसी जिनालय-2020-21 समवशरण मन्दिर जीर्णोद्धार, आ. कुंदकुंद स्वामी विदेह क्षेत्र गमन मूर्ति स्थापित, ध्यान केन्द्र, शांतिनाथ जिनालय निर्माण-2022

उड़ीसा

1.	नवरंगपुर	मन्दिर निर्माण 2013-2022

वेदी प्रतिष्ठा व उत्थापन

क्र. स्थान
1. हटा (म.प्र.)-1996
2. पथरिया (म.प्र.)-1997
3. मेरठ (उ.प्र.)-(3)-2002, 03, 05
4. तिजारा (राज.)-2006
5. सरधना (उ.प्र.)(2)-लश्करगंज-2003 गाँधीनगर-2007
6. फिरोजाबाद (उ.प्र.) (4) विभवनगर-2001, गाँधीनगर-2011, देवनगर-2012, इन्द्रा कॉलोनी-2015
7. शकरपुर (दिल्ली)-2010
8. लक्ष्मीनगर (दिल्ली) वेदी उत्थापन-2012
9. नौगांवा (राज.)-2013
10. धारूहेड़ा (हरि.)-2013
11. सीकरी (राज.) वेदी उत्थापन-2013
12. शास्त्रीनगर, दिल्ली-2014
13. अशोक नगर (दिल्ली) वेदी उत्थापन-2014
14. श्री जिनशासन तीर्थ, अजमेर (राज)-2014
14. अंकुर कॉलोनी (उ.प्र.)-2015 (जिनबिम्ब स्थापना)
16. झांझीराम पुरा (राज.) 3 वेदी-2015
17. बैनाड़ (जयपुर, राज.) 6 वेदी-2015
18. गोवर्धन (उ.प्र.)-2017
19. खेड़ली (राज.)-2017
20. भरतपुर (राज.)-2017
21. झांझीरामपुरा (राज.) 4 वेदी-2017
22. बसवा (राज.) 13 वेदी-2017
23. टूण्डला बीच वाला मंदिर (उ.प्र.)-2017
24. रामगढ़ (राज.) मानस्तम्भ वेदी-2017
25. बांदी कुई (राज.) 3 वेदी-2017
26. फिरोजाबाद बड़ा मोहल्ला (उ.प्र.)-2017
27. अट्टा वाला मन्दिर, फिरोजाबाद (उ.प्र) 2017
28. पचोखरा (उ.प्र.)-2017
29. देवेन्द्र नगर (म.प्र.)-2018
30. गुनौर (म.प्र.)-2018
31. शाहगढ़ (म.प्र.)-2018
32. ज्योति कालोनी मूलनायक वेदी, दिल्ली - 2019
33. वेदी प्रतिष्ठा व शिखर जिनबिम्ब स्थापना, शास्त्रीनगर, मेरठ-2019
34. चौपड़ा मंदिर वेदी उत्थापन, सरध ना-2019
35. नेमिनाथ जिनालय, वेदीप्रतिष्ठा, 2021 तारंगा पर्वत
36. ऋषभदेव जिनालय, दसा हुमड समाज, गांधीचौक, सलूम्बर - 2023
37. गृह चैत्यालय वेदी, मिंडा परिवार सलूम्बर - 2023

सान्निध्य में विभिन्न आयोजन

क्र.	स्थान	तिथि
1.	महार्चना, सागर, म.प्र.	1994
2.	महार्चना, देवली, सागर, म.प्र.	1995
3.	महार्चना, बीना, म.प्र.	1998
4.	महार्चना, श्रेयांसगिरि, म.प्र.	1998
5.	सिद्धचक्र विधान, नसिया, फिरोजाबाद, उ.प्र.	नवम्बर 1999
6.	महार्चना, टूण्डला, उ.प्र.	2000
7.	इन्द्रध्वज विधान, जैन नगर, फिरोजाबाद, उ.प्र.	जून 2000
8.	महार्चना, सदर मेरठ, उ.प्र.	2002
9.	महार्चना, शास्त्री नगर, उ.प्र.	2003
10.	भ. बाहुबली महामस्तकाभिषेक, फिरोजाबाद (उ.प्र.)	2005
11.	सिद्धचक्र महामंडल विधान, मुरैना, म.प्र.	2005
12.	महाअर्चना विधान, शौरिपुर, उ.प्र.	2005
13.	णमोकार महाअर्चना, एटा, उ.प्र.	2005
14.	णमोकार महाअर्चना, कुरावली, उ.प्र.	2005
15.	महाअर्चना, राजाखेड़ा (राज.)	नवंबर 2005
16.	सिद्धचक्र विधान, शमसाबाद, उ.प्र.	नवंबर 2005
17.	50वां चन्द्रप्रभ प्रगट दिवस, तिजारा, राजस्थान	अगस्त 2006
18.	सिद्धचक्र विधान, तिजारा राजस्थान	2006
19.	मानस्तम्भ मस्तकाभिषेक, एम.डी. जैन इंटर कॉलेज, आगरा, उ.प्र.	नवंबर 2007
20.	स्वास्थ्य जांच शिविर, तिजारा, राजस्थान	अगस्त 2008
21.	जेल प्रवचन, मेरठ, उ.प्र.	2009
22.	एडवोकेट कांफ्रेंस, मेरठ, उ.प्र.	2009
23.	जिनसहस्रनाम महार्चना, हस्तिनापुर, उ.प्र.	फरवरी 2009
24.	णमोकार महार्चना, अलवर (राज.)	फरवरी 2009
25.	णमोकार महार्चना, मेरठ, उ.प्र.	नवम्बर 2009
26.	सिद्धचक्र विधान, शंकर नगर, दिल्ली	मार्च 2012
27.	सिद्धचक्र विधान, विभव नगर, फिरोजाबाद, उ.प्र.	नवम्बर 2012
28.	समवशरण विधान, प्रशांत विहार, दिल्ली	मार्च 2013
29.	डॉक्टर्स कांफ्रेंस, प्रशांत विहार, दिल्ली	मार्च 2013
30.	डॉक्टर्स कांफ्रेंस, विश्वास नगर, दिल्ली	जून 2013
31.	जेल प्रवचन, रेवाड़ी, हरियाणा	जनवरी 2014
32.	महार्चना, अजमेर, राजस्थान	2014
33.	समवशरण विधान, उत्तम नगर, दिल्ली	2014
34.	माता-पिता सम्मान, जयपुर, राजस्थान	सितंबर 2015
35.	माता-पिता सम्मान, बड़ौत, उ.प्र.	मार्च 2016
36.	16 दिवसीय शांतिविधान, जम्बूस्वामी तपोस्थली बौलखेड़ा, राजस्थान	अगस्त 2016
37.	समवशरण विधान, शंकर नगर, दिल्ली	मार्च 2017
38.	सिद्धचक्र विधान, ग्रीनपार्क, दिल्ली	मार्च 2017
39.	चन्द्रप्रभु महामस्तकाभिषेक, फिरोजाबाद, उ.प्र.	मई 2017
40.	श्रीमज्जिनेन्द्र महार्चना, ग्रीनपार्क, दिल्ली	जुलाई 2017
41.	स्वास्थ्य जांच शिविर, विश्वास नगर, दिल्ली	अक्टूबर 2017
42.	माता-पिता सम्मान, यमुना विहार, दिल्ली	अक्टूबर 2017

* प्राप्त जानकारी अनुसार सीमित सूची

43.	माता-पिता सम्मान, नोएडा, उ.प्र.	अक्टूबर 2017
44.	सहस्रनाम महार्चना, ग्रीन पार्क, दिल्ली	2017
45.	सिद्धचक्र विधान, उत्तम नगर, दिल्ली	2017
46.	25 समवशरण विधान, कड़कड़डूमा, दिल्ली	दिसम्बर 2017
47.	कल्पद्रुम महामंडल विधान, गुनोर, पन्ना, म.प्र.	अप्रैल 2018
48.	सिद्धचक्र महामंडल विधान, हटा, दमोह, म.प्र.	अप्रैल 2018
49.	माता-पिता सम्मान, गुनोर, म.प्र.	अप्रैल 2018
50.	माता-पिता सम्मान, आहार जी, म.प्र.	मई 2018
51.	सिद्धचक्र विधान, आहार जी, टीकमगढ़, म.प्र.	मई 2018
52.	दसलक्षण विधान, केसरगंज (राजस्थान)	सितम्बर 2018
53.	चारित्र शुद्धि विधान, जिनशासन तीर्थ, अजमेर, राजस्थान	अक्टूबर 2018
54.	जेल प्रवचन, अजमेर, राजस्थान	अम्टूबर 2018
55.	समवशरण विधान, जयपुर, राजस्थान	नवम्बर 2018
56.	माता-पिता सम्मान, बैंक एन्क्लेव, दिल्ली	दिसम्बर 2018
57.	श्री जिनसहस्र नाम विधान, बैंक एन्क्लेव, दिल्ली	दिसम्बर 2018
58.	जिनेन्द्र महाअर्चना, मेरठ, उ.प्र.	जनवरी 2019
59.	25 समवशरण महार्चना, फिरोजाबाद	दिसम्बर 2019
60.	इन्द्रध्वज विधान, बौलखेड़ा	2020
61.	समवशरण महार्चना, बौलखेड़ा	2020
62.	दसलक्षण महार्चना, बौलखेड़ा	2020
63.	श्री मुनिसुव्रतनाथ महामस्तकभिषेक शनि अमावस्या, बौलखेड़ा	मार्च 2020
64.	नंदीश्वर महार्चना, बलवीर नगर, दिल्ली	मार्च 2021

65.	सिद्धचक्रविधान, शकरपुर, दिल्ली	मार्च 2021
66.	ज्ञानालय पुस्तकालय लोकार्पण, बागपत उ.प्र.	अप्रैल 2021
67.	सर्वतोभद्र महार्चना, तारंगा (गुजरात)	नवम्बर 2021
68.	सिद्धचक्र विधान, बोलखेड़ा	मार्च 2021
69.	दसलक्षण महार्चना, तारंगा (गुजरात)	सितम्बर 2021
70.	सर्वतोभद्र महार्चना, तारंगा (गुजरात)	अक्टूबर 2021
71.	आदिनाथ व बाहुबली महामस्तकाभिषेक तारंगा, पर्वत पर	अक्टूबर 2021
72.	जिनबिम्ब विराजमान, शास्त्रीनगर डी-ब्लॉक, मेरठ	अप्रैल 2021
73.	सर्वतोभद्र महार्चना, बड़ोदरा (गुज.)	मार्च 2022
74.	35 दिवसीय णमोकार महार्चना, मुम्बई (महा.)	जुलाई- अगस्त 2022
75.	माता-पिता सम्मान, मुंबई (महा.)	अक्टूबर 2022
76.	नारी सम्मेलन, मुंबई (महा.)	अक्टूबर 2022
77.	पाक्षिक श्रावक दीक्षा समारोह, मुंबई (महा.)	अक्टूबर 2022
78.	समवशरण विधान, भाण्डुप मुंबई (महा.)	सितम्बर 2022
79.	25 समवशरण विधान, बोरीवली मुंबई (महा.)	अक्टूबर 2022
80.	सहस्रनाम महार्चना, मूम्ब्रा क्षेत्र, मुंबई (महा.)	11, 12, 13 नवम्बर, 2022
81.	64 ऋद्धी एवं सम्मेदशिखर महार्चना	मलाड, 2022
82	सम्मेदशिखर बचाओ महारेली सूरत	जनवरी 2023

एवं एक दिवसीय अनेकों विधान सम्पन्न हुए।

प्रेरणा एवं सानिध्य में प्रदत्त पुरस्कार

प.पू. आचार्य श्री वसुनन्दी जी मुनिराज की प्रेरणा से परमपराचार्यों के नाम से वार्षिक पुरस्कार विभिन्न क्षेत्रों में प्रदत्त किए जाते हैं।

1. चा.च. आचार्य श्री शान्तिसागर पुरस्कार (समाज सेवा हेतु मुनि दीक्षा दिवस 11 अक्टूबर के अवसर पर प्रदत्त)

2016 : श्री राजेन्द्र प्रसाद जैन, ग्रीन पार्क (दिल्ली) को श्री जम्बूस्वामी तपोस्थली, बोलखेड़ा में

2017 : श्री नीरज जैन, जिनवाणी चैनल, आगरा को यमुना विहार, दिल्ली में

2018 : श्री प्रबल जैन, गुनौर (म.प्र.) घोषित

2019 : श्री सुरेन्द्र जैन कल्लु, देवेन्द्र नगर (म.प्र.) को नोएडा (उ.प्र.) में

2022 : श्री योगेश जैन अरिहंत प्रकाशन, मेरठ (उ.प्र.)

2. आचार्य श्री पायसागर जी पुरस्कार (पत्रकारिता हेतु आचार्य पदारोहण दिवस 3 जनवरी के अवसर पर प्रदत्त)

2018 : श्री सचिन जैन, सम्पादक सत्यार्थी मीडिया, टूण्डला को मनियां पंचकल्याणक (राज.) में

2018 : श्री माणकचंद जैन, सम्पादक धर्मरत्नाकर समाचार पत्र उदयपुर को श्री जिनशासन तीर्थ, अजमेर (राज.) में पिच्छी परिवर्तन पर

2019 : श्री ओम प्रकाश जैन, कोसी कलां (उ.प्र.) को नोएडा (उ.प्र.) में

3. आचार्य श्री जयकीर्ति जी पुरस्कार (विद्वता के क्षेत्र में श्रुत पंचमी के अवसर पर प्रदत्त)

2018 : प्रो. जयकुमार उपाध्ये, दिल्ली प्राकृत विभागाध्यक्ष को श्री जिनशासन तीर्थ, अजमेर, (राज.) में आगमनिष्ठ विद्वत्त संगोष्ठी पर

2019 : श्री (डॉ.) शीतल चंद जैन, जयपुर (राज.) को नोएडा (उ.प्र.) में

2022 : डॉ. श्री श्रेयांस जैन (बड़ौत, उ.प्र.) को मुम्बई (महा.) में

4. आचार्य श्री देशभूषण जी पुरस्कार (धर्म प्रचार हेतु धर्म जागृति संस्थान के राष्ट्रीय अधिवेशन के अवसर पर प्रदत्त

2017 : श्री संजय जैन बड़जात्या, कांमा (राज.) को लोधी रोड, दिल्ली में

2018 : श्री हिमांशु जैन, फरीदाबाद (हरि.) को अजमेर (राज.) में

2019 : श्री पंकज जैन, लोहाड़िया (जयपुर, राज.) को नोएडा (उ.प्र.) में

5. आचार्य श्री विद्यानंद जी पुरस्कार (मुनि सेवा हेतु चातुर्मास स्थापना के अवसर पर प्रदत्त)

2014 : श्री सतीश जैन एआईआर (आकाशवाणी) पटपड़गंज (दिल्ली) को अजमेर (राज.) में

2015 : श्री वीरेन्द्र जैन बाड़मेर वाले, अजमेर (राज.) को मानसरोवर, जयपुर (राज.) में

2015 : श्री अशोक जैन लाले, फिरोजाबाद को शंकर नगर, दिल्ली में (आर्यिका दीक्षा महोत्सव पर)

2016 : श्री राजकमल जैन सरावगी, ग्रीन पार्क (दिल्ली) को श्री जम्बूस्वामी तपोस्थली, बौलखेड़ा (राजस्थान) में

2017 : श्री पवन जैन चौधरी, अलवर को ग्रीन पार्क, दिल्ली में

2018 : श्री अजय जैन गोयल, पश्चिम विहार, दिल्ली को अजमेर (राजस्थान में)

2019 : श्री विपिन जैन, मेरठ (उ.प्र.) को नोएडा (उ.प्र.) में

2022 : श्री राकेश जैन वड़ोदरा (गुज.)को बोरीवली, मुंबई (महा.) में

6. गणिनी आर्यिका ब्राह्मी पुरस्कार

2019 : श्रीमती कमला साहबजाज, अजमेर को नाएडा (उ.प्र.) में

2021 : श्रीमती मोलीना जैन, अहमदाबाद (गुज.) को तारंगा (गुज.) में

2022 : एडीजे श्रीमती शालिनी जैन, अहमदाबाद (गुज.) को मुम्बई (महा.) में

7. आर्यिका सुन्दरी पुरस्कार

2019 : श्रीमती प्रमिला जैन, दिल्ली को नोएडा (उ.प्र.) में

2021 : श्रीमती मधु जैन, अजमेर (राज.) को तारंगा (गुज.) में

2022 : डॉ. मोनिका जैन, पश्चिम विहार (दिल्ली) को मुम्बई (महा.) में

प्रतिष्ठाचार्य संस्कार।

1. पं. मनोज शास्त्री	'आहारजी'	2010	शकरपुर	प्रतिष्ठाचार्य
2. पं. जयकुमार निशांत	'टीकमगढ़'	2014	फरीदाबाद	प्रतिष्ठाचार्य मार्तन्ड
3. पं. मनीष शास्त्री	'टीकमगढ़'	2014	फरीदाबाद	प्रतिष्ठाचार्य
4. बा. ब्र. राकेश भैया	'अलीगढ़'	2015,	बोलखेड़ा	प्रतिष्ठाचार्य
5. बा. ब्र. संजय शास्त्री	'अहारजी'	2015	बोलखेड़ा,	लघु प्रतिष्ठाचार्य
6. पं. सौरभ शास्त्री	'बम्होरी'	2015,	बोलखेड़ा,	विधानाचार्य
7. बा. ब्र. संजय शास्त्री	'आहारजी'	2021	पालीताना	प्रतिष्ठाचार्य
8. पं. मनोज शास्त्री	'आहार जी'	2023	कर्जन गुजरात	प्रतिष्ठा रत्नाकर

प्रदत्त दीक्षाएं व पद

क्र.	दीक्षार्थी	दीक्षा/पद	स्थान	दिनांक	नाम
1.	ब्र. गुलाबचंद (हिरका वाले)	क्षुल्लक	दमोह, म.प्र.	19.10.1996	क्षुल्लक श्री विदेह सागर जी
2.	ब्र. आनंद	क्षुल्लक	शास्त्री नगर, मेरठ	16.04.2003	क्षुल्लक श्री नित्यानन्द जी
3.	ब्र. मैनावती जी	क्षुल्लिका	कृष्णा नगर, दिल्ली	16.10.2004	क्षुल्लिका श्री सुमतिमति जी
4.	क्षु. सुमतिमति जी	आर्यिका	कृष्णा नगर, दिल्ली	20.10.2004	आर्यिका श्री सुमतिमति जी
5.	बा.ब्र. मधु जी	क्षुल्लिका	ऋषभ चौराहा, टूण्डला	07.05.2006	क्षुल्लिका श्री अरहंतनन्दनी जी
6.	बा.ब्र. संस्कृति जी	क्षुल्लिका	ऋषभ चौराहा, टूण्डला	07.05.2006	क्षुल्लिका श्री धर्मनन्दनीजी
7.	ब्र. कटोरी बाई जैन	क्षुल्लिका	फिरोजाबाद, उ.प्र.	17.05.2006	क्षुल्लिका श्री विजयनन्दनी जी
8.	क्षु. विजयनन्दनीजी	आर्यिका	फिरोजाबाद, उ.प्र.	19.05.2006	आर्यिका श्री विजयनन्दनीजी
9.	ब्र. जयचंद जी	क्षुल्लक	राजाखेड़ा (राज.)	03.12.2007	क्षुल्लक श्री दिव्य सागर जी
10.	ब्र. पद्मचंद जी	क्षुल्लक	राजाखेड़ा (राज.)	03.12.2007	क्षुल्लक श्री भद्रसागर जी
11.	क्षु. अरहंतनन्दनी जी	आर्यिका	सीकरी (राज.)	30.11.2008	आर्यिका श्री ब्रह्मनन्दनी जी
12.	क्षु. धर्मनन्दनी जी	आर्यिका	सीकरी (राज.)	30.11.2008	आर्यिका श्री श्रीनन्दनी जी
13.	बा.ब्र. अंजना जी	आर्यिका	सीकरी (राज.)	30.11.2008	आर्यिका श्री सौम्यनन्दनी जी
14.	बा. ब्र. प्रीति जी	आर्यिका	सीकरी (राज.)	30.11.2008	आर्यिका श्री पद्मनन्दनी जी
15.	ब्र. महेन्द्र जैन	क्षुल्लक	अलवर (राज.)	10.01.2009	क्षुल्लक श्री प्रयोगसागर जी
16.	क्षु. प्रयोगसागर जी	मुनि	अलवर (राज.)	19.01.2009	मुनि श्री परमानन्द जी
17.	क्षु. दिव्यसागर जी	ऐलक	सरधना (उ.प्र.)	28.05.2009	ऐलक श्री ज्ञानानन्द जी
18.	क्षु. भद्रसागर जी	ऐलक	सरधना (उ.प्र.)	28.05.2009	ऐलक श्री सर्वानन्द जी
19.	ब्र. पद्मसेन जी	क्षुल्लक	सरधना (उ.प्र.)	28.05.2009	क्षुल्लक श्री सुखानंद जी
20.	ब्र. छोटी बाई जैन	क्षुल्लिका	जम्बूस्वामी तपोस्थली	10.08.2010	क्षुल्लिका श्री मोक्षनन्दनी जी
21.	क्षु. मोक्षनन्दनी जी	आर्यिका	जम्बूस्वामी तपोस्थली	12.08.2010	आर्यिका श्री मोक्षनन्दनी जी
22.	ब्र. विजया बाई जी	क्षुल्लिका	राजाखेड़ा (राज.)	13.12.2010	क्षुल्लिका श्री वीरनन्दनी जी
23.	ऐलक ज्ञानानन्द जी	मुनि	ग्रीन पार्क, दिल्ली	01.04.2011	मुनि श्री ज्ञानानंद जी
24.	ऐलक सर्वानन्द जी	मुनि	ग्रीन पार्क, दिल्ली	01.04.2011	मुनि श्री सर्वानन्द जी
25.	ऐलक विमुक्त सागर जी	मुनि	हस्तिनापुर (उ.प्र.)	10.11.2011	मुनि श्री जिनानन्द जी
26.	ब्र. अमोलकचंद जी	क्षुल्लक	हस्तिनापुर (उ.प्र.)	10.11.2011	क्षुल्लक श्री सहजानन्द जी
27.	श्रीमति मंजू जी (ब्राह्मी)	क्षुल्लिका	शकरपुर (दिल्ली)	09.05.2012	क्षुल्लिका श्री सर्वज्ञनन्दनी जी
28.	क्षु. सर्वज्ञनन्दनी जी	आर्यिका	शकरपुर (दिल्ली)	10.05.2012	आर्यिका श्री सिद्धनन्दनीजी

29.	आर्यिका गुरुनंदनी जी	गणिनी	टूण्डला (उ.प्र.)	03.01.2013	गणिनी आर्यिका श्री गुरुनंदनी जी
30.	ब्र. शुद्धात्म प्रकाश जी	क्षुल्लक	अहिच्छत्र (उ.प्र.)	10.02.2013	क्षुल्लक श्री सच्चिदानन्द जी
31.	ब्र. अध्यात्म प्रकाश जी	क्षुल्लक	अहिच्छत्र (उ.प्र.)	10.02.2013	क्षुल्लक श्री स्वरूपानन्द जी
32.	क्षु. सच्चिदानन्द जी	ऐलक	शिमला (हि.प्र.)	09.06.2013	ऐलक श्री सच्चिदानन्द जी
33.	क्षु. स्वरूपानन्द जी	ऐलक	शिमला (हि.प्र.)	09.06.2013	ऐलक श्री स्वरूपानन्द जी
34.	ऐलक सच्चिदानन्द जी	मुनि	जम्बूस्वामी तपोस्थली	08.09.2013	मुनि श्री आत्मानन्द जी
35.	ऐलक स्वरूपानन्द जी	मुनि	जम्बूस्वामी तपोस्थली	08.09.2013	मुनि श्री निजानन्द जी
36.	बा.ब्र. शुभाशीष जी	क्षुल्लक	जम्बूस्वामी तपोस्थली	08.09.2013	क्षुल्लक श्री प्रज्ञानन्द जी
37.	ब्र. संयम प्रकाश जी	क्षुल्लक	जम्बूस्वामी तपोस्थली	08.09.2013	क्षुल्लक श्री ध्यानानन्द जी
38.	क्षुल्लिका वीरनन्दनी जी	आर्यिका	जम्बूस्वामी तपोस्थली	09.03.2014	आर्यिका श्री वीरनन्दनी जी
39.	श्री अमीरचंद जैन	क्षुल्लक	जम्बूस्वामी तपोस्थली	06.04.2014	क्षुल्लक श्री मुक्तानन्द जी
40.	क्षुल्लक मुक्तानंद जी	ऐलक	जम्बूस्वामी तपोस्थली	07.04.2014	ऐलक श्री विपुलानंद जी
41.	ऐलक विपुलानंद जी	मुनि	जम्बूस्वामी तपोस्थली	07.04.2014	मुनि श्री इच्छानंद जी
42.	क्षुल्लक सहजानन्द जी	मुनि	जयशांतिसागर निकेतन	11.05.2014	मुनि श्री सहजानन्द जी
43.	क्षुल्लक प्रज्ञानन्द जी	ऐलक	जयशांतिसागर निकेतन	11.05.2014	ऐलक श्री प्रज्ञानन्द जी
44.	क्षुल्लक ध्यानानन्द जी	ऐलक	जयशांतिसागर निकेतन	11.05.2014	ऐलक श्री ध्यानानंद जी
45.	बा.ब्र. पुण्याशीष जी	क्षुल्लक	जयशांतिसागर निकेतन	11.05.2014	क्षुल्लक श्री श्रद्धानन्द जी
46.	बा.ब्र. धर्माशीष जी	क्षुल्लक	जयशांतिसागर निकेतन	11.05.2014	क्षुल्लक श्री शिवानन्द जी
47.	क्षुल्लक श्रद्धानंद जी	ऐलक	अजमेर (राज.)	26.09.2014	ऐलक श्री श्रद्धानंद जी
48.	क्षुल्लक शिवानंद जी	ऐलक	अजमेर (राज.)	26.09.2014	ऐलक श्री शिवानंद जी
49.	ब्र. शुद्धात्म प्रकाश जी	मुनि	अजमेर (राज.)	26.09.2014	मुनि श्री संयमानंद जी
50.	बा. ब्र. मंगलाशीष	ऐलक	अजमेर (राज.)	06.11.2014	ऐलक श्री प्रशमानन्द जी
51.	ऐलक प्रज्ञानंद जी	मुनि	जम्बूस्वामी तपोस्थली	29.03.2015	मुनि श्री प्रज्ञानंद जी
52.	ऐलक ध्यानानंद जी	मुनि	जम्बूस्वामी तपोस्थली	29.03.2015	मुनि श्री ध्यानानन्द जी
53.	ऐलक श्रद्धानंद जी	मुनि	जम्बूस्वामी तपोस्थली	29.03.2015	मुनि श्री श्रद्धानंद जी
54.	ऐलक शिवानंद जी	मुनि	जम्बूस्वामी तपोस्थली	29.03.2015	मुनि श्री शिवानंद जी
55.	ऐलक प्रशमानंद जी	मुनि	जम्बूस्वामी तपोस्थली	29.03.2015	मुनि श्री प्रशमानंद जी
56.	बा. ब्र. जिनाशीष जी	मुनि	जम्बूस्वामी तपोस्थली	29.03.2015	मुनि श्री पवित्रानंद जी
57.	बा. ब्र. शिल्पी जी	आर्यिका	डी.ए.वी. ग्राउण्ड, दिल्ली	19.04.2015	आर्यिका श्री वर्द्धस्वनंदनी जी

58.	बा.ब्र. साक्षी जी	आर्यिका	डी.ए.वी. ग्राउण्ड, दिल्ली	19.04.2015	आर्यिका श्री वर्चस्वनंदनी जी
59.	बा.ब्र. श्रेया जी	आर्यिका	डी.ए.वी. ग्राउण्ड, दिल्ली	19.04.2015	आर्यिका श्री श्रेयनंदनी जी
60.	बा.ब्र. गरिमा जी	आर्यिका	डी.ए.वी. ग्राउण्ड, दिल्ली	19.04.2015	आर्यिका श्री प्रबोधनंदनी जी
61.	बा.ब्र. लघिमा जी	आर्यिका	डी.ए.वी. ग्राउण्ड, दिल्ली	19.04.2015	आर्यिका श्री सुरम्यनंदनी जी
62.	बा.ब्र. संस्तुति जी	आर्यिका	डी.ए.वी. ग्राउण्ड, दिल्ली	19.04.2015	आर्यिका श्री यशोनंदनी जी
63.	बा.ब्र. स्तुति जी	आर्यिका	डी.ए.वी. ग्राउण्ड, दिल्ली	19.04.2015	आर्यिका श्री सुयोग्यनंदनी जी
64.	बा.ब्र. प्रस्तुति जी	आर्यिका	डी.ए.वी. ग्राउण्ड, दिल्ली	19.04.2015	आर्यिका श्री प्रकाम्यनंदनी जी
65.	ब्र. सरला जी	आर्यिका	डी.ए.वी. ग्राउण्ड, दिल्ली	19.04.2015	आर्यिका श्री देवनंदनी जी
66.	ब्र. सुप्रभा जी	आर्यिका	डी.ए.वी. ग्राउण्ड, दिल्ली	19.04.2015	आर्यिका श्री प्रभानंदनी जी
67.	ब्र. सुशीला जी	क्षुल्लिका	डी.ए.वी. ग्राउण्ड, दिल्ली	19.04.2015	क्षुल्लिका श्री सुभद्रनंदनी जी
68.	क्षु. सुभद्रनंदनी जी	आर्यिका	जम्बूस्वामी तपोस्थली	13.09.2016	आर्यिका श्री सुदृढ़नंदनी जी
69.	ब्र. दिव्यप्रकाश जी	क्षुल्लक	जम्बूस्वामी तपोस्थली	04.12.2016	क्षुल्लक श्री पुण्यानंद जी
70.	ब्र. शकुन्तला जी	क्षुल्लिका	जम्बूस्वामी तपोस्थली	30.12.2016	क्षुल्लिका श्री सुमतिनन्दनी जी
71.	क्षु. सुमतिनंदनी जी	आर्यिका	कामां (राज.)	03.01.2017	आर्यिका श्री सुमतिनंदनी जी
72.	ब्र. किरणदेवी जी	क्षुल्लिका	आर.के.पुरम, दिल्ली	28.06.2017	क्षुल्लिका श्री कल्याणनंदनी जी
73.	क्षु. कल्याणनंदनी जी	आर्यिका	ग्रीन पार्क, दिल्ली	01.07.2017	आर्यिका श्री कल्याणनंदनी जी
74.	ब्र. सरोजनी जी	क्षुल्लिका	ग्रीन पार्क, दिल्ली	08.07.2017	क्षुल्लिका श्री सुनिर्वाणनंदनी जी
75.	क्षु. सुनिर्वाणनंदनी जी	आर्यिका	ग्रीन पार्क, दिल्ली	17.07.2017	आर्यिका श्री सुनिर्वाणनंदनी जी
76.	ब्र. शीलप्रभा जी	क्षुल्लिका	जम्बूस्वामी तपोस्थली	13.01.2018	क्षुल्लिका श्री तीर्थनन्दनी जी
77.	ब्र. स्वयंप्रभा जी (त्रिवेणी देवी)	क्षुल्लिका	शाहगंज, आगरा	01.02.2018	क्षुल्लिका श्री भव्यनन्दनी जी
78.	क्षु. पुण्यानंद जी	ऐलक	सोनागिर (म.प्र.)	02.03.2018	ऐलक श्री पुण्यानंद जी
79.	ऐलक पुण्यानंद जी	मुनि	हथिनी (दमोह)	25.04.2018	मुनि श्री पुण्यानंद जी
80.	बा. ब्र.माधुरी जी	आर्यिका	हथिनी (दमोह)	26.04.2018	आर्यिका श्री श्रुतनंदनी जी

81.	ब्र. चमेली दीदी	क्षुल्लिका	बौलखेड़ा (राज.)	10.08.2020	क्षु. श्री अजितनंदनी जी
82.	क्षु. अजितनंदनी जी	आर्यिका	बौलखेड़ा (राज.)	15.08.2020	आर्यिका श्री अजितनंदनी जी
83.	ब्र. सुमन जी	क्षुल्लिका	बौलखेड़ा (राज.)	25.10.2020	क्षु. परमनंदनी जी
84.	क्षु. भव्यनंदनी जी	आर्यिका	बौलखेड़ा (राज.)	04.01.2021	आ. भव्यनंदनी जी
85	क्षु. तीर्थनंदनी जी	आर्यिका	बौलखेड़ा (राज.)	22.02.2021	आर्यिका श्री तीर्थनंदनी जी
86.	ब्र. धर्मप्रकाश जी	क्षुल्लक	बौलखेड़ा (राज.)	25.02.2021	क्षुल्लक श्री पूर्णानंद जी
87.	ब्र. धैर्यप्रकाश जी	क्षुल्लक	बौलखेड़ा (राज.)	25.02.2021	क्षुल्लक श्री सम्पूर्णानन्द जी
88.	बा.ब्र. परमाशीष जी	क्षुल्लक	बौलखेड़ा (राज.)	25.02.2021	क्षुल्लक श्री चर्यानंद जी
89.	ब्र. शान्तिबाई जैन	क्षुल्लिका	तारंगा जी (गुज.)	22.08.2021	क्षुल्लिका श्री लघुनंदनी जी
90.	क्षुल्लक चर्यानंद जी	क्षुल्लक	तारंगा जी (गुज.)	16.10.2021	ऐलक श्री चर्यानन्द जी
91.	ब्र. अम्बालाल जी	क्षुल्लक	तारंगा जी (गुज.)	16.10.2021	क्षुल्लक श्री विजयानंद जी
92.	ऐलक चर्यानंद जी	मुनि	मांगीतुंगी (महा.)	12.05.2022	मुनि श्री शुभानंद जी
93.	ब्र. सुरेश जी	क्षुल्लक	मांगीतुंगी (महा.)	12.05.2022	क्षुल्लक श्री अपूर्वानंद जी
94.	क्षु. अपूर्वानंद जी	ऐलक	अंजनगिरि पहाड़	20.06.2022	ऐलक श्री अपूर्वानंद जी
95.	क्षु. संपूर्णानंद जी	मुनि	बोरीवली, मुंबई (महा.)	02.11.2022	मुनि श्री संपूर्णानंद
96.	ऐलक श्री अपूर्वानंद जी	मुनि	सर्वार्थ सिद्धिधाम कर्जन (गुज.)	08.01.2023	मुनि श्री सदानंदजी
97.	बा.ब्र. ध्रुवाशीष जी	क्षुल्लक	सर्वार्थ सिद्धिधाम कर्जन (गुज.)	08.01.2023	क्षुल्लक श्री श्रुतानंद जी
98.	ब्र. कनकप्रभा जी	क्षुल्लिका	चंदूजी गड़ा (बांसवाड़ा, राज.)	16.01.2023	क्षुल्लिका श्री समाधिनन्दनी माताजी

श्रेष्ठ निर्यापकाचार्य गुरु

क्र.	क्षपक	अंतिम पद	स्थान	समाधि
1.	विसर्ग सागर जी	मुनि	सागर, म.प्र.	जनवरी, 1994
2.	विसर्जनमति जी	आर्यिका	ललितपुर, उ.प्र.	जनवरी, 1995
3.	विदेह सागर	क्षुल्लक	दमोह, म.प्र.	19 अक्टूबर, 1996
4.	सुमतिमति जी	आर्यिका	कृष्णानगर , दिल्ली	20 अक्टूबर, 2004
5.	विजयनन्दनी जी	आर्यिका	फिरोजाबाद , उ.प्र.	19 मई, 2006
6.	परमानन्द जी	मुनि	अलवर (राज.)	19 जनवरी 2009
7.	मोक्षनन्दनी जी	आर्यिका	श्री जम्बूस्वामी तपोस्थली (राज.)	12 अगस्त 2010 रात्रि 01.09 बजे
8.	सुज्ञान सागर जी	मुनि	जयशांतिसागर निकेतन मण्डौला (राज.)	10 मार्च, 2012
9.	सिद्धनंदनी जी	आर्यिका	शकरपुर, दिल्ली	10 मई, 2012 सायं 5.47 बजे
10.	इच्छानन्द जी	मुनि	जम्बूस्वामी तपोस्थली (राज.)	07 अप्रैल 2014 रात्रि 11.11 बजे
11.	सुदृढ़नंदनी जी	आर्यिका	जम्बूस्वामी तपोस्थली (राज.)	14 सितम्बर 16 प्रात : 4:00 बजे
12.	सुमतिनंदनी जी	आर्यिका	कामां, भरतपुर (राज.)	03 जनवरी 17
13.	निर्वाणनंदनी जी	क्षुल्लिका	जयशांतिसागर निकेतन मण्डला (उ.प्र.)	05 जनवरी 2017
14.	कल्याणनंदनी जी	आर्यिका	ग्रीन पार्क (दिल्ली)	01 जुलाई 17 दोपहर 2:00 बजे
15.	सुनिर्वाणनंदनी जी	आर्यिका	ग्रीन पार्क (दिल्ली)	17.07.17 प्रात : 9:53
16.	विद्यानंदजी	आचार्य	कुंदकुंद भारती, दिल्ली	22 सितम्बर 2019 प्रात : 2:53
17.	अजितनंदनी जी	आर्यिका	बोलखेड़ा (राज.)	17 अगस्त 2020 रात्रि :10:56
18.	भव्यनंदनी जी	आर्यिका	बोलखेड़ा (राज.)	05 जनवरी 2020 प्रात : 12:00
19.	सम्पूर्णानंद जी	मुनि	बोरीवली, मुंबई (महा.)	02 नवंबर 2022 रात्रि 11.51 बजे

शिष्यावली

मुनिराज

1. मुनि श्री विसर्ग सागर जी*
2. पूज्य मुनि श्री परमानन्द जी *
3. पूज्य मुनि श्री ज्ञानानंद जी
4. पूज्य मुनि श्री सर्वानंद जी
5. पूज्य मुनि श्री जिनानंद जी
6. मुनि श्री सुज्ञान सागर जी *
7. पूज्य मुनि श्री आत्मानंद जी
8. पूज्य मुनि श्री निजानंद जी
9. पूज्य मुनि श्री इच्छानंद जी *
10. पूज्य मुनि श्री सहजानंद जी
11. पूज्य मुनि श्री संयमानंद जी
12. पूज्य मुनि श्री प्रज्ञानंद जी
13. पूज्य मुनि श्री श्रद्धानंद जी
14. पूज्य मुनि श्री शिवानंद जी
15. पूज्य मुनि श्री प्रशमानंद जी
16. पूज्य मुनि श्री पवित्रानंद जी
17. पूज्य मुनि श्री पुण्यानंद जी
18. पूज्य मुनि श्री शुभानंद जी
19. पूज्य मुनि श्री सम्पूर्णानंद जी *
20. पूज्य मुनि श्री सदानंद जी

आर्यिका

21. गणिनी आर्यिका श्री गुरुनंदनी माताजी
22. आर्यिका श्री विसर्जन मति माताजी *
23. आर्यिका श्री सुमतिमति माताजी*
24. आर्यिका श्री विजयनंदनी माताजी*
25. आर्यिका श्री ब्रह्मनंदनी माताजी
26. आर्यिका श्री श्रीनन्दनी माताजी
27. आर्यिका श्री सौम्यनंदनी माताजी
28. आर्यिका श्री पद्मनंदनी माताजी
29. आर्यिका श्री मोक्षनंदनी माताजी*
30. आर्यिका श्री सिद्धनंदनी माताजी*
31. आर्यिका श्री वीरनंदनी माताजी
32. आर्यिका श्री वर्द्धस्वनंदनी माताजी
33. आर्यिका श्री वर्चस्वनंदनी माताजी
34. आर्यिका श्री श्रेयनंदनी माताजी
35. आर्यिका श्री प्रबोधनंदनी माताजी
36. आर्यिका श्री सुरम्यनंदनी माताजी
37. आर्यिका श्री यशोनंदनी माताजी
38. आर्यिका श्री सुयोग्यनंदनी माताजी
39. आर्यिका श्री प्रकाम्यनंदनी माताजी
40. आर्यिका श्री देवनंदनी माताजी
41. आर्यिका श्री प्रभानंदनी माताजी
42. आर्यिका श्री सुदृढ़नंदनी माताजी*
43. आर्यिका श्री सुमतिनंदनी माताजी *
44. आर्यिका श्री कल्याणनंदनी माताजी *
45. आर्यिका श्री सुनिर्वाणनंदनी माताजी *
46. आर्यिका श्री श्रुतनंदनी माताजी
47. आर्यिका श्री अजितनंदनी माताजी *
48. आर्यिका श्री भव्यनंदनी माताजी *
49. आर्यिका श्री तीर्थनंदनी माताजी

ऐलक

50. ऐलक श्री विज्ञानसागर जी

क्षुल्लक

51. क्षुल्लक श्री विशंक सागर जी
52. क्षुल्लक श्री विदेहसागर जी*
53. क्षुल्लक श्री नित्यानंद जी
54. क्षुल्लक श्री सुखानंद जी *
55. क्षुल्लक श्री पूर्णानंद जी
56. क्षुल्लक श्री विजयानंद जी
57. क्षुल्लक श्री श्रुतानंद जी

क्षुल्लिका

58. क्षुल्लिका श्री निर्वाणनंदनी माताजी*
59. क्षुल्लिका श्री परमनंदनी माताजी
60. क्षुल्लिका श्री लघुनंदनी माताजी
61. क्षुल्लिका श्री समाधिनन्दनी माताजी

* समाधिस्थ

मुनि संघ

मुनि श्री विसर्गसागर जी

मुनि श्री परमानन्द जी *

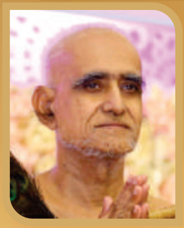
मुनि श्री ज्ञानानंद जी

मुनि श्री सर्वानंद जी

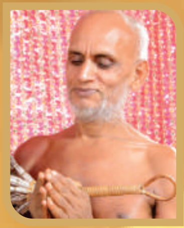
मुनि श्री जिनानंद जी

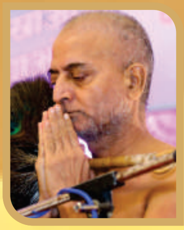
मुनि श्री आत्मानंद जी

मुनि श्री निजानंद जी

मुनि श्री इच्छानंद जी *

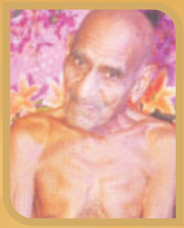
मुनि श्री सहजानंद जी

मुनि श्री संयमानंद जी

मुनि श्री प्रज्ञानंद जी

मुनि श्री श्रद्धानंद जी

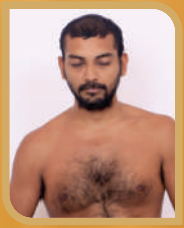
मुनि श्री शिवानंद जी

मुनि श्री प्रशमानंद जी

मुनि श्री पवित्रानंद जी

मुनि श्री पुण्यानंद जी

मुनि श्री शुभानंद जी

मुनि श्री सम्पूर्णानंद जी *

मुनि श्री सदानंद जी

ऐलक श्री विज्ञानसागर जी

क्षुल्लक श्री विशंक सागर जी

क्षुल्लक श्री विदेहसागर जी*

क्षुल्लक श्री नित्यानंद जी

क्षुल्लक श्री सुखानंद जी *

क्षुल्लक श्री पूर्णानंद जी

क्षुल्लक श्री विजयानंद जी

गुरु आज्ञा में अन्य साधु

मुनि श्री सुज्ञानसागर जी

मुनि श्री नमिसागर जी

क्षुल्लक श्री अनंतसागरजी

* समाधिस्थ

आर्यिका संघ

गणिनी आर्यिका
श्री गुरुनंदनी माताजी

आर्यका श्री
विसर्जनमति माताजी *

आर्यिका श्री
सुमतिमति माताजी*

आर्यिका श्री
विजयनंदनी माताजी*

आर्यिका श्री
ब्रह्मनंदनी माताजी

आर्यिका श्री
श्रीनन्दनी माताजी

आर्यिका श्री
सौम्यनंदनी माताजी

आर्यिका श्री
पद्मनंदनी माताजी

आर्यिका श्री
मोक्षनंदनी माताजी*

आर्यिका श्री
सिद्धनंदनी माताजी*

आर्यिका श्री
वीरनंदनी माताजी

आर्यिका श्री
वर्द्धस्वनंदनी माताजी

आर्यिका श्री
वर्चस्वनंदनी माताजी

आर्यिका श्री
श्रेयनंदनी माताजी

आर्यिका श्री
प्रबोधनंदनी माताजी

आर्यिका श्री
सुरम्यनंदनी माताजी

आर्यिका श्री
यशोनंदनी माताजी

आर्यिका श्री
सुयोग्यनंदनी माताजी

आर्यिका श्री
प्रकाम्यनंदनी माताजी

आर्यिका श्री
देवनंदनी माताजी

आर्यिका श्री
प्रभानंदनी माताजी

आर्यिका श्री
सुदृढ़नंदनी माताजी*

आर्यिका श्री
सुमतिनंदनी माताजी *

आर्यिका श्री
कल्याणनंदनी माताजी *

आर्यिका श्री
सुनिर्वाणनंदनी माताजी *

आर्यिका श्री
श्रुतनंदनी माताजी

आर्यिका श्री
अजितनंदनी माताजी *

आर्यिका श्री
भव्यनंदनी माताजी *

आर्यिका श्री
तीर्थनंदनी माताजी

क्षुल्लिका श्री
निर्वाणनंदनी माताजी*

क्षुल्लिका श्री
परमनंदनी माताजी

क्षुल्लिका श्री
लघुनंदनी माताजी

क्षुल्लिका श्री
समाधिनन्दनी माताजी

* समाधिस्थ

गजरथ महोत्सव

क्र.	स्थान	वर्ष
1.	बीना (म.प्र.)	1993
2.	साडुमल (उ.प्र.)	1994
3.	पपौरा जी (म.प्र.)	1994
4.	सागर (म.प्र.)	1994
5.	जतारा (म.प्र.)	1995
6.	ललितपुर (उ.प्र.)	1996
7.	हटा, दमोह (म.प्र.)	1996
8.	द्रोणगिरि (म.प्र.)	1996
9.	देवेन्द्र नगर (म.प्र.)	1996
10.	जतारा (म.प्र.)	1998
11.	बण्डा (म.प्र.)	1998
12.	पवा जी (उ.प्र.)	1998
13.	ककरवाहा (म.प्र.)	1999
14.	बण्डा (म.प्र.)	1999
15.	मेरठ (उ.प्र.)	2002
16.	तिजारा (राज.)	2009
17.	हस्तिनापुर (उ.प्र.)	2009
18.	मेरठ (उ.प्र.)	2009
19.	द्वारि, पन्ना (म.प्र.)	2018
20.	सर्वार्थसिद्धि धाम, कर्जन (गुजरात)	2023

प्रकृति विद्या के संप्रेरक

वर्तमान काल में प्राकृत भाषा को जन भाषा का आधार बनाने का प्रयास कई आचार्यों एवं मुनिराजों ने किया। परन्तु इनमें मौलिक साहित्य सृजन का सम्यक् पुरुषार्थ आचार्य वसुनंदि महाराज ने किया है। आपके द्वारा सृजित सूत्र ग्रंथ, सरल, सुबोध एवं हृदयगम्य होने के साथ-साथ आपसी सम्वाद को भी सार्थक करने में सक्षम है।

आज स्वाध्याय के प्रति अरुचि एवं सांसारिक व्यामोह में आसक्त मानव प्राकृत भाषा से विमुख हो रहा है, परन्तु आचार्य श्री वसुनन्दी महाराज का यह सशक्त प्रयास-जन-जन में प्राकृत भाषा के प्रति रुचि एवं उत्साह जागृत करेगा।

मेरी भावना है आचार्य श्री के साहित्य से सभी जैन धर्मानुरागी जिन शासन की मूल प्राकृत भाषा को अपने जीवन की भाषा बनायें। आत्मकल्याण का पथ प्रशस्त करें।

ब्र. जय कुमार जैन 'निशांत', टीकमगढ़ (म.प्र.)

महावीर जयंती

क्र.	सन्	स्थान
1.	1989	फिरोजाबाद (उ.प्र.)
2.	1990	टीकमगढ़ (म.प्र.)
3.	1991	बण्डा (म.प्र.)
4.	1992	पन्ना (म.प्र.)
5.	1993	बीना (म.प्र.)
6.	1994	गुना (म.प्र.)
7.	1995	सागर (म.प्र.)
8.	1996	हटा (म.प्र.)
9.	1997	पथरिया (म.प्र.)
10.	1998	बीना (म.प्र.)
11.	1999	टीकमगढ़ (म.प्र.)
12.	2000	फिरोजाबाद (उ.प्र.)
13.	2001	सरधना (उ.प्र.)
14.	2002	गुड़गाँव (हरियाणा)
15.	2003	मेरठ ((उ.प्र.)
16.	2004	रोहतक (हरियाणा)
17.	2005	फिरोजाबाद (उ.प्र.)
18.	2006	टूण्डला (उ.प्र.)
19.	2007	कैलाशनगर / ग्रीन पार्क (दिल्ली)
20.	2008	करावल नगर / शकरपुर (दिल्ली)
21.	2009	लाल मन्दिर / आर.के. पुरम/ शकरपुर (दिल्ली)
22.	2010	शकरपुर / यमुना विहार (दिल्ली)
23.	2011	मेरठ / सरधना (उ.प्र.)
24.	2012	शकरपुर (दिल्ली)
25.	2013	मॉडल टाउन / उत्तम नगर / ग्रीन पार्क (दिल्ली)
26.	2014	सीकरी / जुरहरा (राज.)
27.	2015	कोसीकलां (उ.प्र.), पलवल (हरियाणा)
28.	2016	न्यू उस्मानपुर (दिल्ली)
29.	2017	महानगर मेरठ (उ.प्र.)
30.	2018	देवेन्द्र नगर (म.प्र.)
31.	2019	श्री जम्बूस्वामी तपोस्थली, बोलखेड़ा (राज.)
32.	2020	समशाबाद, आगरा (उ.प्र.)
33.	2021	असोड़ा हाउस, मेरठ (उ.प्र.)
34.	2022	सूरत (गुज.)

नव वर्ष (ईसा वर्ष)

क्र.	सन्	स्थान
1.	1989	भिण्ड (म.प्र.)
2.	1990	बरासों (म.प्र.)
3.	1991	सिद्ध क्षेत्र द्रोणगिरि (म.प्र.)
4.	1992	देवेन्द्र नगर (म.प्र.)
5.	1993	शाहगढ़ (म.प्र.)
6.	1994	सतना (म.प्र.)
7.	1995	सागर (म.प्र.)
8.	1996	ललितपुर (उ.प्र.)
9.	1997	सिद्धक्षेत्र कुण्डलपुर बड़े बाबा (म.प्र.)
10.	1998	बण्डा (म.प्र.)
11.	1999	मोहंदरा, पन्ना (म.प्र.)
12.	2000	अ.क्षे. चन्द्रप्रभ, फिरोजाबाद (उ.प्र.)
13.	2001	एटा (उ.प्र.)
14.	2002	खेकड़ा (उ.प्र.)
15.	2003	सरधना (उ.प्र.)
16.	2004	अ.क्षे. हस्तिनापुर (उ.प्र.)
17.	2005	पश्चिम विहार, दिल्ली
18.	2006	सि.क्षे. शौरीपुर (उ.प्र.)
19.	2007	अ.क्षे. तिजारा (राज.)
20.	2008	सि.क्षे. शौरीपुर (उ.प्र.)
21.	2009	अ.क्षे. महावीर जी (राज.)
22.	2010	ग्रीन पार्क (दिल्ली)
23.	2011	सि.क्षे. शौरीपुर (उ.प्र.)
24.	2012	शकरपुर (दिल्ली)
25.	2013	टूण्डला (उ.प्र.)
26.	2014	अ.क्षे. तिजारा (राज.)
27.	2015	गुड़गाँव (हरियाणा)
28.	2016	अ.क्षे. तिजारा (राज.)
29.	2017	अ.क्षे. जम्बूस्वामी तपोस्थली (राज.)
30.	2018	अ.क्षे. जम्बूस्वामी तपोस्थली (राज.)
31.	2019	ज्योति कॉलोनी, दिल्ली
32.	2020	फिरोजाबाद, (उ.प्र.)
33.	2021	अ.क्षे. जम्बूस्वामी तपोस्थली (राज.)
34.	2022	राजकोट (गुज.)
35.	2023	आहूरानगर, सूरज (गुज.)

सम्यग्ज्ञान शिक्षण शिविर

क्र.	सन्	स्थान	कुल शिविरार्थी
1.	1988	भिण्ड (म.प्र.)	1000
2.	1989	भिण्ड (म.प्र.)	1200
3.	1990	टीकमगढ़ (म.प्र.)	600
4.	1991	शाहगढ़ (म.प्र.)	600
5.	1992	छतरपुर (म.प्र.)	700
6.	1993	बीना (म.प्र.)	400
7.	1993	बजरिया, बीना (म.प्र.)	300
8.	1994	बीना बजरिया (बड़ी) (म.प्र.)	550
9.	1994	सागर (म.प्र.)	650
10.	1995	ललितपुर (उ.प्र.)	350
11.	1995	देवरी (म.प्र.)	450
12.	1996	दमोह (म.प्र.)	950
13.	1996	हटा (म.प्र.)	500
14.	1996	बांदकपुर (म.प्र.)	250
15.	1996	बाँसा तारखेड़ा (म.प्र.)	350
16.	1997	चौधरी मन्दिर, गढ़ाकोटा (म.प्र.)	525
17.	1997	बड़ा मन्दिर, पथरिया (म.प्र.)	450
18.	1998	बीना (म.प्र.), इटावा (उ.प्र.)	500
19.	1999	फिरोजाबाद (उ.प्र.)	550
20.	2000	फिरोजाबाद (उ.प्र.)	950
21.	2000	टूण्डला (उ.प्र.)	450
22.	2001	ग्रीन पार्क (दिल्ली)	200
23.	2001	सरधना मेरठ (उ.प्र.)	325
24.	2002	सदर मेरठ (उ.प्र.)	250
25.	2002	सरधना मेरठ (उ.प्र.)	300
26.	2003	मवाना (उ.प्र.)	200
27.	2003	सरधना मेरठ (उ.प्र.)	275
28.	2004	रोहतक (हरि.)	325

29.	2005	फिरोजाबाद (उ.प्र.)	2100
30.	2006	फिरोजाबाद (उ.प्र.)	1400
31.	2007	महावीर जयंती भवन (मेरठ)	225
32.	2007	बड़ा मन्दिर, खुर्जा (उ.प्र.)	250
33.	2008	पश्चिम विहार, दिल्ली	175
34.	2009	मेरठ (उ.प्र.)	425
35.	2010	लक्ष्मी नगर, दिल्ली	200
36.	2010	शकरपुर, दिल्ली	150
37.	2010	कृष्णा नगर, दिल्ली	400
38.	2010	फिरोजाबाद (उ.प्र.)	1500
39.	2011	शकरपुर, दिल्ली	500
40.	2015	शकरपुर, दिल्ली	250

घोर उपसर्ग परीषहों को जीतने में जो पर्वत के समान अचल हैं, प्रमाद, आलस्य, निद्रा रहित हैं, कायोत्सर्ग सहित हैं, कष्ट व दु:ख देने वाली, नीच गति में ले जाने वाली कृष्ण-नील-कापोत ऐसी 3 अशुभ लेश्या रूपी परिणामों से जो रहित हैं, जिन्होंने चरणानुयोग में कथित विधि के अनुसार पर्वत, मन्दिर, गुफा आदि अनेक स्थानों में निवास किया है अथवा विधिवत घर का त्याग कर 'अनाश्रितावास' किया है, जो घर रहित हैं, जिनका शरीर केशर, चंदन कस्तूरी आदि सुगंधित द्रव्यों या भस्म आदि से लिप्त नहीं है, जो इंद्रिय रूपी हाथियों को वश में कर विजेता कहलाते हैं।

जो कुछ मेरे पास है उन्हीं का है, मेरी माँ का तो मात्र गर्भ में रखने का उपकार है इसके उपरांत सारे उपकार पूज्य गुरुदेव के हैं, आज जो मैं यहाँ तक पहुँचा हूँ ये सब गुरुजी की ही देन है, मैं तो नन्हा सा बालक था, मुझे चलना भी नहीं आता था, आज अंगुली पकड़कर 'प्रतिष्ठाचार्य' के रूप में खड़ा कर दिया। मुझको ही नहीं मेरे भाई मनोज को भी 'प्रतिष्ठाचार्य' के संस्कार अपने कर-कमलों से किये।

ब्र. संजय शास्त्री,
सिद्धक्षेत्र आहार जी. (म.प्र.)

आचार्य श्री पंथवाद/ हठवाद से दूर रहकर धर्म-समाज-संघ की साधलढ़ि सब बिन्दुओं पर दूरदर्शिता से विचार का निर्णय होकर क्रियान्वयन कराते हैं। जो भी उनके चरणों में निश्छल समर्पण करता है उसे पुचकार भरी आशीर्वाद की बौछार से सराबोर कर देते हैं। यथा एक माता-पिता अपनी सन्तान का सम्यक् संरक्षण-संवर्द्धन करते हैं तथैव आचार्य श्री अपने कर्तव्यपालन में संलग्न हैं। यही कारण है कि देखते-देखते आज आचार्य श्री विशाल संघ के अधिनायक हैं। उनकी सम्पूर्ण शिष्य श्रृंखला गुरु के प्रति समर्पित व आज्ञा पालन में है।

अभी कुछ समय से ऐसा प्रतीत होता है श्रमणसंघों में परस्पर वात्सल्य भाव की हीनता परिलक्षित हो रही है किन्तु आचार्य श्री इस अपवाद से दूर हैं। वे गंभीर व दूरदर्शी हैं।

प्रस्तुति-प्रतिष्ठाचार्य पं.
पवन जैन दीवान मुरैना (म.प्र.)

उपाधियां

क्र.	उपाधि	सन्	स्थान	द्वारा प्रदत्त
1.	युवा हृदय सम्राट	1990	टीकमगढ़ (म.प्र.)	युवा संगठनों द्वारा
2.	गुणसागर	1991	श्रेयांसगिरी (म.प्र.)	मुनि विराग सागर जी
3.	आध्यात्मिक संत	1996	हटा, दमोह (म.प्र.)	जैन समाज, हटा
4.	बाल योगी	1996	दमोह (म.प्र.)	जैन समाज, दमोह
5.	युवा मनीषी	1997	कुण्डलपुर (दमोह, म.प्र.)	निकटवर्ती समाजों द्वारा
6.	अभीक्ष्ण ज्ञानोपयोगी	1998	बीना (म.प्र.)	जैन समाज, बीना
7.	आदर्शोत्तम शिष्य	1999	फिरोजाबाद (उ.प्र.)	चातुर्मास समिति व धर्म जागृति संस्थान, फिरोजाबाद
8.	तपोनिधि	2000	टूण्डला (उ.प्र.)	जैन समाज, टूण्डला
9.	उपसर्ग विजेता	2001	ग्रीन पार्क (दिल्ली)	जैन समाज, ग्रीन पार्क
10.	वात्सल्य निधि	2002	मेरठ (उ.प्र.)	पुलक जन चेतना मंच सदर, मेरठ
11.	ज्ञान दिवाकर	2003	शास्त्री नगर, मेरठ (उ.प्र.)	जैन समाज, मेरठ
12.	श्रमण रत्न	2003	सरधना (उ.प्र.)	जैन समाज, सरधना
13.	वात्सल्य रत्नाकर	2004	कृष्णा नगर (दिल्ली)	जैन समाज, कृष्णा नगर
14.	साधना के शिखर पुरुष	2006	देहरा तिजारा (राज.)	चातुर्मास देहरा कमेटी, तिजारा
15.	अध्यात्म सरोवर के राजहंस	2010	अ.क्षे. श्री जम्बूस्वामी तपोस्थली बौलखेड़ा (राज.)	क्षेत्रीय कार्यकारिणी
16.	तीर्थोद्धारक	2010	अ.क्षे. श्री जम्बूस्वामी तपोस्थली बौलखेड़ा (राज.)	आगरा मण्डल द्वारा
17.	अन्वेषक श्रमण	2010	राजाखेड़ा (राज.)	राजाखेड़ा जैन समाज
18.	धर्म सम्राट	2011	हस्तिनापुर (राज.)	जयपुर समाज द्वारा
19.	श्रुतावतार	2011	हस्तिनापुर (राज.)	जयपुर समाज द्वारा
20.	लोह पुरुष	2012	लोधी रोड़ (दिल्ली)	धर्म जागृति संस्थान दिल्ली प्रदेश
21.	दीक्षा सम्राट	2012	फिरोजाबाद (उ.प्र.)	टूण्डला समाज द्वारा
22.	विश्वगुरु	2013	टूण्डला पंचकल्याणक(उ.प्र.)	टूण्डला समाज द्वारा
23.	ज्ञान मार्तण्ड	2013	अलीगढ़ पंचकल्याणक(उ.प्र.)	अलीगढ़ जैन समाज
24.	श्रमण भास्कर	2013	श्री जम्बूस्वामी तपोस्थली, बौलखेड़ा	जैकबपुरा, गुड़गाँव समाज
25.	परम वाग्मी	2013	श्री जम्बूस्वामी तपोस्थली, बौलखेड़ा	बोलखेड़ा क्षेत्र
26.	आत्मान्वेषी	2013	श्री जम्बूस्वामी तपोस्थली, बौलखेड़ा	अलीगढ़ समाज
27.	निरीह साधक	2013	श्री जम्बूस्वामी तपोस्थली, बौलखेड़ा	अलवर समाज

28.	चिंतन के महारथी	2013	श्री जम्बूस्वामी तपोस्थली, बौलखेड़ा	सत्यार्थी परिवार
29.	चेतना के सजग प्रहरी	2013	श्री जम्बूस्वामी तपोस्थली, बौलखेड़ा	टूण्डला समाज
30.	श्रमण शिरोमणि	2013	श्री जम्बूस्वामी तपोस्थली, बौलखेड़ा	नवरंगपुर समाज
31.	तत्त्व वेत्ता	2013	श्री जम्बूस्वामी तपोस्थली, बौलखेड़ा	जेवर समाज
32.	आदर्श अनुशासक	2013	श्री जम्बूस्वामी तपोस्थली, बौलखेड़ा	श्री श्रीसत्यबोध
33.	प्रखर चिंतक	2013	श्री जम्बूस्वामी तपोस्थली, बौलखेड़ा	उत्तम नगर समाज
34.	अक्षर शिल्पी	2013	श्री जम्बूस्वामी तपोस्थली, बौलखेड़ा	गुरु पदयात्रा संघ, सरधना
35.	निष्काम भक्त	2013	श्री जम्बूस्वामी तपोस्थली, बौलखेड़ा	मेरठ शहर समाज
36.	समाधिसम्राट निर्यापकाचार्य	2013	श्री जम्बूस्वामी तपोस्थली, बौलखेड़ा	देवेन्द्र नगर समाज
37.	अनासक्त योगी	2013	श्री जम्बूस्वामी तपोस्थली, बौलखेड़ा	सदर, मेरठ समाज
38.	सिद्धांताचार्य	2013	श्री जम्बूस्वामी तपोस्थली, बौलखेड़ा	प्रभावना जनकल्याण परिषद, बुंदेलखंड
39.	ज्योतिर्विद	2013	श्री जम्बूस्वामी तपोस्थली, बौलखेड़ा	शिमला समाज
40.	वाचनार्ह	2013	श्री जम्बूस्वामी तपोस्थली, बौलखेड़ा	ध. जा. सं., दि. प्र.
41.	परम तपस्वी	2013	श्री जम्बूस्वामी तपोस्थली, बौलखेड़ा	कमला नगर, मेरठ
42.	ज्ञान दिवाकर	2013	श्री जम्बूस्वामी तपोस्थली, बौलखेड़ा	नसिया, फिरोजाबाद
43.	मानवता के मसीहा	2013	श्री जम्बूस्वामी तपोस्थली, बौलखेड़ा	महावीर सेवा समिति, फिरोजाबाद
44.	जिनशासनाम्बुद्धि चंद्रमा	2013	श्री जम्बूस्वामी तपोस्थली, बौलखेड़ा	ध. जा. सं., फिरोजाबाद
45.	संयम सम्राट	2013	श्री जम्बूस्वामी तपोस्थली, बौलखेड़ा	हापुड़ समाज
46.	निर्ग्रन्थ गौरव	2014	अजमेर (केसरगंज) राज.	अ.भा. दि. जैन महासभा द्वारा
47.	गणधराचार्य	2015	श्री जम्बूस्वामी तपोस्थली, बौलखेड़ा	बोलखेड़ा क्षेत्रीय समाजों द्वारा
48.	मोक्षमार्ग प्रदर्शक	2015	मीरा मार्ग, मानसरोवर, जयपुर	श्री आदिनाथ नवयुवक मण्डल, मीरा मार्ग
49.	स्याद्वाद केसरी	2017	सैक्टर 50 नोएडा (उ.प्र.)	नोएडा समाज (स्वर्ण जन्म जयंति अवसर)
50.	शिष्यानुग्रह कुशल गुरु	2018	ज्योति नगर, दिल्ली	जैन समाज ज्योतिनगर, दिल्ली
51.	श्रेष्ठ निर्यापकाचार्य	2019	गौतमपुरी, दिल्ली	यमुनापार दि. जैन समाज, दिल्ली
52.	कलिकाल कल्पतरू	2022	वडोदरा (गुज.)	सन्मति पार्क जैन समाज (गुज.)
53.	विश्व गुरु	2022	मुंबई (महा.)	पांडुचेरी (तमिलनाडु)

प्रेरणा व आशीर्वाद से संस्थाएं एवं पत्रिकाएं

क्र.	संस्था का नाम	स्थान
1.	निर्ग्रन्थ ग्रन्थमाला समिति (रजि.)	राष्ट्रीय संस्था
2.	अखिल भारतवर्षीय धर्म जागृति संस्थान (रजि.)	राष्ट्रीय संस्था 7 प्रान्तों में 150 शाखाएं
3.	गुरु प्रभावना कमेटी (जीपीसी) इण्डिया (रजि.)	राष्ट्रीय संस्था
4.	अखिल भारतवर्षीय धर्म प्रभावना समिति (रजि.)	विभिन्न शाखाएं, राष्ट्रीय संस्था
5.	अखिल भारतवर्षीय धर्म जागृति महिला संस्थान	विभिन्न शाखाएं, राष्ट्रीय संस्था
6.	अखिल भारतवर्षीय धर्म जागृति युवा संस्थान	विभिन्न शाखाएं, राष्ट्रीय संस्था
7.	श्री सत्यार्थी मीडिया राष्ट्रीय मासिक पत्रिका (रजि.)	टूण्डला (उ.प्र.)
8.	श्री श्री सत्यबोध मासिक पत्रिका (रजि.)	दिल्ली
9.	महावीर संगठन	जैन नगर, फिरोजाबाद (उ.प्र.)
10.	जैन शक्ति संगठन	सरधना, मेरठ एवं मथुरा (उ.प्र.), अम्बाह (म.प्र.)
11.	निर्णय सागर धर्म जागृति संगठन	मनियां (राज.)
12.	निर्णय सागर बालिका मंडल	शमसाबाद (उ.प्र.) एवं राजाखेड़ा (राज.)
13.	जैन संस्कृति रक्षा संगठन	टूण्डला एवं फिरोजाबाद (उ.प्र.)
14.	णमोकार महामंत्र समिति	अलवर (राज.), मेरठ एवं एटा (उ.प्र.)
15.	स्वामी निर्णयसागर महिला संगठन	मेरठ (उ.प्र.) एवं संगम विहार (दिल्ली)
16.	राजा श्रेयांस आहार समिति	सरूरपुर एवं बड़ौत (उ.प्र.), दहोद (गुज.)
17.	श्री जिनशासन संगठन	अजमेर (राज.)
18.	धर्म जागृति संस्थान बाल मण्डल	विभिन्न शाखाएं
19.	धर्म जागृति संस्थान बालिका मण्डल	विभिन्न शाखाएं
20.	राजा सोम श्रेयांस आहार विहार समिति	मेरठ (उ.प्र.)
21.	अखिल भारतवर्षीय सम्यग्ज्ञान शिक्षण समिति (रजि.)	नोएडा (उ.प्र.) (राष्ट्रीय)
22.	जिनवाणी सैटेलाइट चैनल	आगरा (उ.प्र.)
23.	श्रीवाणी यूट्यूब चैनल	दिल्ली
24.	श्री सत्यार्थी यूट्यूब चैनल	टूण्डला
25.	जैन धर्म प्रभावना कमेटी वेबसाइट ग्रुप	राष्ट्रीय संस्था
28.	धर्म जागृति संस्थान, महासभा	जयपुर

प्रथम

प्रथम स्वतंत्र पंचकल्याणक प्रतिष्ठा	मार्च 1996 (हटा, दमोह, म.प्र.)
प्रथम दीक्षा	श्री गुलाब चन्द जैन हिरका वाले (दमोह) 1996 नाम : क्षुल्लक श्री विदेह सागर जी
प्रथम केशलोंच	14 अगस्त, 1988 (श्री आदिनाथ चैत्यालय, बताशा बाजार, भिण्ड म.प्र.)
प्रथम सिंहासनारूढ़	जून 1996 में, बांसातार खेड़ा (दमोह, म.प्र.)
प्रथम पद्य रचना	गुरु पूजन, मंगलाचरण व कविताएं-1992
प्रथम गद्य रचना	आहारदान, नवम्बर 1999, फिरोजाबाद (उ.प्र.)
प्रथम संकलित कृति	श्रावक साधना व धर्म संस्कार, 1996 दमोह (म.प्र.)
प्रथम संपादित कृति	रयणसार, 2000 चातुर्मास, टूण्डला (उ.प्र.)
प्रथम उपदिष्ट कृति	दशामृत
प्रथम सिद्धान्त वाचना	मई-जून 1990, षट्खण्डागम, टीकमगढ़ (म.प्र.)
प्रथम स्वतंत्र सिद्धांत वाचना	जयधवला भाग-1, नवम्बर-दिसम्बर, सरधना, मेरठ (उ.प्र.) 2003
प्रथम मुनि अवस्था चातुर्मास	भिण्ड (म.प्र.) 1989
प्रथम उपाध्याय अवस्था चातुर्मास	सदर बाजार, मेरठ (उ.प्र.) 2002
प्रथम एलाचार्य अवस्था चातुर्मास	मेरठ महानगर (उ.प्र.) 2009
प्रथम आचार्य अवस्था चातुर्मास	जयपुर (राज.) 2015
प्रथम स्वतंत्र चातुर्मास	मोराजी सागर (म.प्र.) 1994
प्रथम उपवास	16 नवम्बर, 1988 (क्षुल्लक दीक्षा पर)
प्रथम मुनिदर्शन	एलाचार्य श्री विद्यानन्द जी, धौलपुर जिला (राज.) 1980
आ. विद्यासागर जी के प्रथम दर्शन	3 मार्च 1990, पथरिया पंचकल्याणक
प्रथम उपाधि	गुणसागर, श्रेयांसगिरि (म.प्र.) 1991
बद्रीनाथ की प्रथम यात्रा	21 अप्रैल, 2003 से 10 जून 2003 तक
उपाध्याय पद की प्रथम तीर्थयात्रा	03 मर्च से 10 मार्च, 2010 तिजारा के लिए
प्रथम पंचकल्याणक (मुनि अवस्था)	1989 (सोनागिर, म.प्र.)
प्रथम पंचकल्याणक (उपाध्याय अवस्था)	2002 विश्वास नगर, दिल्ली
प्रथम पंचकल्याणक (एलाचार्य अवस्था)	2009 कचहरी रोड, मेरठ
प्रथम पंचकल्याणक (आचार्य पदस्थ)	2015 राजाखेड़ा
प्रथम आचार्य पदस्थ दीक्षा (मुनि)	मुनि श्री प्रज्ञानंद जी, 29 मार्च 2015
प्रथम आचार्य पदस्थ दीक्षा (आर्यिका)	आर्यिका श्री वर्द्धस्व नंदनी माता जी, 19 अप्रैल, 2015

प्रथम आचार्य पदस्थ दीक्षा (क्षुल्लक)	क्षुल्लक श्री पुण्यानंद जी, 4 दिसम्बर, 2016
प्रथम आचार्य पदस्थ दीक्षा (क्षुल्लिका)	क्षुल्लिका श्री सुभद्र नंदनी माता जी, 19 अप्रैल, 2015
प्रथम मुनि दीक्षा	मुनि श्री परमानन्द जी, अलवर, 19 जनवरी, 2009
प्रथम गणिनी पद प्रदत्त	आर्यिका श्री गुरुनन्दनी जी, टूण्डला, 3 जनवरी, 2013
प्रथम आर्यिका दीक्षा	आर्यिका श्री सुमतिमति माता जी, कृष्णा नगर, 19 अक्टूबर, 2004
प्रथम क्षुल्लक दीक्षा	क्षुल्लक श्री विदेहसागर जी, दमोह (म.प्र.), 1996
प्रथम क्षुल्लिका दीक्षा	क्षुल्लिका श्री अरहंतनन्दनी माता जी, टूण्डला, 2006
प्रथम पुरानी पिच्छि प्राप्तकर्ता	श्री रिखब चंद जैन, मनियां, धौलपुर (राज.)
प्रथम समाधि सम्बोधन	मुनि श्री विसर्गसागर जी, सागर (म.प्र.) जनवरी 1994
प्रथम आहार दान	20 अप्रैल, 1988 (आ. भरत सागर जी आदि 3 साधु)
प्रथम पिच्छि प्राप्तकर्ता (मुनि अवस्था)	बा.ब्र. हरीश जैन (ऐ. विज्ञानसागर जी)
प्रथम पिच्छि प्राप्तकर्ता (उपाध्याय अवस्था)	श्री सुरेन्द्र 'कल्लू' देवेन्द्र नगर (म.प्र.)
प्रथम पिच्छि प्राप्तकर्ता (एलाचार्य अवस्था)	श्री हंसकुमार नवीन जैन, सरधना
प्रथम पिच्छि प्राप्तकर्ता (आचार्य अवस्था)	श्री राजीव जैन, जयपुर
प्रथम चातुर्मास (मध्य प्रदेश)	भिण्ड (म.प्र.) 1989
प्रथम चातुर्मास (उत्तर प्रदेश)	ललितपुर (उ.प्र.) 1995
प्रथम चातुर्मास (दिल्ली)	ग्रीन पार्क, दिल्ली, 2001
प्रथम चातुर्मास (राजस्थान)	तिजारा (राज.) 2006
प्रथम चातुर्मास (गुजरात)	विद्यासागर तपोवन, तारंगा (गुज.) 2021
प्रथम चातुर्मास (महाराष्ट्र)	बोरीवली, मुम्बई (महा.) 2022
प्रथम सिद्धक्षेत्र चातुर्मास	द्रोणगिरि (म.प्र.) 1992
प्रथम अतिशयक्षेत्र चातुर्मास	श्रेयांसगिरि (म.प्र.) 1991
प्रथम प्राकृत गद्यरचना	धम्मस्स सुत्ति संगहो
प्रथम महाकाव्य (प्राकृत)	शीतलनाथ चरित्र
प्रथम पद्यरचना	णंदिणंद सुत्तं

विशेष–21वीं सदी के प्रथम उपाध्याय–आचार्य श्री वसुनंदी जी मुनि, फरवरी 2002, विश्वास नगर, दिल्ली (तत्कालीन उपा. श्री. निर्णयसागर जी)

कलशारोहण

क्र.	स्थान	सन्
1.	साडूमर (म.प्र.)	1993
2.	श्रेयांसगिरि (म.प्र.)	1993
3.	ब्राह्मी विद्या आश्रम, सागर (म.प्र.)	1994
4.	जतारा, टीकमगढ़ (म.प्र.)	1995
5.	हटा, दमोह (म.प्र.)	1996
6.	जतारा, टीकमगढ़ (म.प्र.)	1998
7.	पवा जी (उ.प्र.)	1998
8.	शांति नगर, बण्डा, (म.प्र.)	1998
9.	खबरा, पन्ना (म.प्र.)	1999
10.	फिरोजाबाद, नसिया जी (उ.प्र.)	2000
11.	विभव नगर, फिरोजाबाद (उ.प्र.)	2000
12.	पचोखरा (उ.प्र.)	2001
13.	रोहिणी सैक्टर 16, दिल्ली	2004
14.	उझानी (उ.प्र.)	2005
15.	जलेसर (उ.प्र.)	2006
16.	शांति कुंज, अलवर (राज.)	2007
17.	आदर्श नगर, सरधना (उ.प्र.)	2007
18.	करावल नगर, दिल्ली	2008
19.	ट्रांसपोर्ट नगर, आगरा (उ.प्र.)	2010
20.	भरतपुर (राज.)	2010
21.	लाल मन्दिर, दिल्ली	2011
22.	ग्रीन पार्क, दिल्ली	2012
23.	टूण्डला (उ.प्र.)	2013
24.	बदायूँ (उ.प्र.)	2013
25.	केसरगंज, अजमेर (राज.)	2014
26.	लाल मन्दिर, अजमेर (राज.)	2014

27.	श्री जम्बूस्वामी तपोस्थली, बौलखेड़ा (राज.) (25 कलशारोहण)	2016
28.	गोवर्धन (उ.प्र.)	2017
29.	खेड़ली (राज.)	2017
30.	सीकरी (राज.)	2017
31.	बांदीकुई (राज.)	2017
32.	फिरोजाबाद, बड़ा मोहल्ला (उ.प्र.)	2017
33.	फिरोजाबाद, चन्द्रप्रभ मन्दिर (उ.प्र.)	2017
34.	सरूरपुर, बागपत (उ.प्र.)	2017
35.	लेखराज नगर, अलीगढ़ (उ.प्र.)	2017
36.	द्वारि, पन्ना (म.प्र.)	2018
37.	मनियाँ, धौलपुर (राज.)	2018
38.	हथिनी, दमोह (म.प्र.)	2018
39.	भुसावर (राज.)	2018
40.	गौतमपुरी, दिल्ली	2019
41.	नई बस्ती, फिरोजाबाद (उ.प्र.)	2020
42.	अपना घर शालीमार, अलवर (राज.)	2020
43.	जनूथर (राज.)	2020
44.	हसनपुर (हरि.) (24 शिखर कलशारोहण)	2021
45.	थापर नगर, मेरठ (उ.प्र.)	2021
46.	शास्त्री नगर, मेरठ (उ.प्र.)	2021
47.	कर्जन, वडोदरा (गुजरात)	2023
48.	पार्श्वनाथ मन्दिर, जैन नगर, सलुम्बर (राज.)	2023

Param Pujya Vasunandi Ji Maharaj is an inspiration for millions of his followers across religious lines. He is a prolific writer and has written more than 250 Granths. It is good for tune for Jains that such a brilliant orator is there to enlighten us on various aspects of Jainism and intricacies of life in general in a very simple manner which have come to be termed as **Meethe Pravachan.** Disciple of Muni Vidyanand Ji, he is spreading his message far and wide.

Arvind Kumar Jains (IPS)
(Ex. DGP UP) Adviser Circle, UP

मुनि श्री ज्ञानानन्द जी मुनिराज

गृहस्थ अवस्था का नाम	पं. श्री जयचन्द्र जैन
माता का नाम	श्रीमती अशर्फी जैन
पिता का नाम	श्री सुमत चन्द जैन
जन्म	15 जून, 1957
स्थान	बसई घियाराम, राजाखेड़ा, राजस्थान
लौकिक शिक्षा	मैट्रिक, प्रतिष्ठाचार्य
ब्रह्मचर्य व्रत	1999, उपाध्याय श्री ज्ञानसागर जी (अजमेर)
सात व आठ प्रतिमा	27 सितम्बर, 2006, उपाध्याय श्री निर्णयसागर जी (तिजारा, राज.)
क्षुल्लक दीक्षा	3 दिसम्बर, 2007, राजाखेड़ा (राजस्थान)
नामकरण	क्षुल्लक श्री दिव्यसागर जी
ऐलक दीक्षा	28 मई, 2009, सरधना (उ.प्र.)
नामकरण	ऐलक श्री ज्ञानानन्द जी
मुनि दीक्षा	1 अप्रैल, 2011, ग्रीनपार्क, दिल्ली
नामकरण	मुनि श्री ज्ञानानंद जी मुनिराज
गुरु	प.पू. आचार्य श्री वसुनन्दी जी मुनिराज

चातुर्मास

2008	अ.क्षे. तिजारा (राजस्थान)
2009	मेरठ महानगर (उ.प्र)
2010	श्री जम्बूस्वामी तपोस्थली, बौलखेड़ा (राज.)
2011	हस्तिनापुर (उ.प्र.)
2012	फिरोजाबाद (उ.प्र.)
2013	श्री जम्बूस्वामी तपोस्थली, बौलखेड़ा (राज.)
2014	अजमेर (राज.)
2015	जयपुर (राज.)
2016	श्री जम्बूस्वामी तपोस्थली, बौलखेड़ा (राज.)
2017	ग्रीन पार्क, दिल्ली
2018	श्री जिनशासन तीर्थ, अजमेर (राज.)
2019	नोएडा सेक्टर 50 (उ.प्र.)
2020	श्री जम्बूस्वामी तपोस्थली, बौलखेड़ा (राज.)
2021	सि.क्षे. तारंगा जी, गुजरात
2022	बोरीवली, मुम्बई (महा.)

'मीठे प्रवचन' हमारे सोच और चिंतन को बदलने के लिए एक सार्थक भूमिका का निर्वाह करते हैं। सुधीजन इस पुस्तक का पारायण करेंगे तो उनसे अपरिमित लाभ होगा।

शब्दों के शंख बजाने वाले आचार्य श्री जीवंत अनुभूतियों के प्रस्तोता हैं। आचार्य श्री के प्रवचनों में सत्य की वह पावन ज्योति है जो अपने प्रकाश से अज्ञान के अंधकार को विनष्ट कर जीवन के शाश्वत पल से साक्षात्कार करा सके। मेरी भावना है कि 'मीठे प्रवचन' जन-जन तक पहुँचें तथा इनके द्वारा व्यक्ति के जीवन का कल्याण हो।

डॉ. के.एल. जैन, टीकमगढ़ (म.प्र.)

मुनि श्री सर्वानन्द जी मुनिराज

गृहस्थ अवस्था का नाम	श्री पद्मचंद जैन
माता का नाम	श्रीमती रामश्री जैन
पिता का नाम	श्री रामदयाल जैन (समाधिस्थ क्षु. दयासागर जी)
जन्म	संवत् 2005, सन् 1947
स्थान	मेदीपुरा फतेहाबाद, आगरा (उ.प्र.)
लौकिक शिक्षा	मैट्रिक
ब्रह्मचर्य व्रत	2004, मुनिश्री विकर्षसागर जी, आगरा (उ.प्र.)
सात प्रतिमा	2005, आचार्य श्री सौभाग्य सागर जी (राजखेड़ा, राज.)
क्षुल्लक दीक्षा	3 दिसम्बर, 2007, राजाखेड़ा (राजस्थान)
नामकरण	क्षुल्लक श्री भद्रसागर जी
ऐलक दीक्षा	28 मई, 2009, सरधना (उ.प्र.)
नामकरण	ऐलक श्री सर्वानन्द जी
मुनि दीक्षा	1 अप्रैल, 2011, ग्रीनपार्क, दिल्ली
नामकरण	मुनि श्री सर्वानंद जी मुनिराज
गुरु	प.पू. आचार्य श्री वसुनन्दी जी मुनिराज

चातुर्मास

2008	अ.क्षे. तिजारा (राजस्थान)
2009	मेरठ महानगर (उ.प्र)
2010	श्री जम्बूस्वामी तपोस्थली, बौलखेड़ा (राज.)
2011	हस्तिनापुर (उ.प्र.)
2012	फिरोजाबाद (उ.प्र.)
2013	बाहुबली एन्क्लेव (दिल्ली)
2014	बड़ागाँव (उ.प्र.)
2015	सोनागिर (म.प्र.)
2016	ज्ञानतीर्थ, मुरैना (म.प्र.)
2017	वहलना, मुजफ्फरनगर (म.प्र.)
2018	श्री जिनशासन तीर्थ, अजमेर (राज.)
2019	नोएडा सेक्टर 50 (उ.प्र.)
2020	श्री जम्बूस्वामी तपोस्थली, बौलखेड़ा (राज.)
2021	सि.क्षे. तारंगा जी, गुजरात
2022	बोरीवली, मुम्बई (महा.)

आचार्य श्री वसुनन्दी जी महाराज ने आगम विधान सहित सैकड़ों रचनाओं का लेखन व सम्पादन किया है। मुनिश्री 36 मूलगुण धारी गुणों में दृढ़ और परम पुरुषार्थ करने वाले हैं। मुझे मुनि श्री का वात्सल्य और आशीर्वाद प्राप्त हुआ जिसके लिए मैं अपने आप को परम सौभाग्यशाली मानता हूँ।

संजीव कुमार जैन (आईपीएस)
अतिरिक्त पुलिस महानिरीक्षक
गृह रक्षी एवं उप निर्देशक नागरिक सुरक्षा, हरियाणा

मुनि श्री जिनानन्द जी मुनिराज

पूर्व नाम	श्री राकेश जैन
माता का नाम	श्रीमती कमला देवी जैन
पिता का नाम	श्री ताराचन्द जैन
जन्म	10 अक्टूबर, 1968
स्थान	बड़ी बामौर कलाँ, शिवपुरी (म.प्र.)
लौकिक शिक्षा	हायर सैकेण्डरी
ब्रह्मचर्य व्रत	1991, कुण्डलपुर, आ. विमलसागर जी से
तीन प्रतिमा	8 नवम्बर, 1992 (द्रोणगिरि, म.प्र.)
क्षुल्लक दीक्षा	18 दिसम्बर, 1993, श्रेयांसगिरि (म.प्र.)
नामकरण	क्षुल्लक श्री विमुक्तसागर जी
ऐलक दीक्षा	23 फरवरी, 1996, देवेन्द्र नगर, पन्ना (म.प्र.)
नामकरण	ऐलक श्री विमुक्तसागर जी
मुनि दीक्षा	10 नवम्बर, 2011, हस्तिनापुर (उ.प्र.)
नामकरण	मुनि श्री जिनानंद जी मुनिराज
गुरु	प.पू. आचार्य श्री वसुनन्दी जी मुनिराज

चातुर्मास

1994	बीना (म.प्र.)	1995	ललितपुर (उ.प्र.
1996	छतरपुर (म.प्र.)	1997	दुर्ग (छत्तीसगढ़)
1998	भिलाई (छत्तीसगढ़)	1999	फिरोजाबाद (उ.प्र.)
2000	टूण्डला (उ.प्र.)	2001	ग्रीन पार्क, दिल्ली
2002	सदर बाजार, मेरठ (उ.प्र.)	2003	शास्त्री नगर, मेरठ (उ.प्र.)
2004	कृष्णा नगर, दिल्ली	2005	शौरीपुर, बटेश्वर (उ.प्र.)
2006	टूण्डला (उ.प्र.)	2007	मथुरा (उ.प्र.)
2008	अ.क्षेत्र जितारा (राज.)	2009	मेरठ महानगर (उ.प्र.)
2010	श्री जम्बूस्वामी तपोस्थली, बौलखेड़ा (राज.)	2011	हस्तिनापुर (उ.प्र.)
2012	फिरोजाबाद (उ.प्र.)	2013	श्री जम्बूस्वामी तपोस्थली, बौलखेड़ा (राज.)
2014	अजमेर (राज.)	2015	जयपुर (राज.)
2016	श्री जम्बूस्वामी तपोस्थली, बौलखेड़ा (राज.)	2017	सै. 16, फरीदाबाद (हरि.)
2018	श्री जिनशासन तीर्थ, अजमेर (राज.)	2019	असोड़ा हाउस, मेरठ (उ.प्र.)
2020	श्री जम्बूस्वामी तपोस्थली, बौलखेड़ा (राज.)	2021	सि.क्षे. तारंगा जी (गुज.)
		2022	बोरीवली, मुम्बई (महा.)

मुनि श्री आत्मानन्द जी मुनिराज

गृहस्थ अवस्था का नाम	श्री उत्तमचंद शिरोमणि जैन 'नेहरू जी'
माता का नाम	श्रीमती सरला देवी जैन
पिता का नाम	श्री रूपचन्द जैन
जन्म	5 जनवरी, 1959
स्थान	पचोखरा, फिरोजाबाद (उ.प्र.)
लौकिक शिक्षा	बी.कॉम, एम.ए. (इंग्लिश), बैंक में जॉब
ब्रह्मचर्य व्रत	1999, टूण्डला (उ.प्र.)
सात प्रतिमा	श्री जम्बूस्वामी तपोस्थली, बौलखेड़ा, 2010 चातुर्मास
ब्रह्मचारी का नाम	ब्र. शुद्धात्म प्रकाश जी
क्षुल्लक दीक्षा	10 फरवरी, 2013, रविवार, अ.क्षे. अहिच्छत्र पार्श्वनाथ (उ.प्र.)
नामकरण	क्षुल्लक श्री सच्चिदानन्द जी
ऐलक दीक्षा	09 जून, 2013, शिमला (हि.प्र.)
नामकरण	ऐलक श्री सच्चिदानन्द जी
मुनि दीक्षा	08 सितम्बर, 2013, श्री जम्बूस्वामी तपोस्थली, बौलखेड़ा (राज.)
नामकरण	मुनि श्री आत्मानंद जी
गुरु	प.पू. आचार्य श्री वसुनन्दी जी मुनिराज

चातुर्मास

2013	श्री जम्बूस्वामी तपोस्थली, बौलखेड़ा (राज.)	2018	श्री जिनशासन तीर्थ, अजमेर (राज.)
2014	अजमेर (राज.)	2019	नोएडा, सै. 50, (उ.प्र.)
2015	जयपुर (राज.)	2020	श्री जम्बूस्वामी तपोस्थली, बौलखेड़ा (राज.)
2016	श्री जम्बूस्वामी तपोस्थली, बौलखेड़ा (राज.)	2021	सि.क्षे. तारंगा जी (गुजरात)
2017	ग्रीन पार्क, दिल्ली	2022	बोरीवली, मुम्बई (महा.)

प्रणामाञ्जलि–आप अभीक्ष्ण ज्ञानोपयोगी दिगम्बर आचार्य हैं, उस का प्रत्यक्ष प्रमाण आपका वृहद् साहित्य और ज्ञान-साधना की अपरिमेय-दृष्टि है।

प्राचार्य पं. निहालचंद जैन
जवाहर वार्ड, बीना (म.प्र.)

मुनि श्री निजानन्द जी मुनिराज

गृहस्थ अवस्था का नाम	श्री वीरसेन जैन
माता का नाम	श्रीमती सोनाबाई जैन
पिता का नाम	श्री लोटनलाल जैन
जन्म	16 अप्रैल सन् 1958
स्थान	ग्राम पुर (भिण्ड)
लौकिक शिक्षा	मैट्रिक
ब्रह्मचर्य व्रत व दो प्रतिमा	08 सितम्बर, 2011, हस्तिनापुर (उ.प्र.)
ब्रह्मचर्य का नाम	ब्र. अध्यात्मप्रकाश जी
सात प्रतिमा	3 जुलाई, 2012, फिरोजाबाद (उ.प्र.)
क्षुल्लक दीक्षा	10 फरवरी, 2013, अ.क्षे. अहिच्छत्र (उ.प्र.)
नामकरण	क्षुल्लक श्री स्वरूपानन्द जी
ऐलक दीक्षा	09 जून, 2013, शिमला (हि.प्र.)
नामकरण	ऐलक श्री स्वरूपानन्द जी
मुनि दीक्षा	08 सितम्बर, 2013, श्री जम्बूस्वामी तपोस्थली, बौलखेड़ा (राज.)
नामकरण	मुनि श्री निजानन्द जी
गुरु	प.पू. आचार्य श्री वसुनन्दी जी मुनिराज

चातुर्मास

2013	श्री जम्बूस्वामी तपोस्थली, बौलखेड़ा (राज.)
2014	अजमेर(राज.)
2015	मीरा मार्ग, जयपुर (राज.)
2016	श्री जम्बूस्वामी तपोस्थली, बौलखेड़ा(राज.)
2017	ग्रीन पार्क दिल्ली
2018	श्री जिनशासन तीर्थ, अजमेर (राज.)
2019	सै. 50, नोएडा (उ.प्र.)
2020	श्री जम्बूस्वामी तपोस्थली, बौलखेड़ा (राज.)
2021	सि.क्षे. तारंगा जी (गुजरात)
2022	बोरीवली, मुम्बई (महा.)

पूज्यवर आचार्य श्री वसुनंदी जी महाराज कोमल काया, कठोर तपश्चर्या-चेतना की ज्योतिर्मयशाला। नेत्रों में प्राणीमात्र के लिए वात्सल्य, वाणी में वीणा की झंकार व्यक्तित्व में सम्मोहन सैदव साधना में लीन हैं।

डॉ. रूबी जैन, सहारनपुर (उ.प्र.)

मुनि श्री सहजानन्द जी मुनिराज

गृहस्थ अवस्था का नाम	श्री अमोलकचन्द जैन पटवारी
माता का नाम	श्रीमती जगवती देवी जैन
पिता का नाम	श्रीबख्तावर मल जैन
	(समाधिस्थ क्षुल्लक श्री पद्मसागर जी)
जन्म	8 जुलाई, 1934, ररधना, (सरधना) (उ.प्र.)
लौकिक शिक्षा	हायर सैकेण्डरी, कानूनगो से सेवानिवृत्त
ब्रह्मचर्य व्रत	1985, गाजियाबाद (ब्र. कौशल जी से)
सात प्रतिमा	2007, सिद्धक्षेत्र मथुरा चौरासी (उ.प्र.)
क्षुल्लक दीक्षा	10 नवम्बर, 2011, हस्तिनापुर (उ.प्र.)
नामकरण	क्षुल्लक श्री सहजानन्द जी
मुनि दीक्षा	11 मई 2014, जय शांतिसागर निकेतन, मण्डोला (गाजियाबाद)
नामकरण	मुनि श्री सहजानन्द जी
गुरु	प.पू. आचार्य श्री वसुनन्दी जी मुनिराज

चातुर्मास

2012	फिरोजाबाद (उ.प्र.)
2013	श्री जम्बूस्वामी तपोस्थली, बौलखेड़ा (राज.)
2014	अजमेर (राज.)
2015	जयपुर (राज.)
2016	श्री जम्बूस्वामी तपोस्थली, बौलखेड़ा (राज.)
2017	ग्रीन पार्क, दिल्ली
2018	जय शांतिसागर निकेतन, मण्डोला (गाजियाबाद) (उ.प्र.)
2019	जय शांतिसागर निकेतन, मण्डोला (गाजियाबाद) (उ.प्र.)
2020	जय शांतिसागर निकेतन, मण्डोला (गाजियाबाद) (उ.प्र.)
2021	जय शांतिसागर निकेतन, मण्डोला (गाजियाबाद) (उ.प्र.)
2022	जय शांतिसागर निकेतन, मण्डोला (गाजियाबाद) (उ.प्र.)

आयार्य श्री का ज्ञान, ध्यान, चारित्र, तप, स्वाध्याय, चिन्तन लाजवाब है। वे मनन, चिन्तन और प्रवचन पर समान अधिकार रखते हैं। विद्वानों के प्रति स्नेह और वात्सल्य रखते हैं।

अनूप चन्द्र जैन, एडवोकेट
संपादक : जैन संदेश
फिरोजाबाद (उ.प्र.)

मुनि श्री संयमानन्द जी मुनिराज

गृहस्थ अवस्था का नाम	श्री मुकेश जैन (खिलौने वाले)
माता का नाम	श्रीमती जसवंती देवी जैन
पिता का नाम	श्री रघुवीर शरण जैन
जन्म	29 जुलाई, 1959
स्थान	सदर बाजार, दिल्ली
	(हाल निवासी अशोक विहार, दिल्ली)
लौकिक शिक्षा	बी.ए. बिजनेस
ब्रह्मचर्य व्रत व दो प्रतिमा	2002 (आ. श्री विद्यासागर जी मुनिराज)
आठ प्रतिमा	3 अगस्त, 2014 (अजमेर, राजस्थान)
नाम	ब्र. शुद्धात्म प्रकाश जी
मुनि दीक्षा	26 सितम्बर 2014, अजमेर (राज.)
नामकरण	मुनि श्री संयमानन्द जी
गुरु	प.पू. आचार्य श्री वसुनन्दी जी मुनिराज

आचार्य श्री शांतिसागर जी महाराज के प्रति आचार्य वसुनंदी महाराज की महान श्रद्धा और उनके जीवन का प्रभाव प्रतिलक्षित होता है। वे सम्पूर्ण पंथों के व्यामोह से दूर हैं। आगम पथ के पथिक हैं।

अभिनंदन दिवाकर (एडवोकेट) सिवनी (म.प्र.)

मुनि श्री प्रज्ञानन्द जी मुनिराज

पूर्व नाम	श्री आशीष जैन (चेतन, चंदन, चिन्मय, चंदू, चाँद)
माता का नाम	श्रीमती सरोज जैन
पिता का नाम	श्री कमल कुमार जैन
जन्म एवं स्थान	13 नवम्बर, 1986, फिरोजाबाद (उ.प्र.)
लौकिक शिक्षा	बी. कॉम.
ब्रह्मचर्य व्रत	30 जून, 2005 (जलेसर)
नाम	बा.ब्र.शुभाषीष
दो प्रतिमा	2 नवम्बर, 2006, तिजारा जी
सात प्रतिमा	गुरु पूर्णिमा पर्व, 2007, मथुरा चौरासी (उ.प्र.)
आठ प्रतिमा	22 अगस्त, 2010, श्री जम्बूस्वामी तपोस्थली (राज.)
क्षुल्लक दीक्षा	8 सितम्बर 2013, श्री जम्बूस्वामी तपोस्थली (राज.)
नामकरण	क्षुल्लक श्री प्रज्ञानन्द जी
ऐलक दीक्षा	11 मई, 2014, जय शांतिसागर निकेतन (मण्डौला, उ.प्र.)
नामकरण	ऐलक श्री प्रज्ञानंद जी
मुनि दीक्षा	29 मार्च 2015, श्री जम्बूस्वामी तपोस्थली, बौलखेड़ा (राज.)
नामकरण	मुनि श्री प्रज्ञानन्द जी
गुरु	प.पू. आचार्य श्री वसुनन्दी जी मुनिराज

चातुर्मास

2013	श्री जम्बूस्वामी तपोस्थली, बौलखेड़ा (राज.)	2018	श्री जिनशासन तीर्थ, अजमेर (राज.)
2014	अजमेर (राज.)	2019	सै. 50, नोएडा (उ.प्र.)
2015	जयपुर (राज.)	2020	श्री जम्बूस्वामी तपोस्थली, बौलखेड़ा (राज.)
2016	श्री जम्बूस्वामी तपोस्थली, बौलखेड़ा (राज.)	2021	सि.क्षे. तारंगा जी (गुजरात)
2017	ग्रीन पार्क, दिल्ली	2022	बोरीवली, मुम्बई (महा.)

आचार्य श्री के प्रवचन उनकी लेखनी आपको सकारात्मक सोच की ओर अग्रसर करती है और विचार शक्ति को प्रबल करती है।

डॉ. प्रभाकिरण जैन (साहित्यकार), नई दिल्ली

मुनि श्री श्रद्धानन्द जी मुनिराज

पूर्व नाम	श्री ऋषभ जैन (बा.ब्र. पुण्याशीष भैया)
माता का नाम	श्रीमती कृष्णा जैन (संप्रति ब्र. आत्मप्रकाश जी)
पिता का नाम	श्री सुभाष चन्द जैन
जन्म	30 नवम्बर, 1987
स्थान	भोलानाथ नगर, दिल्ली
लौकिक शिक्षा	हाई स्कूल
ब्रह्मचर्य व्रत	शिखर जी में स्वयं से, 1 जनवरी 2007
दो प्रतिमा	16 नवम्बर, 2012, फिरोजाबाद (उ.प्र.)
आठ प्रतिमा	13 मार्च, 2014, श्री जम्बूस्वामी तपोस्थली, बौलखेड़ा (राज.)
क्षुल्लक दीक्षा	11 मई, 2014, जय शांतिसागर निकेतन, मण्डौला (उ.प्र.)
नामकरण	क्षुल्लक श्री श्रद्धानन्द जी
ऐलक दीक्षा	26 सितम्बर, 2014, अजमेर (राज.)
नामकरण	ऐलक श्री श्रद्धानंद जी
मुनि दीक्षा	29 मार्च 2015, श्री जम्बूस्वामी तपोस्थली, बौलखेड़ा (राज.)
नामकरण	मुनि श्री श्रद्धानन्द जी
गुरु	प.पू. आचार्य श्री वसुनन्दी जी मुनिराज

चातुर्मास

2014	अजमेर (राज.)
2015	जयपुर (राज.)
2016	श्री जम्बूस्वामी तपोस्थली, बौलखेड़ा (राज.)
2017	राजाखेड़ा (राज.)
2018	धौलपुर (राज.)
2019	इमली फाटक, जयपुर (राज.)
2020	धौलपुर (राज.)
2021	कोठडी (राज.)
2022	केशवनगर, उदयपुर (राज.)

आपका व्यक्तित्व तो जीवंत पुस्तक की भांति है जिसे पढ़ने की आवश्यकता नहीं है उसे तो देखने मात्र से ही कल्याण हो जाता है।

गुरुभक्त जिनेन्द्र जैन शास्त्री

श्रमण ज्ञान भारती जैन चौरासी सिद्धक्षेत्र, मथुरा (उ.प्र.)

मुनि श्री शिवानन्द जी मुनिराज

पूर्व नाम	श्री अंकित जैन 'सरल'
माता का नाम	श्रीमती शशि जैन
पिता का नाम	श्री आशुतोष कुमार जैन
जन्म	13 मार्च 1985, बुधवार
स्थान	कृष्णा नगर, दिल्ली
लौकिक शिक्षा	बी.ए.
ब्रह्मचर्य व्रत	28 अक्टूबर 2011, हस्तिनापुर
ब्रह्मचारी नाम	बाल ब्र. धर्माशीष भैया
दो प्रतिमा	अक्षय तृतीया, 2013,चण्डीगढ़
आठ प्रतिमा	13 मार्च, 2014, श्री जम्बूस्वामी तपोस्थली, बौलखेड़ा (राज.)
क्षुल्लक दीक्षा	11 मई, 2014, जय शांतिसागर निकेतन, मण्डौला (उ.प्र.)
नामकरण	क्षुल्लक श्री शिवानन्द जी
ऐलक दीक्षा	26 सितम्बर, 2014, अजमेर (राज.)
नामकरण	ऐलक श्री शिवानन्द जी
मुनि दीक्षा	29 मार्च 2015, श्री जम्बूस्वामी तपोस्थली (बौलखेड़ा, राज.)
नामकरण	मुनि श्री शिवानन्द जी
गुरु	प.पू. आचार्य श्री वसुनन्दी जी मुनिराज

चातुर्मास

2014	अजमेर (राज.)
2015	जयपुर (राज.)
2016	श्री जम्बूस्वामी तपोस्थली (बौलखेड़ा, राज.)
2017	यमुना विहार, दिल्ली
2018	ज्योति नगर, दिल्ली
2019	विवेक विहार, दिल्ली
2020	जयशांतिसागर निकेतन मण्डोला (उ.प्र.)
2021	सलुम्बर (राज.)
2022	दाहोद (गुज.)

आचार्य श्री का वात्सल्य आकाश के समान असीम है, पृथ्वी के समान सहिष्णु हैं, जल के समान तरल हैं, पवन के समान भ्रमणशील हैं, अग्नि के समान पवित्र हैं और निखारने वाला हैं।

संजय जैन 'संजू', ब्यूरो चीफ, राज एक्सप्रेस, सिवनी (म.प्र.)

मुनि श्री प्रशमानन्द जी मुनिराज

पूर्व नाम	श्री हरीशचंद जैन
माता का नाम	श्रीमती गुलाब बाई जैन
पिता का नाम	श्री डालचंद जैन
जन्म	18 जून 1978
स्थान	बड़ामलहरा, छतरपुर (म.प्)
लौकिक शिक्षा	इंटर
ब्रह्मचर्य व्रत	8 नवम्बर 2011, हस्तिनापुर (उ.प्र.)
ब्रह्मचारी नाम	बाल ब्र. मंगलाशीष भैया
दो प्रतिमा	23 मई 2013, शिमला (हि.प्र.)
सात प्रतिमा	29 जून 2014, मौजमाबाद (राज.)
ऐलक दीक्षा	6 नवम्बर 2014, श्री जिनशासन तीर्थ, अजमेर (राज.)
नामकरण	ऐलक श्री प्रशमानंद जी
मुनि दीक्षा	29 मार्च 2015, श्री जम्बूस्वामी तपोस्थली, बौलखेड़ा (राज.)
नामकरण	मुनि श्री प्रशमानन्द जी
गुरु	प.पू. आचार्य श्री वसुनन्दी जी मुनिराज

चातुर्मास

2015	जयपुर (राज.)
2016	श्री जम्बूस्वामी तपोस्थली, बौलखेड़ा (राज.)
2017	यमुना विहार, दिल्ली
2018	ज्योति नगर, दिल्ली
2019	विवेक विहार, दिल्ली
2020	जयशांतिसागर निकेतन मण्डोला (उ.प्र.)
2021	सलुम्बर (राज.)
2022	दाहोद (गुज.)

आचार्य श्री 108 वसुनन्दी जी महाराज की सभी क्रियाऐं सर्वानुग्रही एवं बहुजन हितकर रूप होती है। प्रज्ञ पुञ्ज, महान तपस्वी एवं सरस्वती पुत्र आचार्य नभ में ध्रुवतारा के रूप में विद्यमान हैं।

डॉ. एम.सी. जैन 'सर'

आर.के.पी.जी, कॉलिज, शामली (उ.प्र.)

मुनि श्री पवित्रानन्द जी मुनिराज

पूर्व नाम	श्री पंकज कुमार जैन (नीटू)
माता का नाम	श्रीमती सरोज कुमारी जैन
पिता का नाम	श्री पुत्तू लाल जैन (समाधिस्थ मुनि श्री सम्पूर्णानंद जी)
जन्म	27 अगस्त, 1979
स्थान	मुड़समां, एटा (उ.प्र.)
लौकिक शिक्षा	इंटरमीडिएट
हाल निवासी	टूण्डला फिरोजाबाद (उ.प्र.)
सात प्रतिमा	13 नवम्बर, 2014, मदार, अजमेर (राज.)
नाम	बाल ब्र. जिनाशीष भैया
मुनि दीक्षा	29 मार्च 2015, श्री जम्बूस्वामी तपोस्थली, बौलखेड़ा (राज.)
नामकरण	मुनि श्री पवित्रानन्द जी
गुरु	प.पू. आचार्य श्री वसुनन्दी जी मुनिराज

चातुर्मास

2015	जयपुर (राज.)
2016	श्री जम्बूस्वामी तपोस्थली, बौलखेड़ा (राज.)
2017	राजाखेड़ा (राज.)
2018	धौलपुर (राज.)
2019	इमली फाटक, जयपुर (राज.)
2020	धौलपुर (राज.)
2021	कोठडी (राज.)
2022	केशव नगर, उदयपुर, राज.

मुनि श्री पुण्यानन्द जी मुनिराज

गृहस्थ अवस्था का नाम	श्री देवकुमार जैन
माता का नाम	श्रीमती सरोजबाला जैन
पिता का नाम	श्री कैलाश चंद जैन
जन्म	21 दिसम्बर, 1950
स्थान	मेरठ (उ.प्र.)
लौकिक शिक्षा	बी.एस.सी., एल.एल.बी., सरकारी अध्यापक
ब्रह्मचर्य व्रत व 2 प्रतिमा	19 मार्च, 2015, बोलखेड़ा (राज.)
सात प्रतिमा	19 अप्रैल, 2015, दिल्ली
ब्रह्मचारी नाम	ब्र. दिव्य प्रकाश जी
क्षुल्लक दीक्षा	04 दिसम्बर, 2016, श्री जम्बूस्वामी तपोस्थली, बौलखेड़ा (राज.)
नाम	क्षु. श्री पुण्यानंद जी
ऐलक दीक्षा	02 मार्च, 2018, सिद्धक्षेत्र, सोनागिर (म.प्र.)
नाम	ऐलक श्री पुण्यानंद जी
मुनि दीक्षा	25 अप्रैल, 2018, हथिनी, दमोह (म.प्र.) पंचकल्याणक प्रतिष्ठा में
नामकरण	मुनि श्री पुण्यानन्द जी
गुरु	प.पू. आचार्य श्री वसुनन्दी जी मुनिराज

चातुर्मास

2017	फरीदाबाद सै. 16, (हरियाणा)
2018	श्री जिनशासन तीर्थ, अजमेर (राज.)
2019	असोड़ा हाउस, मेरठ (उ.प्र.)
2020	श्री जमबूस्वामी तपोस्थली, बौलखेड़ा (राज.)
2021	सि.क्षे. तारंगा जी (गुज.)
2022	बोरीवली, मुम्बई (महाराष्ट्र)

मुनि श्री शुभानंद जी मुनिराज

पूर्व नाम	श्री कन्हैया जैन
माता का नाम	श्रीमती शीला देवी जैन
पिता का नाम	डॉ. श्री मोहन जैन
जन्म	22 दिसम्बर, 1997
स्थान	जूनथर डीग, भरतपुर (राज.)
लौकिक शिक्षा	इंटर, आई.टी.आई.
ब्रह्मचर्य व्रत	8 फरवरी, 2018, मनियाँ धौलपुर (राज.)
नामकरण	बा.ब्र. परमाशीष भैया जी
दो प्रतिमा ब्रत	11 फरवरी, 2019, प्रशांत विहार, दिल्ली
7 प्रतिमा व्रत	9 अगस्त, 2020, बौलखेड़ा (राज.)
क्षुल्लक दीक्षा	25 फरवरी, 2021, बौलखेड़ा (राज.)
नामकरण	क्षु. चर्यानन्द जी
ऐलक दीक्षा	16 अक्टूबर 2021, तारंगा जी तपोवन (गुज.)
नामकरण	ऐलक चर्यानंद जी
मुनि दीक्षा	12 मई, 2022, सि.क्षे. मांगीतुंगी (महा.)
नाम	मुनि श्री शुभानंद जी
गुरु	प.पू. आचार्य श्री वसुनन्दी जी मुनिराज

चातुर्मास

2021 आ.श्री विद्यासागर तपोवन, तारंगा जी (गुजरात)

2022 बोरीवली, मुम्बई (महा.)

मुनि श्री सदानंद जी

गृहस्थ अवस्था का नाम	छत्रपाल जैन/सुरेश चन्द जैन 'नायक'
माता का नाम	श्रीमती जैनमति जैन
पिता का नाम	श्री शान्तिलाल जैन
जन्म स्थान	राजाखेड़ा (राज.)
पत्नी का नाम	श्रीमती ललितेश जैन
ब्रह्मचर्य व्रत	राजाखेड़ा सन् 2000 (मुनि पुण्यसागर जी से)
दो प्रतिमा व्रत	सन् 2003 वर्षायोग राजाखेड़ा (आ. विनिश्चय सागर जी से)
तीन प्रतिमा व्रत	दिसम्बर सन् 2010 राजाखेड़ा पंचकल्याणक (एलाचार्य श्री वसुनंदी जी से)
सात प्रतिमा	19 अप्रैल 2015 (दिल्ली)
क्षुल्लक दीक्षा	12 मई 2022, मांगीतुंगी पर्वत (महा.)
नाम	क्षुल्लक श्री अपूर्वानंद जी
ऐलक दीक्षा	20 जून, 2022, अंजनगिरि पर्वत (महा.)
मुनि दीक्षा	08 जनवरी 2023, सर्वार्थ सिद्धिधाम कर्जन (गुज.)
नामकरण	मुनि श्री सदानंद जी
गुरु	प.पू. आचार्य श्री वसुनन्दी जी मुनिराज

चातुर्मास

2022 बोरीवली, मुम्बई (महा.)

मुनि श्री संपूर्णानंद जी

गृहस्थ अवस्था का नाम	श्री पुत्तू लाल जी जैन
माता का नाम	श्रीमती गोमा देवी जैन
पिता का नाम	श्री बाबू लाल जी जैन पद्मावती पुरवाल
पत्नी का नाम	श्रीमती सरोज जैन (सप्तम प्रतिमाधारी)
जन्म स्थान	मुढ़समा जिला एटा (उ.प्र.)
लौकिक शिक्षा	चार क्लास
ब्रह्मचर्य व्रत	तिजारा में 2006
नाम	ब्र. धैर्यप्रकाश जी
दो प्रतिमा ब्रत	29 मार्च, 2015 बौलखेड़ा (राज.)
क्षुल्लक दीक्षा	25 फरवरी 2021, बौलखेड़ा (राज.)
नाम	मुनि श्री सम्पूर्णानंद जी
मुनि दीक्षा व समाधि	2 नवम्बर, 2022, बोरीवली मुंबई, 11:51 बजे
गुरु	प.पू. आचार्य श्री वसुनन्दी जी मुनिराज

चातुर्मास

2021	सलुम्बर (राज.)
2022	बोरीवली, मुम्बई (महा.)

गणिनी आर्यिका श्री गुरुनन्दनी माताजी

पूर्व नाम	कु. क्रांति जैन
माता का नाम	श्रीमती शांतिबाई जैन
पिता का नाम	श्री डालचन्द जैन
जन्म	चैत्र शुक्ल पूर्णिमा, 11 अप्रैल, 1965
लौकिक शिक्षा	इंटर
ब्रह्मचर्य व्रत	11 अक्टूबर, 1992, द्रोणगिरि (म.प्र.)
आर्यिका दीक्षा	26 फरवरी, 1995, (आहार जी, फाल्गुन कृष्ण 12)
नामकरण	आर्यिका श्री विधिश्री माताजी
संघनायिका उपाधि	30 नवम्बर, 2008, सीकरी (राज.)
नाम परिवर्तन	आर्यिका श्री गुरुनन्दनी माताजी
गणिनी पद	3 जनवरी, 2013, टूण्डला (उ.प्र.)
नामकरण	गणिनी आर्यिका श्री गुरुनन्दनी माजाती
गुरु	प.पू. आचार्य श्री वसुनन्दी जी मुनिराज

चातुर्मास

1995	ललितपुर (उ.प्र.)	2008	जुरहरा (राज.)
1996	कटनी (म.प्र.)	2009	जेवर (उ.प्र.)
1997	भिण्ड (म.प्र.)	2010	आगरा (उ.प्र.)
1998	महगाँव (म.प्र.)	2011	जयपुर (राज.)
1999	महगाँव (म.प्र.)	2012	टूण्डला (उ.प्र.)
2000	रीवा (म.प्र.)	2013	गुड़गाँव (हरियाणा)
2001	कटनी (म.प्र.)	2014	शकरपुर (दिल्ली)
2002	शाहगढ़, सागर (म.प्र.)	2015	रेवाड़ी (हरियाणा)
2003	शाहगढ़, सागर (म.प्र.)	2016	सम्मेद शिखर जी (झारखण्ड)
2004	ग्रीनपार्क, दिल्ली	2017	जटवाड़ा, औरंगाबाद (महा.)
2005	घेर खोखल (फिरोजाबाद)	2018	सेलम (तमिलनाडु)
2006	मनियां (राज.)	2019	चेन्नई (तमिलनाडु)
2007	शिकोहाबाद (उ.प्र.)	2020	पोन्नूरमलै (तमिलनाडु)
		2021	तपोनिलय पौन्नूरमल (तमिलनाडु)
		2022	पॉण्डिचेरी

आर्यिका श्री ब्रह्मनन्दनी माताजी

पूर्व नाम	कु. मधु जैन
माता का नाम	श्रीमती मुन्नी देवी जैन
पिता का नाम	श्री नन्नूमल जैन
जन्म	5 सितम्बर, 1976, फिरोजाबाद (उ.प्र.)
लौकिक शिक्षा	एम.ए. (हिन्दी, मनोविज्ञान)
ब्रह्मचर्य व्रत	1995
सात प्रतिमा	2001
क्षुल्लक दीक्षा	7 मई, 2006, टूण्डला (उ.प्र.)
नामकरण	क्षुल्लिका श्री अरहंतनन्दनी माताजी
आर्यिका दीक्षा	30 नवम्बर, 2008, सीकरी (राज.)
नामकरण	आर्यिका श्री ब्रह्मनन्दनी माताजी
गुरु	प.पू. आचार्य श्री वसुनन्दी जी मुनिराज

चातुर्मास

2006	मनियां (राज.)	2015	रेवाड़ी (हरियाणा)
2007	शिकोहाबाद (उ.प्र.)	2016	सम्मेद शिखर (झारखण्ड)
2008	जुरहरा (राज.)	2017	जटवाड़ा, औरंगाबाद (महा.)
2009	जेवर (उ.प्र.)	2018	सेलम (तमिलनाडु)
2010	आगरा (उ.प्र.)	2019	चेन्नई (तमिलनाडु)
2011	जयपुर (राज.)	2020	पौन्नूरमलै (तमिलनाडु)
2012	टूण्डला (उ.प्र.)	2021	तपोनिलय पौन्नूरमैल (तमिलनाडु)
2013	गुड़गाँव (हरियाणा)	2022	पॉण्डिचेरी
2014	शकरपुर (दिल्ली)		

आर्यिका श्री श्रीनन्दनी माताजी

पूर्व नाम	कु. संस्कृति जैन 'टोनी'
माता का नाम	श्रीमती जयन्ती जैन
पिता का नाम	श्री विरती जैन सेठ
जन्म	30 नवम्बर, 1982, शाहगढ़, सागर (म.प्र.)
लौकिक शिक्षा	बी.ए.
ब्रह्मचर्य व्रत	2003, शाहगढ़, सागर (म.प्र.)
सात प्रतिमा	16 नवम्बर, 2004, कृष्णा नगर (दिल्ली)
क्षुल्लिका दीक्षा	7 मई, 2006, टूण्डला (उ.प्र.)
नामकरण	क्षुल्लिका श्री धर्मनन्दनी माताजी
आर्यिका दीक्षा	30 नवम्बर, 2008, सीकरी (राज.)
नामकरण	आर्यिका श्री श्रीनन्दनी माताजी
गुरु	प.पू. आचार्य श्री वसुनन्दी जी मुनिराज

चातुर्मास

2006	मनियां (राज.)
2007	शिकोहाबाद (उ.प्र.)
2008	जुरहरा (राज.)
2009	जेवर (उ.प्र.)
2010	आगरा (उ.प्र.)
2011	जयपुर (राज.)
2012	टूण्डला (उ.प्र.)
2013	गुड़गाँव (हरियाणा)
2014	शकरपुर (दिल्ली)
2015	रेवाड़ी (हरियाणा)
2016	सम्मेद शिखर (झारखण्ड)
2017	जटवाड़ा, औरंगाबाद (महा.)
2018	सेलम (तमिलनाडु)
2019	चेन्नई (तमिलनाडु)
2020	पौन्नूरमलै (तमिलनाडु)
2021	तपोनिलय पौन्नूरमैल (तमिलनाडु)
2022	पॉण्डिचेरी

आर्यिका श्री सौम्यनन्दनी माताजी

पूर्व नाम	कु. दिव्यांशी जैन (अंजना)
माता का नाम	श्रीमती विजयाबाई जैन (वर्तमान में आर्यिका श्री वीरनन्दनी माताजी)
पिता का नाम	श्री मन्नु लाल जैन 'बजाज'
जन्म	2 अगस्त, 1976, मोक्ष सप्तमी
स्थान	लकलका, दमोह (म.प्र.)
लौकिक शिक्षा	एम.ए. (संस्कृत)
ब्रह्मचर्य व्रत	1994, सागर (म.प्र.)
सात प्रतिमा	2001, ग्रीन पार्क, दिल्ली
आर्यिका दीक्षा	30 नवम्बर, 2008, सीकरी (राज.)
नामकरण	आर्यिका श्री सौम्यनन्दनी माताजी
गुरु	प.पू. आचार्य श्री वसुनन्दी जी मुनिराज

चातुर्मास

2009	जेवर (उ.प्र.)
2010	आगरा (उ.प्र.)
2011	अलीगढ़ (उ.प्र.)
2012	हस्तिनापुर (उ.प्र.)
2013	शौरीपुरी, बटेश्वर (उ.प्र.)
2014	श्री जम्बूस्वामी तपोस्थली, बौलखेड़ा (राज.)
2015	बांदकपुर, दमोह (म.प्र.)
2016	हथिनी, दमोह (म.प्र.)
2017	वरगी, जबलपुर (म.प्र.)
2018	सिंघई मंदिर, दमोह (म.प्र.)
2019	कोटा (राज.)
2020	गनौडा, बांसवाड़ा (राज.)
2021	बाहुबली विहार, उदयपुर (राज.)
2022	जोटवाड़ा, जयपुर (राज.)

आचार्य श्री वसुनन्दी जी महाराज निरंतर ध्यान अध्ययन में संलग्न हैं। मुनि धर्म का पालन कर रहे हैं, करा रहे हैं और श्रावक धर्म का उपदेश कर श्रावक समूह को कल्याणक मार्ग दिखा रहे हैं।

इस वर्ष दशलक्षण पर्व में आपके निकट रहकर आत्मचिंतन, जिज्ञासा, समाधान एवं जैनागम के अनेक गूढ़ रहस्यों का ज्ञान प्राप्त करने का अवसर प्राप्त हुआ। आपकी दिनचर्या देखकर लगा कि आपको जिनवाणी के अध्ययन, मनन, चिंतन, पठन-पाठन आदि के प्रति अत्यन्त लगन है, आप कभी कोई समय व्यर्थ नहीं जाने देते हैं। अपना उपयोग हमेशा विद्याभ्यास में लगाते हैं। परिणामत: संघस्थ साधुओं को अनेक ग्रन्थों का अध्ययन है सभी साधु प्रज्ञावान हैं।

यह सब विशेषतायें आपके लम्बे समीचीन जीवन के कारण संभव हो सका है। आपकी सरलता, सहजता, निस्पृहता और उदारता श्लाघनीय है। वात्सल्य भाव का प्रकट रूप से आप में दर्शन ही नहीं अपितु अनुभव भी होता है। आपके अभीक्षण ज्ञानोपयोगिता से हम अभिभूत हैं।

पं. सनत कुमार विनोद कुमार, रजवांस, सागर (म.प्र.)

आर्यिका श्री पद्मनन्दनी माताजी

पूर्व नाम	कु. प्रीति जैन
माता का नाम	श्रीमती आशा जैन चन्देरिया
पिता का नाम	श्री जयकुमार जैन चन्देरिया
जन्म	12 जुलाई, 1979
स्थान	हटा, दमोह (म.प्र.)
लौकिक शिक्षा	बी.ए., बी.एड.
ब्रह्मचर्य व्रत	12 जुलाई, 1996
सात प्रतिमा	11 अक्टूबर, 2006
आर्यिका दीक्षा	30 नवम्बर, 2008, सीकरी (राज.)
नामकरण	आर्यिका श्री पद्मनन्दनी माताजी
गुरु	प.पू. आचार्य श्री वसुनन्दी जी मुनिराज

चातुर्मास

2009	जेवर (उ.प्र.)	2017	जटवाड़ा, औरंगाबाद (महा.)
2010	आगरा (उ.प्र.)	2018	अ.क्षे. हटा, टीकमगढ़ (म.प्र.)
2011	जयपुर (राज.)	2019	गौतमपुरी (दिल्ली)
2012	हस्तिनापुर (उ.प्र.)	2020	जुरहरा (राज.)
2013	गुड़गाँव (हरियाणा)	2021	आयड़, उदयपुर (राज.)
2014	शकरपुर (दिल्ली)	2022	पीतमपुरा (दिल्ली)
2015	शंकर नगर, (दिल्ली)		
2016	मॉडल टाउन (दिल्ली)		

17 फरवरी को आचार्य श्री विद्यानंद जी ने मुनि श्री निर्णयसागर पर विधिवत सुसंस्कार करने के पश्चात् घोषित किया कि आज से मुनि श्री निर्णयसागर जी को उपाध्याय श्री निर्णयसागर जी कहकर सम्बोधित किया जाएगा।

वर्तमान में आचार्य श्री वसुनन्दी जी महाराज का संघ आगम के अनुरूप परम्परा की गरिमा को दृढ़ता के साथ पालन कर रहा है। वे अपने मंगल प्रवचनों में विषय का ध्यान रखते हुए अपनी बात प्रमाणिकता के साथ सुगम-सरल भाषा में ही रखते हैं। उनके पास ज्ञान-ध्यान-क्रिया-शोधक उपकरणों के अतिरिक्त बाहरी आडम्बर परिग्रह आदि नहीं हैं।

सतीश जैन (आकाशवाणी) मयूर विहार, दिल्ली

आर्यिका श्री वीरनन्दनी माताजी

गृहस्थ अवस्था का नाम	श्रीमति विजयाबाई जैन
माता का नाम	श्रीमती चम्पाबाई जैन
पिता का नाम	श्री प्रेमचन्द जैन (समाधिस्थ मुनि सम्मेद सागर जी)
पति	श्री मन्नुलाल जैन 'बजाज'
जन्म	13 दिसम्बर, 1949
स्थान	तड़ा केसली, सागर (म.प्र.)
आजीवन ब्रह्मचर्य व्रत	कुण्डलपुर, 1995 (आ. विद्यासागर जी से)
सात प्रतिमा	सागर, 2001 (आ. विद्यासागर जी से)
क्षुल्लिका दीक्षा	13 दिसम्बर, 2010, राजाखेड़ा (राज.) पंचकल्याणक प्रतिष्ठा
नामकरण	क्षुल्लिका श्री वीरनन्दनी माताजी
आर्यिका दीक्षा	9 मार्च, 2014, श्री जम्बूस्वामी तपोस्थली (राज.)
नामकरण	आर्यिका श्री वीरनन्दनी माताजी
गुरु	प.पू. आचार्य श्री वसुनन्दी जी मुनिराज

चातुर्मास

2011	अलीगढ़ (उ.प्र.;	2017	वरगी जबलपुर, (म.प्र.)
2012	टूण्डला (उ.प्र.)	2018	सिंघई मन्दिर, दमोह (म.प्र.)
2013	शौरीपुर, बटेश्वर (उ.प्र.)	2019	गनौडा, बांसवाड़ा (राज.)
2014	श्री जम्बूस्वामी तपोस्थली, बौलखेड़ा (राज.)	2020	कोटा (राज.)
		2021	बाहुबली विहार, उदयपुर (राज.)
2015	बांदकपुर, दमोह (म.प्र.)	2022	जोटवाड़ा, जयपुर (राज.)
2016	हथिनी, दमोह (म.प्र.)		

अथक परिश्रम, मनोबल और साहस के धनी मुनिवर कुशल वक्ता, श्रेष्ठ लेखक अनेक भाषाओं, बोलियों, लिपियों और ग्रन्थों के ज्ञाता गुरुवर, कुशल लेखक, संपादक, कवि तथा दूरदर्शी व्यक्तित्व के धनी हैं। दिगम्बर वेष धारण कर उसके अनुरूप संयम साधना का पालन करने वाले हमारे श्री आचार्य, महासंयमी, तपस्वी वात्सल्य एवं दया की प्रतिमूर्ति महान आचार्य श्री वसुनंदी जी महाराज युगों-युगों तक हमें आशीष देवें ऐसी हम समस्त जीवों की कामना है।

सूबेदार मोनिका जैन जूनियर रिजर्व इंस्टपेक्टर, गुना (म.प्र.)

आर्यिका श्री वर्द्धस्वनन्दनी माताजी

पूर्व नाम	कु. शिल्पी जैन
माता का नाम	श्रीमती अंजली (डोली) जैन
पिता का नाम	श्री मोहन लाल जैन
जन्म	28 नवम्बर, 1988, सोमवार
स्थान	कचहरी रोड़ मेरठ (उ.प्र.)
लौकिक शिक्षा	एम.सी.ए.
ब्रह्मचर्य व्रत	2003, मेरठ (उ.प्र.)
आठ प्रतिमा	13 मार्च, 2014, श्री जम्बूस्वामी तपोस्थली, बौलखेड़ा (राज.)
आर्यिका दीक्षा	19 अप्रैल, 2015, डी.ए.वी. ग्राउण्ड, शंकर नगर, दिल्ली
नामकरण	आर्यिका श्री वर्द्धस्वनन्दनी माताजी
गुरु	प.पू. आचार्य श्री वसुनन्दी जी मुनिराज

चातुर्मास

2015	अलवर (राज.)
2016	मानसरोवर, जयपुर (राज.)
2017	सै. 50, नोएडा (उ.प्र.)
2018	बैंक एन्क्लेव (दिल्ली)
2019	कालका जी (दिल्ली)
2020	श्री जम्बूस्वामी तपोस्थली, बौलखेड़ा (राज.)
2021	सि.क्षे. तारंगा जी (गुज.)
2022	अहुरानगर, सूरत (गुज.)

आर्यिका श्री वर्चस्वनन्दनी माताजी

पूर्व नाम	कु. साक्षी जैन
माता का नाम	श्रीमती सन्तोष जैन
पिता का नाम	श्री राकेश जैन
जन्म	22 फरवरी, 1990 (गुरुवार)
स्थान	सदर, मेरठ (उ.प्र.)
लौकिक शिक्षा	बी.ए.
ब्रह्मचर्य व्रत	2002, मेरठ (उ.प्र.)
आठ प्रतिमा	13 मार्च, 2014, श्री जम्बूस्वामी तपोस्थली, बौलखेड़ा (राज.)
आर्यिका दीक्षा	19 अप्रैल, 2015, दिल्ली
नामकरण	आर्यिका श्री वर्चस्वनन्दनी माताजी
गुरु	प.पू. आचार्य श्री वसुनन्दी जी मुनिराज

चातुर्मास

2015	अलवर (राज.)
2016	मानसरोवर, जयपुर (राज.)
2017	सै. 50, नोएडा (उ.प्र.)
2018	बैंक एन्क्लेव (दिल्ली)
2019	कालका जी (दिल्ली)
2020	श्री जम्बूस्वामी तपोस्थली, बौलखेड़ा (राज.)
2021	सि.क्षे. तारंगा जी (गुज.)
2022	अहुरानगर, सूरत (गुज.)

आर्यिका श्री श्रेयनन्दनी माताजी

पूर्व नाम	कु. अंशु जैन (श्रेया दीदी)
माता का नाम	श्रीमती राजुल जैन
पिता का नाम	श्री प्रेमचन्द जैन
जन्म	24 जनवरी, 1981
स्थान	तिजारा, (राज.)
लौकिक शिक्षा	एम.ए. (हिन्दी)
ब्रह्मचर्य व्रत	2007, तिजारा (राज.)
सात प्रतिमा	15 जनवरी, 2011, शौरिपुर (उ.प्र.)
आर्यिका दीक्षा	19 अप्रैल, 2015, दिल्ली
नामकरण	आर्यिका श्री श्रेयनन्दनी माताजी
गुरु	प.पू. आचार्य श्री वसुनन्दी जी मुनिराज

चातुर्मास

2015	अलवर (राज.)
2016	मानसरोवर, जयपुर (राज.)
2017	सै. 50, नोएडा (उ.प्र.)
2018	बैंक एन्क्लेव (दिल्ली)
2019	कालका जी (दिल्ली)
2020	श्री जम्बूस्वामी तपोस्थली, बौलखेड़ा (राज.)
2021	सि.क्षे. तारंगा जी (गुज.)
2022	अहुरानगर, सूरत (गुज.)

आर्यिका श्री प्रबोधनन्दनी माताजी

पूर्व नाम	कु. रिंकी जैन (गरिमा दीदी)
माता का नाम	श्रीमती सरला देवी जैन
पिता का नाम	श्री सुभाषचन्द जैन
जन्म	23 नवंबर, 1982, (मंगलवार)
स्थान	(गुजरात) हाल निवासी राजाखेड़ा
लौकिक शिक्षा	एम.ए. (हिन्दी)
ब्रह्मचर्य व्रत	13 दिसम्बर, 2010, राजाखेड़ा (राज.)
सात प्रतिमा	08 सितम्बर, 2013, बौलखेड़ा (राज.)
आर्यिका दीक्षा	19 अप्रैल, 2015, दिल्ली
नामकरण	आर्यिका श्री प्रबोधनन्दनी माताजी
गुरु	प.पू. आचार्य श्री वसुनन्दी जी मुनिराज

चातुर्मास

2015	रेवाड़ी (हरियाणा)	2019	चैन्नई (तमिलनाडु)
2016	सम्मेद शिखर जी (झार.)	2020	पौन्नूरमलै (तमिलनाडु)
2017	जटवाड़ा, औरंगाबाद (महा.)	2021	तपोनिलय, पौन्नूरमलै (तमिलनाडु)
2018	सेलम (तमिलनाडु)	2022	पॉण्डिचेरी

आर्यिका श्री सुरम्यनन्दनी माताजी

पूर्व नाम	कु. प्रीति जैन (लघिमा दीदी)
माता का नाम	श्रीमती ललितेश जैन
पिता का नाम	श्री सुरेशचंद जेन
जन्म	08 दिसम्बर, 1986, सोमवार
स्थान	राजाखेड़ा, धौलपुर (राज.)
लौकिक शिक्षा	एम.ए. (हिन्दी)
सात प्रतिमा	08 सितम्बर, 2013, श्री जम्बूस्वामी तपोस्थली, बौलखेड़ा (राज.)
आर्यिका दीक्षा	19 अप्रैल, 2015, दिल्ली
नामकरण	आर्यिका श्री सुरम्यनन्दनी माताजी
गुरु	प.पू. आचार्य श्री वसुनन्दी जी मुनिराज

चातुर्मास

2015	अलवर (राज.)
2016	मानसरोवर, जयपुर (राज.)
2017	सै. 50, नोएडा (उ.प्र.)
2018	बैंक एन्क्लेव (दिल्ली)
2019	कालका जी (दिल्ली)
2020	श्री जम्बूस्वामी तपोस्थली, बौलखेड़ा (राज.)
2021	सि.क्षे. तारंगा जी (गुज.)
2022	अहुरानगर, सूरत (गुज.)

आर्यिका श्री यशोनन्दनी माताजी

पूर्व नाम	कु. नेहा जैन (संस्तुति दीदी)
माता का नाम	श्रीमती संगीता जैन
पिता का नाम	श्री प्रवीण कुमार जैन
जन्म	14 अगस्त, 1985
स्थान	फिरोजाबाद, (उ.प्र.)
लौकिक शिक्षा	बी.एस.सी (होम साइंस)
ब्रह्मचर्य व्रत	06 फरवरी, 2011
सात प्रतिमा	08 सितम्बर, 2013, श्री जम्बूस्वामी तपोस्थली, बौलखेड़ा (राज.)
आर्यिका दीक्षा	19 अप्रैल, 2015, दिल्ली
नामकरण	आर्यिका श्री यशोनन्दनी माताजी
गुरु	प.पू. आचार्य श्री वसुनन्दी जी मुनिराज

चातुर्मास

2015	अलवर (राज.)
2016	मानसरोवर, जयपुर (राज.)
2017	सै. 50, नोएडा (उ.प्र.)
2018	बैंक एन्क्लेव (दिल्ली)
2019	कालका जी (दिल्ली)
2020	श्री जम्बूस्वामी तपोस्थली, बौलखेड़ा (राज.)
2021	सि.क्षे. तारंगा जी (गुज.)
2022	अहुरानगर, सूरत (गुज.)

आर्यिका श्री सुयोग्यनन्दनी माताजी

पूर्व नाम	कु. निधि जैन (स्तुति दीदी)
माता का नाम	श्रीमती सीमा जैन
पिता का नाम	श्री विनोद कुमार जैन
जन्म	14 अगस्त, 1997
स्थान	मनियां (राज.)
लौकिक शिक्षा	इंटर
ब्रह्मचर्य व्रत	फरवरी, 2011
सात प्रतिमा	13 मार्च, 2014, श्री जम्बूस्वामी तपोस्थली, बौलखेड़ा (राज.)
आर्यिका दीक्षा	19 अप्रैल, 2015, दिल्ली
नामकरण	आर्यिका श्री सुयोग्यनन्दनी माताजी
गुरु	प.पू. आचार्य श्री वसुनन्दी जी मुनिराज

चातुर्मास

2015	रेवाड़ी (हरियाणा)	2019	कोटा (राज.)
2016	हथिनी, दमोह (म.प्र.)	2020	गनौड़ा (राज.)
2017	वरगी, जबलपुर (म.प्र.)	2021	बाहुबलि विहार, उदयपुर (राज.)
2018	सिंघई मन्दिर, दमोह (म.प्र.)	2022	जोटवाड़ा, जयपुर (राज.)

आर्यिका श्री प्रकाम्यनन्दनी माताजी

पूर्व नाम	कु. निधि जैन (प्रस्तुति दीदी)
माता का नाम	श्रीमती आरती जैन
पिता का नाम	श्री विनोद जैन
जन्म	1 अक्टूबर, 1995
स्थान	फिरोजाबाद (उ.प्र.)
लौकिक शिक्षा	सी.ए.
ब्रह्मचर्य व्रत	26 फरवरी, 2013
दो प्रतिमा	03 जनवरी, 2015
आर्यिका दीक्षा	19 अप्रैल, 2015, शंकर नगर (दिल्ली)
नामकरण	आर्यिका श्री प्रकाम्यनन्दनी माताजी
गुरु	प.पू. आचार्य श्री वसुनन्दी जी मुनिराज

चातुर्मास

2015	रेवाड़ी (हरियाणा)	2019	चैन्नई (तमिलनाडु)
2016	सम्मेद शिखर जी (झार.)	2020	पौन्नूरमलै (तमिलनाडु)
2017	जटवाड़ा, औरंगाबाद (महा.)	2021	तपोनिलय, पौन्नूरमलै (तमिलनाडु)
2018	सेलम (तमिलनाडु)	2022	पॉण्डिचेरी

आर्यिका श्री देवनन्दनी माताजी

गृहस्थ अवस्था का नाम	श्रीमती सरला जैन
माता का नाम	श्रीमती बिट्टो देवी जैन
पिता का नाम	श्री प्रेमचंद जैन
पति का नाम	श्री सतीश चंद जैन
जन्म	गयेथु (उ.प्र.)
लौकिक शिक्षा	मैट्रिक
ब्रह्मचर्य व्रत	2007
सात प्रतिमा	नवम्बर, 2011
आठ प्रतिमा	जुलाई 2014
आर्यिका दीक्षा	19 अप्रैल, 2015, शंकर नगर, दिल्ली
नामकरण	आर्यिका श्री देवनन्दनी माताजी
गुरु	प.पू. आचार्य श्री वसुनन्दी जी मुनिराज

चातुर्मास

2015	रेवाड़ी (हरियाणा)
2016	सम्मेद शिखर जी (झार.)
2017	जटवाड़ा, औरंगाबाद (महा.)
2018	सेलम (तमिलनाडु)
2019	चैन्नई (त.ना.)
2020	पौन्नूरमलै (तमिलनाडु)
2021	तपोनिलय, पौन्नूरमलै (तमिलनाडु)
2022	पॉण्डिचेरी

आर्यिका श्री प्रभानन्दनी माताजी

गृहस्थ अवस्था का नाम	श्रीमती मंजू जैन (ब्र. सुप्रभा दीदी)
माता का नाम	श्रीमती किरण देवी जैन
पिता का नाम	श्री सुरेन्द्र कुमार जैन
पति का नाम	श्री मुकेश जेन (वर्तमान में मुनि श्री संयमानंद जी)
जन्म	21 अक्टूबर, 1958
स्थान	फिल्मीस्तान, मॉडल बस्ती, दिल्ली
लौकिक शिक्षा	बी.ए.
सात प्रतिमा	2010 (आ. श्री विद्यासागर जी से)
आठ प्रतिमा	03 अगस्त, 2014 (अजमेर, राज.)
आर्यिका दीक्षा	19 अप्रैल, 2015, (दिल्ली)
नामकरण	आर्यिका श्री प्रभानन्दनी माताजी
गुरु	प.पू. आचार्य श्री वसुनन्दी जी मुनिराज

चातुर्मास

2015	शंकर नगर, दिल्ली
2016	मॉडल टाउन, दिल्ली
2017	जटवाड़ा, औरंगाबाद (महा.)
2018	सेलम (तमिलनाडु)
2019	चैन्नई (त.ना.)
2020	पौन्नूरमलै (तमिलनाडु)
2021	तपोनिलय, पौन्नूरमलै (तमिलनाडु)
2022	पॉण्डिचेरी

आर्यिका श्री श्रुतनन्दनी माताजी

पूर्व नाम	कु. माधुरी जैन
माता का नाम	श्रीमती सरोज जैन
पिता का नाम	श्री भागचंद जैन
जन्म	31 दिसम्बर 1980
स्थान	आगरा (उ.प्र.)
लौकिक शिक्षा	एम.ए. (इतिहास)
ब्रह्मचर्य व्रत	13 दिसम्बर 2010, राजाखेड़ा (राज.) पंचकल्याणक प्रतिष्ठा
आर्यिका दीक्षा	26 अप्रैल, 2018, हथिनी (म.प्र.) पंचकल्याणक प्रतिष्ठा
नामकरण	आर्यिका श्री श्रुतनंदनी जी
गुरु	प.पू. आचार्य श्री वसुनन्दी जी मुनिराज

चातुर्मास

2018	सिंघई मन्दिर (दमोह, म.प्र.)
2019	कोटा (राज.)
2020	गनौड़ा, बाँसवाड़ा (राज.)
2021	बाहुबली विहार, उदयपुर (राज.)
2022	जोटवाड़ा, जयपुर (राज.)

आर्यिका श्री तीर्थनन्दनी माताजी

गृहस्थ अवस्था का नाम	श्रीमति उर्मिला जैन (ब्र. शीलप्रभा जी)
माता का नाम	श्रीमती दर्शन देवी जी
पिता का नाम	श्री सुमेरचंद जी
पति का नाम	श्री देवकुमार जी (वर्तमान में मुनि श्री पुण्यानंद जी)
जन्म	01 दिसम्बर, 1961, सहारनपुर (उ.प्र.)
लौकिक शिक्षा	बी.ए.
ब्रह्मचर्य व्रत व 2 प्रतिमा	19 मार्च, 2015, बौलखेड़ा (राज.)
सात प्रतिमा	19 अप्रैल, 2015 (दिल्ली)
क्षुल्लिका दीक्षा	12 जनवरी, 2018, बौलखेड़ा, (राज.)
नामकरण	क्षुल्लिका श्री तीर्थनन्दनी माता जी
आर्यिका दीक्षा	22 फरवरी, 2021, बौलखेड़ा, (राज.)
नाम	आर्यिका श्री तीर्थनंदनी जी
समाधि	05 जनवरी 2021, बौलखेड़ा (राज.)
गुरु	प.पू. आचार्य श्री वसुनन्दी जी मुनिराज

चातुर्मास

2018	बैंक एन्क्लेव, दिल्ली
2019	कालका जी, दिल्ली
2020	श्री जम्बूस्वामी तपोस्थली, बौलखेड़ा (राज.)
2021	सि.क्षे. तारंगा जी (गुज.)
2022	अरूहानगर, सूरत (गुज.)

ऐलक श्री विज्ञानसागर जी महाराज

पूर्व का नाम	श्री हरीशचन्द्र जैन
माता का नाम	श्रीमती केशरबाई जैन (समाधिस्थ क्षु. निर्वाणनंदनी जी)
पिता का नाम	श्री प्रेमचन्द जैन धमासिया
जन्म	21 अगस्त 1973, जन्माष्टमी, टीकमगढ़ (म.प्र.)
लौकिक शिक्षा	इंटर
ब्रह्मचर्य व्रत	19 अक्टूबर 1990, टीकमगढ़ (म.प्र.)
क्षुल्लक दीक्षा	19 जून 1991, श्रेयांसगिरी (म.प्र.)
नामकरण	क्षुल्लक श्री विज्ञानसागर जी
ऐलक दीक्षा	19 दिसम्बर 1993, श्रेयांसगिरी (म.प्र.)
नामकरण	ऐलक श्री विज्ञानसागर जी
गुरु	प.पू. आचार्य श्री वसुनन्दी जी मुनिराज

चातुर्मास

1991	श्रेयांसगिरी (म.प्र.)	2007	जय शांतिसागर निकेतन, मण्डोला (उ.प्र.)
1992	सम्मेद शिखर जी (झार.)	2008	जय शांतिसागर निकेतन, मण्डोला (उ.प्र.)
1993	श्रेयांसगिरी (म.प्र.)	2009	विश्वासनगर, दिल्ली
1994	सागर (म.प्र.)	2010	जय शांतिसागर निकेतन, मण्डोला (उ.प्र.)
1995	टीकमगढ़ (म.प्र.)	2011	जय शांतिसागर निकेतन, मण्डोला (उ.प्र.)
1996	भोपाल (म.प्र.)	2012	जय शांतिसागर निकेतन, मण्डोला (उ.प्र.)
1997	गुना (म.प्र.)	2013	जय शांतिसागर निकेतन, मण्डोला (उ.प्र.)
1998	बण्डा (म.प्र.)	2014	जय शांतिसागर निकेतन, मण्डोला (उ.प्र.)
1999	धनौरा (म.प्र.)	2015	जय शांतिसागर निकेतन, मण्डोला (उ.प्र.)
2000	सिवनी (म.प्र.)	2016	जय शांतिसागर निकेतन, मण्डोला (उ.प्र.)
2001	नागपुर (महा.)	2017	जय शांतिसागर निकेतन, मण्डोला (उ.प्र.)
2002	नागपुर (महा.)	2018	शामली (उ.प्र.)
2003	करनाल (हरि.)	2019	कबूल नगर (दिल्ली)
2004	बड़ौत (उ.प्र.)	2020	जय शांतिसागर निकेतन, मण्डोला (उ.प्र.)
2005	सहारनपुर (उ.प्र.)	2021	जय शांतिसागर निकेतन, मण्डोला (उ.प्र.)
2006	बड़ौत (उ.प्र.)	2022	जय शांतिसागर निकेतन, मण्डोला (उ.प्र.)

क्षुल्लक श्री विशंकसागर जी महाराज

पूर्व नाम	श्री संदीप जैन
माता का नाम	श्रीमती द्रोपदी बाई जैन
पिता का नाम	श्री शान्त कुमार जैन
जन्म	06 सितम्बर, 1972, पन्ना (म.प्र.)
लौकिक शिक्षा	बी.एस.सी.
ब्रह्मचर्य व्रत	19 जून, 1991, पन्ना (म.प्र.)
सात प्रतिमा	बीना (म.प्र.)
क्षुल्लक दीक्षा	28 जनवरी, 1995, मंगलगिरि, सागर (म.प्र.)
नामकरण	क्षुल्लक श्री विशंकसागर जी
गुरु	प.पू. आचार्य श्री वसुनन्दी जी मुनिराज

चातुर्मास

1995	ललितपुर (उ.प्र.)	1996	दमोह (म.प्र.)
1997	गढ़ाकोटा (म.प्र.)	1998	श्रेयांसगिरि (म.प्र.)
1999	फिरोजाबाद (उ.प्र.)	2000	टूण्डला (उ.प्र.)
2001	ग्रीन पार्क, दिल्ली	2002	सदर बाजाद, मेरठ (उ.प्र.)
2003	शास्त्री नगर, मेरठ (उ.प्र.)	2004	कृष्णा नगर, दिल्ली
2005	शौरीपुर, बटेश्वर (उ.प्र.)	2006	तिजारा (राज.)
2007	मथुरा चौरासी (उ.प्र.)	2008	तिजारा (राज.)
2009	मेरठ महानगर (उ.प्र.)	2010	श्री जम्बूस्वामी तपोस्थली (राज.)
2011	हस्तिनापुर (उ.प्र.)	2012	फिरोजाबाद (उ.प्र.)
2013	श्री जम्बूस्वामी तपोस्थली (राज.)	2014	अजमेर (राज.)
2015	जयपुर (राज.)	2016	श्री जम्बूस्वामी तपोस्थली, बौलखेड़ा (राज.)
2017	फरीदाबाद सै. 16, (हरियाणा)	2018	श्री जिनशासन तीर्थ, अजमेर (राज.)
2019	असोड़ा हाउस, मेरठ (उ.प्र.)	2020	श्री जम्बूस्वामी तपोस्थली, बौलखेड़ा (राज.)
2021	श्री जम्बूस्वामी तपोस्थली, बौलखेड़ा (राज.)	2022	सरधना, मेरठ (उ.प्र.)

क्षुल्लक श्री पूर्णानंद जी

गृहस्थ अवस्था का नाम	श्री उत्तम चन्द जैन
माता का नाम	श्रीमती नत्थो बाई जैन
पिता का नाम	श्री मंगल चन्द जी जैन
पत्नी का नाम	श्रीमती किरण देवी जैन (समाधिस्थ आर्यिका श्री कल्याणनंदनी माता जी)
जन्म	15 मार्च, 1943
स्थान	राजाखेड़ा, जिला धौलपुर (राजस्थान)
लौकिक शिक्षा	हाईस्कूल
ब्रह्मचर्य व्रत	श्री जम्बूस्वामी तपोस्थली बौलखेड़ा, 2016
नाम	ब्र. धर्मप्रकाश भैया जी
दो प्रतिमा व्रत	शौरीपुर बटेश्वर (उ.प्र.) 2005
सात प्रतिमा व्रत	बोलखेड़ा चातुर्मास, 2013
क्षुल्लक दीक्षा	25 फरवरी 2021, बौलखेड़ा (राज.)
नाम	क्षुल्लक श्री पूर्णानंद जी
गुरु	प.पू. आचार्य श्री वसुनन्दी जी मुनिराज

चातुर्मास

2021	सलुम्बर (राज.)
2022	बोरीवली, मुम्बई (महा.)

क्षु. श्री विजयानंद जी महाराज

गृहस्थ अवस्था का नाम	श्री अम्बालाल जैन
माता का नाम	श्रीमती मोहनबाई जैन
पिता का नाम	श्री रिखबदास जी
पत्नी का नाम	श्रीमति सरोज जैन
जन्म	संवत् 2000 ज्येष्ठ वदी अष्टमी
स्थान	भिण्डर (राज.)
लौकिक शिक्षा	मैट्रिक
2 प्रतिमा व्रत (12 वर्ष पालन)	मुनि श्री निर्दोषसागर जी
7 प्रतिमा व्रत (10 वर्ष पालन)	आ. श्री विद्यासागर महाराज
9 प्रतिमा व्रत	आ. श्री विद्यासागर महाराज
10 प्रतिमा व्रत	क्षुल्लक विशंकसागर जी (बौलखेड़ा)
क्षुल्लक दीक्षा	आश्विन शुक्ला-11, संवत 2078 (16 अक्टूबर, 2021) (आ. विद्यासागर तपोवन सिद्धक्षेत्र, तारंगा जी)
नामकरण	क्षुल्लक विजयानंद जी महाराज
गुरु	प.पू. आचार्य श्री वसुनन्दी जी मुनिराज

चातुर्मास

2021	सि.क्षे. तारंगा जी (गुजरात)
2022	बोरीवली, मुम्बई (महा.)

क्षुल्लक श्री श्रुतानंद जी महाराज

पूर्व नाम	श्री आकाश जैन
माता का नाम	श्रीमती ममता जैन
पिता का नाम	श्री मनोज जैन
जन्म	30 जून, 1990, फिरोजाबाद (उ.प्र.)
लौकिक शिक्षा	10वीं
ब्रह्मचर्य व्रत	27 नवम्बर 2021
2 प्रतिमा व्रत	13 मई, 2022, मांगीतुंगी (महा.) पर्वत पर उल्टे बलभद्र की गुफा में
7 प्रतिमा व्रत	19 जून, 2022, अंजनगिरि (महा.)
क्षुल्लक दीक्षा	08 जनवरी 2023, सर्वार्थसिद्धि धाम, कर्जन, (गुज.)
नाम	क्षुल्लक श्री श्रुतानंद जी महाराज
गुरु	प.पू. आचार्य श्री वसुनन्दी जी मुनिराज

क्षुल्लिका श्री परम नंदिनी माताजी

गृहस्थ अवस्था का नाम	श्रीमती सुमन जैन
माता का नाम	श्रीमती सोना देवी जैन
पिता का नाम	श्री जम्बू प्रसाद जी जैन
पति का नाम	श्री प्रमोद जैन
जन्म	15 नवम्बर 1953
स्थान	शाहपुर (मुजफ्फरनगर, उ. प्र)
ब्रह्मचर्य व्रत	- 20 नवम्बर 2008
दो प्रतिमा व्रत	ग.आ.ज्ञानमती जी (हस्तिनापुर)
क्षुल्लिका दीक्षा	25 अक्टूबर, 2020 बोल खेड़ा, (राज.)
नाम	क्षुल्लिका परम नंदिनी माताजी
गुरु	प.पू. आचार्य श्री वसुनंदी जी मुनिराज

चातुर्मास

2021	पायड़, (उदयपुर, राज.)
2022	अहूरा नगर (सूरत गुज.)

क्षुल्लिका श्री लघुनंदनी माताजी

गृहस्थ अवस्था का नाम	श्रीमती शांति बाई जैन
माता का नाम श्री	मती हरबाई जी जैन
पिता का नाम	श्री फत्ती जगाती जैन
पति का नाम	श्री डालचंद जैन
जन्म	वि. सं. 1999 शाहगढ़, (म. प्र.)
लौकिक शिक्षा	प्रथम
ब्रह्मचर्य व्रत	सन 2021
दो प्रतिमा व्रत	सन 2004
क्षुल्लिका दीक्षा	22 अगस्त 2021, तारंगा (गुज.)
नाम	क्षुल्लिका लघुनंदनी माताजी
गुरु	प.पू. आचार्य श्री वसुनंदी जी मुनिराज

चातुर्मास

2021	आ. विद्यासागर तपोवन, तारंगाजी (गुज.)
2022	पोंडिचेरी

क्षुल्लिका श्री समाधिनन्दनी माताजी

गृहस्थ अवस्था का नाम	श्रीमती कनकमाला जैन
जन्म	सलूम्बर (उदयपुर राज.)
पिता का नाम	श्री जोरावर मल जैन मिण्डा,
माता का नाम	श्रीमती गुलाब बाई जैन
पति का कनाम	स्व. नथमलजी मिण्डा, (सप्तम प्रतिमा धारी)
दो प्रतिमा के व्रत	1991 (आ. श्रेयांस सागर जी)
सात प्रतिमा के व्रत	1996 (आ. पद्मनंदीजीसे) रक्षाबंधन
अष्टम प्रतिमा के व्रत	16 जनवरी 2023, (आ. श्री वसुनंदी जी से)
नाम	ब्र. कनकप्रभा
क्षुल्लिका दीक्षा	16 जनवरी, 2023, चंदू जी का गड़ा
नाम	क्षुल्लिका समाधिनंदनी माताजी
गुरू	प.पू. आ. श्री वसुनंदी जी मुनिराज

बा.ब्र. श्री प्रभाशीष भैया

पूर्व नाम	श्री गौरव जैन
माता का नाम	श्रीमती अंजली देवी (डोली)
पिता का नाम	श्री मोहनलाल जैन
जन्म	13 फरवरी, 1986
स्थान	मेरठ (उ.प्र.)
लौकिक शिक्षा	बी.एस.सी.
ब्रह्मचर्य व्रत	नवम्बर 2009, कचहरी रोड, पंचकल्याणक में, मेरठ (उ.प्र.)
नाम	बा.ब्र. प्रभाशीष जी
दो प्रतिमा ब्रत	18 अप्रैल 2018, अक्षय तृतीया, हिंदोरिया, दमोह (म.प्र.)
गुरु	प.पू. आचार्य श्री वसुनन्दी जी मुनिराज

बा.ब्र. सुव्रताशीष भैया

पूर्व नाम	श्री अभय जैन
माता का नाम	श्रीमती पुष्पा देवी जैन
पिता का नाम	श्री प्रकाश चन्द जैन
जन्म	24 नवम्बर, 1975
स्थान	बड़ामलहरा (छतरपुर, म.प्र.)
ब्रह्मचर्य व्रत	04 दिसम्बर, 2016, बौलखेड़ा (राज.)
नाम	बा.ब्र. सुव्रताशीष भैया जी
दो प्रतिमा ब्रत	18 अप्रैल, 2018, अक्षय तृतीया, हिंडोरिया, दमोह (म.प्र.)
गुरु	प.पू. आचार्य श्री वसुनन्दी जी मुनिराज

बा.ब्र. व्रताशीष भैया

पूर्व नाम	श्री प्रदीप जैन
माता का नाम	श्रीमती सुशीला जैन
पिता का नाम	श्री राजपाल जैन
जन्म	26 दिसम्बर 1966, सराय जैयराम बरहन (उ.प्र.)
लौकिक शिक्षा	हाई स्कूल
ब्रह्मचर्य व्रत	टूण्डला पंचकल्याणक, 2017 (उ.प्र.)
2 प्रतिमा व्रत	4 अक्टूबर 2021, तारंगा (गुज.)
नाम	बा.ब्र. व्रताशीष भैया
गुरु	प.पू. आचार्य श्री वसुनन्दी जी मुनिराज

बा.ब्र. गुरवाशीष भैया

पूर्व नाम	श्री ऋषभ जैन
माता का नाम	श्रीमती नीलम जैन
पिता का नाम	श्री दिनेश जैन
जन्म	17 अगस्त 1999, बाड़मेर (राज.)
लौकिक शिक्षा	बी.कॉम. (II)
ब्रह्मचर्य व्रत	12 मई 2022, मांगीतुंगी (महा.)
2 प्रतिमा व्रत	19 जून, 2022, अंजनगिरि (महा.)
नाम	बा.ब्र. गुरवाशीष भैया
गुरु	प.पू. आचार्य श्री वसुनन्दी जी मुनिराज

बा.ब्र. आशीष भैया

पूर्व नाम	आशीष जैन
माता का नाम	श्रीमती रानी जैन
पिता का नाम	श्रीमान संजय जैन
जन्म	07 जुलाई, 2000
स्थान	महावीर नगर, फिरोजाबाद (उ.प्र.)
लौकिक शिक्षा	12वीं
ब्रह्मचर्य व्रत	बोरीवली, मुंबई (महा.)
2 प्रतिमा व्रत	5 अक्टूबर 2022, गेट वे ऑफ इंडिया, मुम्बई (महा.)
नाम	बा.ब्र. आशीष भैया
गुरु	प.पू. आचार्य श्री वसुनन्दी जी मुनिराज

बा.ब्र. गुणाशीष भैया

पूर्व नाम	पं. संजय शास्त्री (प्रतिष्ठाचार्य)
माता का नाम	श्रीमती अंगूरी देवी जैन
पिता का नाम	श्री वीरेन्द्र कुमार जैन
जन्म	20 जुलाई, 1982
स्थान	सिद्धक्षेत्र आहार जी (टीकमगढ़)
लौकिक शिक्षा	जैन दर्शनाचार्य एम.ए.
ब्रह्मचर्य व्रत	6 फरवरी 2012, मंडोला
नाम	बा.ब्र. गुणाशीष जी
गुरु	प.पू. आचार्य श्री वसुनन्दी जी मुनिराज

ब्र. आत्मप्रकाश भैया

गृहस्थ अवस्था का नाम	श्री सुभाष चंद जैन
माता का नाम	श्रीमती सावित्री देवी जैन
पिता का नाम	श्री जिनेश्वर दास जैन
पत्नी का नाम	श्रीमती कृष्णा जैन (2 प्रतिमाधारी)
जन्म	01 जनवरी, 1947
स्थान	बरौली (बागपत)
	हाल निवासी भोलानाथ नगर, दिल्ली
लौकिक शिक्षा	7वीं (जैन विद्यालय, बड़ौत)
ब्रह्मचर्य व्रत	सन 2012
प्रतिमा व्रत	प्रथम प्रतिमा, 2020 में
नाम	ब्र. आत्मप्रकाश जी
गुरु	प.पू. आचार्य श्री वसुनन्दी जी मुनिराज

बा.ब्र. सौम्या दीदी

पूर्व नाम	कु. क्रांति जैन
माता का नाम	श्रीमती संतोष जैन
पिता का नाम	श्री शीलचन्द जैन
जन्म	04 सितम्बर, 1974
स्थान	बमौरी, छतरपुर (म.प्र.)
लौकिक शिक्षा	एम.ए. (संस्कृत)
ब्रह्मचर्य व्रत	1993
आठ प्रतिमा	2006 (टूण्डला)
नाम	बा.ब्र. सौम्या दीदी
गुरु	प.पू. आचार्य श्री वसुनन्दी जी मुनिराज

बा.ब्र. डॉ. प्रज्ञा दीदी

पूर्व नाम	कु. शानू जैन
माता का नाम	श्रीमती मंजू जैन
(समाधिस्थ आर्यिका सिद्धनंदनी माताजी)	
पिता का नाम	श्री वीरेन्द्र जैन ठकुरिया (बाड़मेर वाले)
जन्म	08 फरवरी, 1980
स्थान	अजमेर (राज.)
लौकिक शिक्षा	एम.ए. (दर्शनशास्त्र, संस्कृत), एम.एड., पी.एच.डी.
ब्रह्मचर्य व्रत	03 अक्टूबर 2006 (अमरकंटक) आ. श्री विद्यासागर जी से
दो प्रतिमा ब्रत	29 मार्च, 2015, बौलखेड़ा (राज.)
सात प्रतिमा	3 अक्टूबर, 2016, बौलखेड़ा (राज.)
आठ प्रतिमा	30 अप्रैल, 2020, शमशाबाद (उ.प्र.)
नाम	बा.ब्र. प्रज्ञा दीदी
गुरु	प.पू. आचार्य श्री वसुनन्दी जी मुनिराज

ब्र. प्रमेया दीदी

गृहस्थ अवस्था का नाम	श्रीमती मनोरमा जैन (मनु)
माता का नाम	श्रीमती जैनोदेवी जैन
पिता का नाम	श्री छीतरमल जैन नायक
पति का नाम	श्री पवन कुमार जैन ठकुरिया
जन्म	01 जनवरी, 1965
स्थान	सोमली, राजाखेड़ा (राज.)
लौकिक शिक्षा	मैट्रिक
दो प्रतिमा	08 सितम्बर, 2013, श्री जम्बूस्वामी तपोस्थली, बौलखेड़ा (राज.)
तीन प्रतिमा	03 जनवरी, 2015, आर.के. पुरम (दिल्ली)
सप्तम प्रतिमा	3 जनवरी, 2020, बटेश्वर (उ.प्र.)
नाम	ब्र. प्रमेया दीदी
गुरु	प.पू. आचार्य श्री वसुनन्दी जी मुनिराज

बा.ब्र. गुणज्ञा दीदी

पूर्व नाम	कु. शैली जैन
माता का नाम	श्रीमती मंजू जैन (समाधिस्थ आर्यिका सिद्धनन्दनी माताजी)
पिता का नाम	श्री वीरेन्द्र जैन ठकुरिया (बाड़मेर वाले), अजमेर
जन्म	22 जुलाई, 1997
स्थान	बाड़मेर (राज.)
लौकिक शिक्षा	बी.कॉम
ब्रह्मचर्य व्रत	09 अक्टूबर 2019 नोएडा सै. 50 (उ.प्र.)
वर्तमान नाम	बा.ब्र. गुणज्ञा दीदी
दो प्रतिमा ब्रत	30 जनवरी, 2020, शौरीपुर सिद्धक्षेत्र (उ.प्र.)
सात प्रतिमा व्रत	30 अप्रैल, 2020, शमशाबाद (उ.प्र.)
नाम	बा.ब्र. गुणज्ञा दीदी
गुरु	प.पू. आचार्य श्री वसुनन्दी जी मुनिराज

बा.ब्र. सुमेधा दीदी

पूर्व नाम	कु. नियति जैन
माता का नाम	श्रीमती राजकुमारी जैन
पिता का नाम	श्री सुमति कुमार जैन
जन्म	06 फरवरी, 1993
स्थान	बिजावर, छतरपुर (म.प्र.)
लौकिक शिक्षा	बी.एस.सी., पी.जी.डी.सी.ए.
ब्रह्मचर्य व्रत	26 फरवरी, 2018
सात प्रतिमा	22 अगस्त, 2021, तपोवन, सि.क्षे. तारंगा (गुज.)
नाम	बा.ब्र. सुमेधा दीदी
गुरु	प.पू. आचार्य श्री वसुनन्दी जी मुनिराज

ब्र. धर्मप्रभा दीदी

गृहस्थ अवस्था का नाम	श्रीमति मधु जैन दोशी
माता का नाम	श्रीमती मंगु बेन कोठारी
पिता का नाम	श्री जोइला लाल जैन कोठारी
पति का नाम	श्री अरविन्द जैन दोशी
जन्म	1 जून 1950, डभोडा, मेहसाना (गुज.)
लौकिक शिक्षा	आठवीं पास
दो प्रतिमा ब्रत	4 जनवरी, 2022, पावागढ़ (गुज.)
सात प्रतिमा व्रत	12 जून, 2022, गजपंथा (गुज.)
नाम	ब्र. धर्मप्रभा दीदी
गुरु	प.पू. आचार्य श्री वसुनन्दी जी मुनिराज

बा.ब्र. नन्दनी दीदी

पूर्व नाम	कु. ज्योति जैन
माता का नाम	श्रीमती रविकांता जैन
पिता का नाम	श्री सतीश कुमार जैन
जन्म	04 दिसम्बर, 1984
स्थान	नागपुर (महा.)
लौकिक शिक्षा	इंटर
ब्रह्मचर्य व्रत	14 फरवरी, 2000
पाँच प्रतिमा	16 अप्रैल 2008, करावल नगर (दिल्ली)
संघस्थ	ऐलक श्री विज्ञान सागर जी महाराज
नाम	बा.ब्र. नन्दनी दीदी
गुरु	प.पू. आचार्य श्री वसुनन्दी जी मुनिराज

बा.ब्र. ऋजुता दीदी

पूर्व नाम	कु. रानी जैन राउड़
माता का नाम	श्रीमती सीता जैन राउड़
पिता का नाम	श्री विला जैन राउड़
जन्म	22 अगस्त, 1982
स्थान	कारंजा लाड़ (महाराष्ट्र)
लौकिक शिक्षा	इंटर
ब्रह्मचर्य व्रत	2002
तीन प्रतिमा व्रत	16 अप्रैल, 2008, करावल नगर (दिल्ली)
संघस्थ	ऐलक श्री विज्ञान सागर जी महाराज
नाम	बा.ब्र. ऋजुता दीदी
गुरु	प.पू. आचार्य श्री वसुनन्दी जी मुनिराज

बा.ब्र. प्रिया दीदी

पूर्व नाम	कु. रानू जैन
माता का नाम	श्रीमती पुष्पा जैन
पिता का नाम	श्री प्रदीप जैन
जन्म	18 जून, 1997
स्थान	बांदकपुर, दमोह (म.प्र.)
लौकिक शिक्षा	इंटर
ब्रह्मचर्य व्रत	30 नवम्बर, 2015
नाम	बा.ब्र. प्रिया दीदी
गुरु	प.पू. आचार्य श्री वसुनन्दी जी मुनिराज

अन्य त्यागी व्रती

1.	बा.ब्र. इं. पंकज भैया	1.	ब्र. सरोज दीदी
2.	ब्र. दिलीप भैया	2.	ब्र. हृदेश दीदी
3.	ब्र. प्रमोद भैया	3.	बा.ब्र. हिना दीदी
4.	ब्र. सुरेन्द्र भैया	4.	बा.ब्र. टीना दीदी
5.	ब्र. रजनीकांत भैया	5.	ब्र. प्रज्ञेश दीदी
6.	ब्र. अरविंद भैया	6.	ब्र. कृष्णा दीदी
7.	ब्र. हसमुख भैया	7.	बा.ब्र. समर्पण दीदी
8.	ब्र. कन्नु भैया	8.	ब्र. भारती दीदी
9.	ब्र. जयभगवान भैया	9.	ब्र. भारती दीदी (2)
10.	ब्र. अजित भैया	10.	ब्र. चन्द्रिका दीदी
11.	ब्र. सुमन भैया	11.	ब्र. मीना दीदी
12.	ब्र. विनोद भैया	12.	ब्र. शालिनी दीदी
13.	ब्र. राजेन्द्र प्रसाद भैया	13.	ब्र. मुन्नी दीदी
14.	ब्र. डॉ. डी.सी. भैया	14.	ब्र. मुन्नी दीदी (2)
15.	बा.ब्र. चिन्मय भैया	16.	ब्र. सुनीता दीदी
17.	बा.ब्र. गोल्डन भैया	17.	ब्र. सरला दीदी
18.	बा.ब्रा. मयंक भैया	18.	बा.ब्र. सौम्या दीदी
19.	बा.ब्र. अभिषेक भैया	19.	ब्र. कान्ता दीदी
20.	ब्र. इन्द्रकुमार भैया	20.	ब्र. सन्तरा दीदी

संतों के विचारों में संतराज

संकलन :
ऐलक विज्ञानसागर

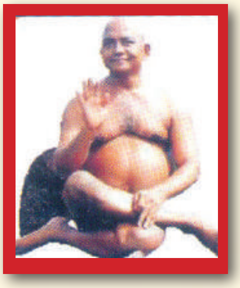

आचार्य वसुनंदी जी अपने जीवन में सम्यक् पुरुषार्थ के माध्यम से निरन्तर अपने उद्यम, साहस, धैर्य, बुद्धि, भक्ति और पराक्रम को लेकर स्व-पर कल्याण की सद्भावनाओं के साथ मोक्षमार्ग सम्यक् मार्ग की ओर पल-प्रतिपल को सार्थक करते हुए साधनों को छोड़कर साधना की ओर बढ़ते चले जा रहे हैं और अपने कर्तव्य कार्यों के प्रति जागरुक हैं। आपका व्यक्तित्व उच्चस्तरीय उद्देश्य व दृष्टिकोण एवं देव-शास्त्र-गुरु के प्रति अटूट श्रद्धा-भक्ति, विश्वास आपको निश्चित वसुकर्म को ढीला करने में सहायक बनेगा और जीव को सार्थक बनायेगा एवं वसुनंदी नाम को सार्थक करेगा तथा आपकी असीम विलक्षण सामर्थ्य की द्योतक है।

स्थविर आचार्य 108 श्री संभवसागर जी
श्री सम्मेद शिखर, त्रियोग आश्रम

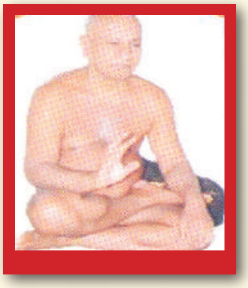

एक अच्छे और प्रभावक संत हैं, अच्छी तपस्या और निर्दोष चर्या का पालन करने वाले हैं। अजमेर में आपकी प्रेरणा 51 फुट शांतिनाथ भ. की प्रतिमाजैसा असाधारण कार्य तपस्वी संत ही कर सकते है।

आर्ष परंपरा का ध्यान रखते हुए आपके मीठे प्रवचनों से जैन समाज को बहुत लाभ हो रहा है। राष्ट्रसंत आचार्य 108 श्री विद्यानंदजी महाराज के एक इकलौते शिष्य विखाल संघ के साथ धर्मप्रभावना कर रहे हैं। आपका स्वास्थ्य और साधना ठीक चलती रहे, उसके लिए मेरा खूब-खूब आशीर्वाद।

गणधराचार्य श्री कुन्थुसागर
कुन्थुगिरि (महा.)

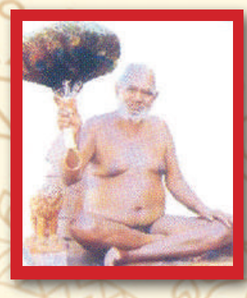

जैन धर्म की श्रमण परम्परा को समृद्ध करने में आपका महत्वपूर्ण योगदान रहा है। आप श्रमण परमपरा के संवर्द्धन के पोषण में संलग्न रहे हैं। आगे भी दिगम्बर मुनि परम्परा को पुष्ट करते हुए शास्त्र स्वाध्याय के क्रम को आगे बढ़ाते हुए आगम के तत्व ज्ञान को चारित्र रूप में उतारें। अपना कल्याण करते हुए सम्पूर्ण जन-मानस का कल्याण करने में उदार भाव से बढ़ें।

आचार्य श्री निर्मल सागर
गिरनार जी (सौराष्ट्र)

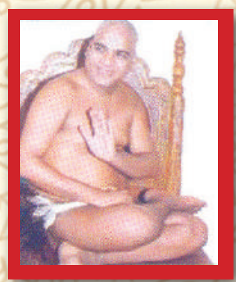

आचार्य श्री वसुनंदी जी महाराज अत्यन्त सरल परिणामी, सहज शान्त स्वभाव के मिलनसार स्वभाव के साधु हैं। मैंने उन्हें अत्यन्त नजदीक से देखा है। उनके उद्‌बोधन से समाज को सही दिशा और दशा प्राप्त होगी। आचार्य श्री विद्यानंद जी के निर्देशन में प्राप्त शिक्षाओं से, उन्हें सही निर्णय लेने की क्षमता प्राप्त हुई है।

प्रज्ञाश्रमण आचार्य श्री देवनन्दी जी
णमोकार तीर्थ

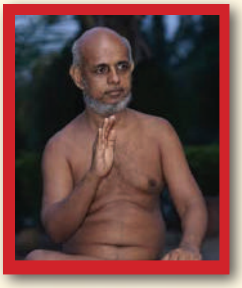

ऐसे भीषण काल में जिनशासन की रक्षा और वृद्धि का भार आचार्य परमेष्ठी पर है। ऐसी ही गरिमामयी परम्परा का निर्वहण करने वाले आचार्यों में एक नाम है आचार्य श्री वसुनंदी महाराज। प.पू. आ. श्री विद्यानंद जी मुनिराज के श्री चरणों में उन्हें ये शुभ नाम प्राप्त हुआ है। आचार्य श्री स्वयं कुशल साधक हैं और उत्कृष्ट साहित्यकार हैं। उन्होंने प्राकृत भाषा मे अनेक औपदेशीय ग्रंथों की रचना की है शताधिक ग्रंथों के अनुवादक भी हैं। मैं यही कामना करता हूँ कि गण रक्षा प्रतिबद्ध वे आचार्य देव इस भूमण्डल को अपनी चरण रज से दीर्घ काल पर्यन्त पवित्र करते रहें और उनके द्वारा अपूर्व धर्म प्रभावना होती रहे।

चतुर्थ पट्टाधीशाचार्य श्री सुविधिसागर जी तमिलनाडु

हमारे आचार्य श्री वसुनंदी जी महाराज है वो अच्छे विद्वान है, संस्कृत, प्राकृत, हिन्दी आदि अनेक भाषाओं को वो जानते हैं और इसके अलावा स्वाध्याय में अभीक्ष्णज्ञानोपयोगी हैं अनेक संस्कृत, प्राकृत, आदि भाषा में ग्रंथों रचना की है। बड़े विशाल संघ के साथ विहार करते है।धर्म प्रभावना करते हैं। आ. श्री विद्यानंद जी मुनिराज ने आपको उपाध्याय एलाचार्य दीक्षा, आचार्य दीक्षा दी और हमारे साथ में मिलकर आ.श्री विद्यानंद जी महाराज का सल्लेखना समाधि उत्सव मनाया। उस अवस्था में आ वसुनंदी जी महाराज जी मेरे साथ में निर्यापक आचार्य के रूप में बहुत सुंदर सल्लेखना कराई। उनकी सौम्य मुस्कुराती हुई मुखमुद्रा और हमेशा प्रेम भाव वात्सल्य से बात करते हैं और समाज, देश, विश्व के लिए ऐसे संतों की आवश्यकता पड़ती है। मैं आ. वसुनंदी जी महाराज के स्वास्थ्य, धर्म और संघ की वृद्धि के लिए मंगल कामना करता हूँ और हमसे इसी तरह प्रेम भाव बना रहे यही हमारे संयम का बहुत महत्वपूर्ण अंग है।

आ. श्रुतसागर जी, कुन्दकुन्द 'भारती। दिल्ली

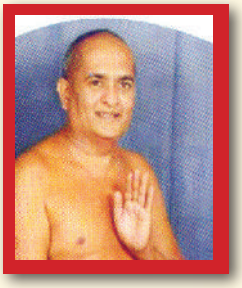

आचार्य वसुनंदी जी अपने आप में सरल स्वभावी, उद्धारक, भावी अनुशासक, उच्च मोक्ष लक्ष्य के धारक, हितमित, स्पष्ट उपदेशक, मोक्षमार्ग जीव के प्रति दया, करुणा, परोपकार, वात्सल्य सेवा की भावना के भंडार हैं। आचार्य वसुनन्दी ख्याति, पूजा लाभ, प्रसिद्धि, ढोंग, पाखंडी, निंदा, ईर्ष्या, तृष्णा, बाह्य आडम्बर, अपेक्षा-उपेक्षा आदि से दूर हैं। आप अपने ज्ञान ध्यान अध्ययन में लगे रहते हैं। उत्तम भावना की अनुमोदना करता हूँ। ज्ञानाचार्य वसुनन्दी जी को प्रति नमोस्तु आपकी धर्मप्रभावना दिनों-दिन बढ़ती रहे।

महामना, तप शिरोमणि, आचार्य सम्राट श्री कुशाग्रनंदी
मुम्बई, दादर ईस्ट

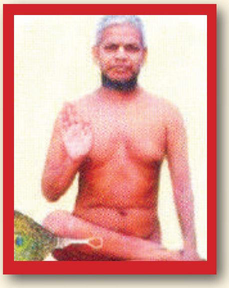

आचार्य श्री जी की व्यवहार एवं निश्चय कुशलता वास्तविक स्थिति में मूलभूत मुक्ति की कारणभूत चरणीय आचरणीय व अनुकरणीय क्रियाएँ हैं। आचार्य परमेष्ठि का सदाचरण नम्र व्यवहार एवं एकता का परस्पर मेल व्यवहार हम संसारी लोगों के लिए एक महान आदर्श है। ऐसे महर्षि के दर्शन कर सर्वलोक शिखाग्र पर चिरस्थिर हो सकते हैं।

आचार्य श्री सुरदेवसागर
मंडोला, गाजियाबाद (उ.प्र.)

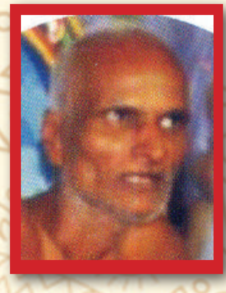

बड़ी प्रसन्नता हुई आचार्य श्री द्वारा दीक्षित शिष्यों का संग्रह-निग्रह करना इसे आचार्य श्री वसुनन्दी जी से सीखना चाहए।

पूरा संघ अनुशासन में रहता है। उसका प्रमुख कारण वे स्वयं पूर्ण अनुशासन में रहते हैं। आपका स्वाध्याय, सामायिक, प्रतिक्रमण आदि व्यवस्थित चर्या है। आप एक अच्छे निस्पृह साधू हैं। ऐसा हमारे गुरुदेव कुंथुसागर जी ने स्वाध्याय के समय कहा था।

आचार्य श्री निश्चयसागर
अतिशय क्षेत्र कुंथुगिरी, आलते (महाराष्ट्र)

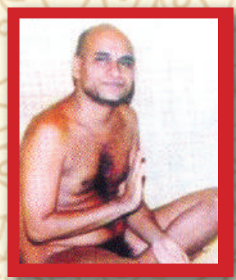

प.पू. राष्ट्रसंत नवग्रह तीर्थ प्रवर्तक आचार्यश्री गुणधरनंदी जी का प.पू. अभीक्ष्ण ज्ञानोपयोगी, अक्षर शिल्पी, आचार्य श्री वसुनंदी जी महाराज जी को सिद्ध भक्ति, श्रुतभक्ति, आचार्य भक्ति पूर्वक त्रिबार नमोस्तु, नमोस्तु, नमोस्तु।

आपको आरोग्य लाभ, सुख शांति समृद्धि हो, आपके रत्नत्रय में वृद्धि हो, यही नवग्रह भगवान से प्रार्थना है।

आचार्य श्री गुणधरनंदी
शमनेवाड़ी (कर्नाटक)

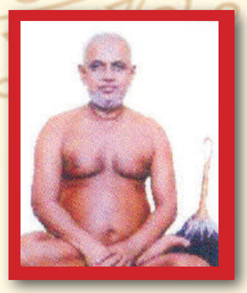

ज्ञान के धनी, चारित्र के उन्नायक, मानव कल्याण की जन्म जयंती वास्तविक मोक्षमार्ग दर्शक, जिन धर्म प्रभावक होता है, विकल्प से परे ध्येय के तरफ अटल बढ़ते कदम यह गुरुदेव की विशेषता है।

आचार्य श्री सूर्यसागर (अगरकर)
स्थान-कब्बूर (कर्नाटक)

आचार्यो की वाणी अध्ययन, चिन्तन, मनन, मानव के जीवन को महका देती है। जिन्होंने अपने जीवन को श्रुतज्ञान की एवं तपश्चरण की साधना एवं आराधना में अपने सम्पूर्ण जीवन को समर्पित कर दिया हैं ऐसे आचार्य श्री वसुनंदी जी मुनिराज जो आगम पथ के अनुयायी हैं, मोक्षमार्ग में संलग्न हैं।

अंकलीकर परम्पराचार्य श्री सौभाग्यसागर महाराज
महामृत्युंजय तीर्थक्षेत्र, चम्बल तट, उदी

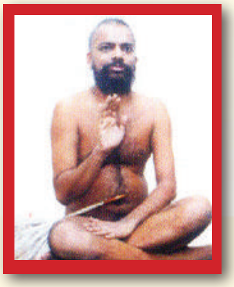

मैं पूज्य आचार्य श्री का हमेशा ऋणी रहूँगा। मुझे धर्म की राह दिखाने वाले आ. श्री वसुनंदी जी महाराज ही हैं जिन्होंने मुझमें बचपन में ही वैराग्य के बीज आरोपित कर दिए थे। बात सन् 1996 दमोह चातुर्मास समय की है जहाँ दिगम्बर मुनिराज का प्रथम चातुर्मास हो रहा था।

एक दिन मैंने भी धोती पहन ली और संयोगवश क्षुल्लक विशंकसागर जी महाराज का आहार उसी दिन हो गया था। घर पर आहार होना महत्वपूर्ण इसलिए था क्योंकि साधु चार ही थे। (एक मुनि और तीन क्षुल्लक जी) पर धर्म प्रभावना इतनी थी कि 40-50 चौके और संयोग से तीन दिन बाद ही आचार्य श्री वसुनंदी जी महाराज (उस समय मुनि निर्णय सागर जी) का आहार हो गया। उस दिन प्रथमत: मैंने मुनिराज को आहार दिया था। मुझे धर्म की राह पर सच्चे मायने में यदि लगाया तो वो आप ही हैं। आचार्य श्री के बारे में एक बात है कि उनमें वात्सल्य, ज्ञान और अनुशासन तीनों गुण समाहित हैं ओर मैं यदि गृह त्याग कर मुनि और उसके बाद उपाध्याय फिर आचार्य बना हूँ तो यह सब एक तरह से आपके आरोपित संस्कार ही मुझ पर हैं।

बालयोगी आचार्य श्री सौभाग्यसागर जी
राजा बाजार, दिल्ली

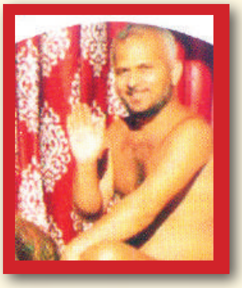

आचार्य वसुनंदी जी महाराज काव्यों के धनी, मधुर वाणी सुशोभित एवं आचार्य श्री विद्यानंद जी की बगिया के उज्ज्वल एवं आलोकिक पुष्प हैं; आप की मुस्कान एवं भाषा शैली स्वत: ही भक्तों को अभिभूत कर देती है, आपका विशाल हृदय एवं सरल स्वभाव ही आपकी पहचान है। आप से कभी मिलने के अवसर तो नहीं मिला पर आपके ज्ञान कोष की बहुत चर्चाएँ सुनी एवं पढ़ी हैं।

पट्टाचार्य श्री प्रसन्नऋषि

उज्जैन (म.प्र.)

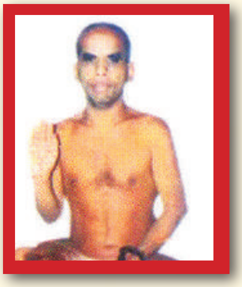

परम आदरणीय आचार्य श्री एक जिन आगम के ख्याति प्राप्त प्रख्यात एवं महान संत हैं। एवम् आगम के दृढ़ श्रद्धानी आत्म विश्वासी एवं जिन आगम की आज्ञा के अनुसार स्वयं अपनी चर्चा एवं आचरण का पालन करते हुए संघ समुदाय के साथ समस्त श्रावक श्राविकाओं में आपकी ख्याति है। आप परमपूज्य आचार्य श्री विद्यानंद जी महाराज के पास असीम ज्ञान के भण्डार कोष में से आपने उनके साथ एक नहीं अनेकों अनुभव के साथ में अपने ज्ञान कोष में अध्यात्मकोष का संग्रह करते हुए स्वयं आत्म अनुशासन में रहते हुए संघ को अनुशासन में चलाते हैं। एक स्वयं शिथिलाचारी से दूर आपके शिष्यों में वही प्रवृत्ति है जो होना चाहिए। आप आर्ष परम्परा के अनुगामी महान सन्त हैं।

आचार्य श्री चैत्यागर जी महाराज

फिरोजाबाद (उ.प्र.)

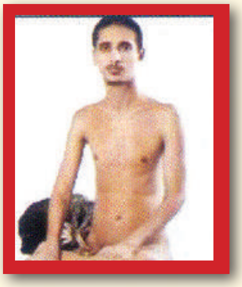

जिन शासन की शान विशाल मुनि संघ के अधिपति प्रशान्त मूर्ति, अत्यन्त सरल हृदयी अनेकों भव्य जीवों के दीक्षा-शिक्षा दाता, आचार्य श्री वसुनन्दी जी महाराज को नमोस्तु।

आचार्य श्री सुन्दरसागर

बड़ौत (उ.प्र.)

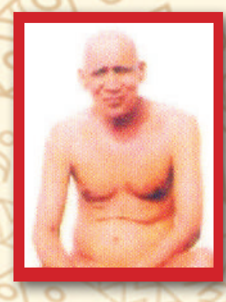

आप जैसे संतों को पाकर सभी को आत्म कल्याण की प्रेरणा मिलती है। आप जैसे तत्व के जानकार भी खूब कम है। आप संयम की साधना सुचारू रूप से चला रहे हैं बाकी के साधुओं के प्रति आस्था, लगन सराहनीय है। आप धर्म और संस्कृति की शान हैं। कथन शैली भी सरल और सामान्य जनता को लुभाने वाली है। आपके हाथ से आर्षप्रणाली की प्रभावना ऐसी ही होती रहे और सच्चे देव-शास्त्र-गुरु की प्रभावना होती रहे।

आचार्य श्री वर्धमानसागर जी (दक्षिण वाले)

सम्मेद शिखर जी

जैन धर्म के महानायक दिगम्बर आचार्य श्री संतों के देदीप्यमान नक्षत्र हैं। आपके अन्दर सहजता, सरलता एवं वात्सल्य की त्रिवेणी आपके मुखमण्डल पर हमेशा झलकती है। आप जिनागम के मर्मज्ञ जानकार हैं। आपका जीवन उपसर्गो में भी, परीषहों में भी आपने कभी अपनी साधना, तपस्या एवं चर्या में कभी समझौता नहीं किया।

आचार्य श्री शशांक सागर जी

पद्मपुरा (बाड़ा)

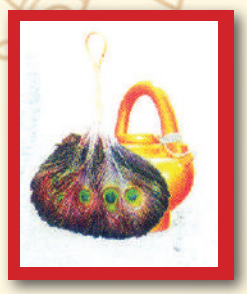

वात्सल्य रत्नाकर आचार्य श्री वसुनंदी जी का जैसा नाम है वैसा उनका काम है। आचार्य श्री वसुनंदी जी में वात्सल्य गुण सम्पूर्ण रूप से भरा है। मैं उनको दिल्ली में मिला उसी समय उन्होंने मुझे गले मिलकर आशीर्वाद दिया था।

आचार्य मुनि श्री कंचन सागर

भोपाल

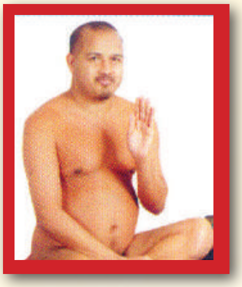

आचार्य श्री स्वयं साधक हैं एवं साधना-आराधना-प्रभावना का निरन्तर समता, प्रतिष्ठा एवं उपदेश के माध्यम से जिनधर्म की प्रभावना कर रहे हैं।

आचार्य श्री सौरभ सागर

मुकुट सप्तमी

परम पूज्य आचार्य श्री वसुनन्दी जी मुनिराज से जब भी मिलना हुआ तो उन्होंने वात्सल्य के साथ अपने गले लगाकर असीम स्नेह और प्रेम दिया।

आचार्य श्री सत्य, अहिंसा, दया, शांति, संयम, अपरिग्रह एवं ब्रह्मचर्य के प्रतीक हैं। सूर्य-सा तेज, चन्द्रमा सी शीतलता, सागर जैसी गम्भीरता, पर्वत जैसी अडिगता, सिंह जैसी निर्भीकता ऐसा आचार्य श्री का व्यक्तित्व है। आचार्य श्री त्याग और वैराग्य की धर्म और अध्यात्म की आत्मीयता और उदारता की साक्षात मूर्ति हैं। सतत् साधना एवं तपश्चर्या ही आपका जीवन है।

आचार्य श्री सुरत्न सागर

राधेपुरी, दिल्ली

ज्ञान के क्षेत्र में अग्रणीय निर्णय क्षमता में अडिग संत आचार्य वसुनंदी जी। इनके व्यक्तित्व से प्रभावित होकर राष्ट्र संत श्वेत पिच्छाचार्य विद्यानंद जी ने आचार्य पद प्रदान किया।

इनके व्यक्तित्व के प्रभाव से सम्पूर्ण दिल्ली के आस-पास के नगर गाँव प्रभावित हैं। सन् 1996-1997 में मुनिश्री निर्णय सागर जी नाम से पूज्यनीय मुनि श्री के साथ श्रेयांसगिरी तीर्थ स्थान पर ब्रह्मचारी अवस्था में चातुर्मास करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। चातुर्मास में रत्नकरण्ड श्रावकाचार का अध्ययन भी किया।

आचार्य श्री के क्षयोपक्षम का क्या कहना। एक बार में ही गाथा श्लोक ग्रंथ पाठ याद कर लिया करते हैं।

आचार्य श्री प्रणाम सागर

बासवाड़ा (राज.)

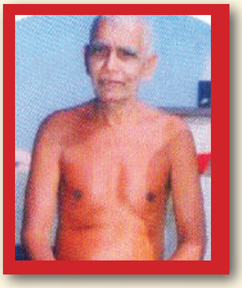

आचार्य श्री वसुनंदी जी महाराज का चौमासा ललितपुर में 1995 में हुआ था। उस समय हम साधु सेवा में बहुत ही दिलचस्पी रखते थे। आचार्य श्री साधना-वात्सल्य के साथ-साथ ज्ञान के भी धनी थे तथा हम लोग भी कई प्रश्न किया करते थे और उनका उत्तर आ.श्री सहजता से उसी वक्त देते थे। वो बातें हमारे ध्यान में रहीं उसी का प्रमाण है जो हम महाव्रती बने।

एलाचार्य श्री प्रभावना भूषण

मंडोला

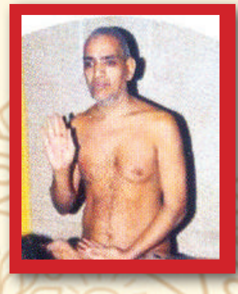

पूज्य आचार्यश्री धर्म प्रभावना एवं आत्मसाधना में जनमानस के श्रद्धा के केन्द्र बने हुए हैं। मुनिवर श्री का सरल व्यक्तित्व आबालवृद्ध सभी को अपनी ओर आकर्षित करता है।

आचार्य भगवन्त वात्सल्य के धनी हैं। उनकी दृष्टि में सदा समभाव समाया हुआ है। छोटे-बड़े, अमीर-गरीब का अन्तर नहीं प्राणी मात्र से अपनेपन की भावना रखते हैं।

मुनि श्री सहजसागर जी

वर्षायोग विजयनगर (गुजरात)

प्रथम बार अतिशय क्षेत्र जय शांतिसागर निकेतन पर 2012 पंचकल्याणक के निमित्त से पूज्य आचार्य श्री के दर्शन हुए। आचार्य श्री का वात्सल्य देखकर मन गद्‌गद्‌ हो गया। मेरे मन में शंका थी कि इतने बड़े संघ में पंचकल्याणक के दौरान स्वाध्याय, प्रतिक्रमण आदि क्रियायें कैसे होगी? यह शंका कुछ पल में जैसे नदी समुद्र में आकर मिल जाती है। मुझे (ठंड के दिनों में) इतना निकट बिठाया जैसे एक माँ अपने पुत्र से व्यवहार करती है। पहले लोगों के मुख से आचार्य श्री के वात्सल्य की चर्चा सुनी थी, आज देख भी ली। सच में आचार्य श्री वात्सल्य के भंडार हैं। एक नहीं अनेक गुण मेरे स्मृति में हैं।

आचार्य देवनन्दी महाराज के शिष्य मुनि श्री सकलकीर्ति महाराज
कीर्ति धाम निप्पानी जिला बेलगांव (कर्ना.)

कई बार आ. श्री वसुनंदी जी मुनि राज से हमारी चर्चा हुई है, हस्तिनापुर भी आए हैं, दिल्ली में भी चर्चाएं हुई हैं। मुझे उनका स्वभाव बहुत ही अच्छा लगा, वात्सल्य प्रेमी है। वास्तविक विचार करके देखा जाए तो आज इस पंचम काल में निर्दोष चारित्र का पालन करते हुए और इस आचार्य शांतिसागर महाराज जी की परम्परा में ऐसे ऐसे रत्न हैं कि गौरव का अनुभव होता है। आ. वसुनंदी जी महाराज उत्तरोत्तर धर्म की प्रभावना की है, कर रहे हैं और आगे भी करेंगे। मुझे गौरव है इनके जीवन पर। इन्होंने आ.विद्यानंदजी महाराज के मिलकर के उनकी परम्परा को दीर्घ प्रभावक बनाने का पुरुषार्थ किया है। कुन्दकुन्द भारती में भी विद्यानंद महाराज के सानिध्य में रहकर के भी बहुत कुछ पाया है। संयमित जीवन और निर्दोष चर्या उसके साथ मे संघ का संचालन, संवर्द्धन करते हुए आज वो भारत वसुंधरा पर विचरण कर हैं। आचार्य श्री उत्तरोत्तर संयम में वृद्धि करते और अनेक संयमियो का सृजन कर रहे। उनके माध्यम से अनेकों भव्य प्राणी को संयममार्ग को धारण करते रहे यही मेरी भावना है उनके प्रति बहुत-2 विनयांजलि के साथ पुनः पुनः नमोस्तु -3

गणिनी प्रमुख आर्यिका ज्ञानमति हस्तिनापुर (उ.प्र.)

आज साक्षात् तीर्थकर महावीर तो नहीं है, लेकिन उनकी उपस्थित, प्रतिकृति के रूप में उनके लघुनन्दन आचार्य वसुनंदी जी जरूर इस वसुन्धरा पर विराजमान हैं। जिनके चरण कमल जहाँ विराजमान हो जाते हैं, अब चाहे वह जंगल की भूमि हो या मंदिर की भूमि हो, हम सभी के लिए वही स्थान वंदनीय, पूजनीय और पवित्र पावन हो जाता हैं। मेरे हृदय के सूने सिंहासन पर आपके चरण कमल सदा विराजमान रहें जिससे मेरा हृदय भी पवित्र पावन हो सके। आचार्य वसुनंदी जी महाराज के गुणानुगामी व्यक्तित्व पर जब हम दृष्टिपात करते हैं तो सरलता, वात्सल्यता, नि:स्वार्थता, गम्भीरता, वाणी का सम्मोहन, वर्धमान चरित्र, ज्ञान का खजाना आदि अनेक सुन्दर-सुन्दर गुण आपमें जीवंत होते दिखाई देते हैं। आप एक महान चिन्तक, ज्ञान सूर्य हैं, सम्यग्ज्ञान के प्रति अभिरूचि होने से आप निरन्तर साहित्य सृजन, श्रुत सेवा में तल्लीन रहते हैं। आपके साहित्यों में ऐसा प्रवाह व आकर्षण है जो पाठकों के हृदय को अन्दर तक झकझोर देता है और भक्ति की लहर उठा देता है।

श्रमणी गणिनी आर्यिका रत्न श्री विज्ञाश्री जोधपुर (राज.)

0 मुझे भी स्मरण आता है जब बुन्देलखण्ड की धर्म नगरी, क्षु. गणेश प्रसाद जी की कर्म स्थली सागर में आपका प्रथम दर्शन हुआ था उस समय कहा गया 'बेटा' शब्द आज तक मेरे कानों में गुंजायमान है।

आपने अपनी निर्दोष श्रमण साधना के काल में बहुत उतार चढ़ाव परिवर्तन देखे हैं पर अपनी साधना में आप वज्र की तरह अटल रहे। यही कारण है आज आप में जहाँ शांतिसागर का चरित्र झलकता है वहीं विद्यानंद जी का ज्ञान भी दिखाई देता है और वात्सल्य रत्नाकर विमल सागर जी का अपार वात्सल्य दिखाई देता है।

ग.आ. श्री सौभाग्यमति ऋषभदेव (राज.)

आपके अंदर पुराने आचार्यों का आचारण परिलक्षित होता है, श्रमण संस्कृति के आप सजग प्रहरी है, आपकी प्रत्येक चर्या अत्यन्त आकर्षक है, श्रमण साधना के आप जीवंत रूप हैं, आपकी साधना आत्मोत्कर्ष की सीढ़ियों को पार करती हुई शाश्वत सत्य एवं लोक मंगल को साधने वाली है, आप अत्यधिक न्यायप्रिय कुशल संचालक हैं, आप न्याय, व्याकरण, साहित्य, सिद्धान्त एवं अध्यात्म विषयों में महानतम ग्रन्थों के अनुचिन्तक हैं।

आपने अनेक श्रमण-श्रमणियों को शिक्षा-दीक्षा देकर उनका पथ सुगम बनाया है, अनेकानेक क्षपकराज को सम्बोधन के माध्यम से उत्तमगति करवाई है। आपने अपनी साधना के बल से सभी को धर्म की ओर आकर्षित किया है और आगे भी इसी प्रकार से धर्म प्रभावना आपके माध्यम से होती रहे।

गणिनी आर्यिका श्री भरतेश्वरमति सम्मेदशिखर

परम पूज्य प्रातः स्मरणीय वात्सल्य रत्नाकर, सन्मार्ग दिवाकर, चारित्र शिरोमणि, आचार्य श्री विमलसागर जी महाराज एक महान संत हुए हैं जिनके चारित्र की निर्मलता से उत्पन्न निमितज्ञान की कोई सानी नहीं थी। उन्हीं की परम्परा को अक्षुण्ण बनाए रखने में तत्पर साधना के शिखर पर आरूढ़ परम पूज्य आचार्य श्री वसुनंदी जी मुनिराज का नाम श्रद्धा के साथ स्मरण किया जाता है।

गणिनी आर्यिका श्री नंगमती
पानीपत (हरियाणा)

आचार्य श्री विशिष्ट ज्ञान, वात्सल्य एवं करूणा के धनी हैं। जन-जन के उपकारक हैं।

दिल्ली के लाल मंदिर में दर्शन हेतु गए थे उसी समय आचार्य श्री वसुनंदी महाराज संसंघ के दर्शन का सौभाग्य प्रथम बार मुझे प्राप्त हुआ था।

आचार्य श्री ने कहा था किसी भी संघ के साधु हों सबसे वात्सल्य रखना, भेदभाव नहीं करना। उनका शांत, प्रसन्न चेहरा आँखों के सामने रहता है।

गणिनी आर्यिका श्री कीर्तिमती माताजी
बड़ागाँव (उ.प्र.)

रत्नत्रयाराधक अध्यात्म योगी परम पूज्य आचार्य श्री वसुनन्दी जी महाराज अवशिष्ट जीवन निर्दोष साधनामय व्यतीत करते हुए सूर्यवत दैदीप्यमान रहकर जगत में दिगम्बरत्व का दिव्य प्रकाश विकीर्ण करें ताकि कोटि-कोटि वर्षो तक उनकी यश पताका सम्पूर्ण विश्व में लहराती रहे।

आर्यिका श्री सरस्वती भूषण
मंडौला

तीन तारीख आने आप में संदेश देती है कि इनका जन्म तीन कार्य करने को हुआ है अर्थात् सम्यक् ज्ञान, दर्शन, चारित्र की आराधना के लिए हुआ है।

आचार्य श्री विद्यानंद जी ने आचार्य श्री का नाम संस्करण बहुत ही सटीक किया है। वसुनंदी 'वसु' का अर्थ पृथ्वी होता है अर्थात् पृथ्वी पर आनन्द लेते हैं और आनन्द देते हैं। 'वसु' का दूसरा अर्थ आठ भी होता है। अर्थात् आठ कर्मो का नाश करके आत्मा का आनन्द लेते हैं। इसलिए आप वसुनन्दी हैं।

आर्यिका श्री स्वस्तिभूषण
अतिशय क्षेत्र जहाजपुर (राजस्थान)

आचार्य श्री आध्यात्म जगत के दैदीप्यमान सूर्य हैं। अद्‌भुत प्रतिभा के धनी हैं। सादा जीवन और उच्च विचार की भावना से ओतप्रोत हैं।

आर्यिका श्री अनुभूति भूषण माताजी
बड़ागाँव

आचार्य श्री वसुनंदी जी महाराज के नाम से ही हमें प्रेरणा मिलती है कि वसु अर्थात् आठ। जो निरंतर आठ कर्मो को नष्ट करने में लगे हुए हैं ऐसे संत इस पृथ्वी पर भगवान का ही रूप हैं।

जिन्होंने अपना सारा जीवन जन्म-जरा-मृत्यु को विनाश करने के लिए लगा दिया। धर्म के लिए अपने जीवन को समर्पित कर दिया।

आर्यिका श्रीं आदित्य श्री माताजी
हुमचा पद्मावती (कर्नाटक)

आप एक ऐसे साधक, जन-मन प्रभावक, वात्सल्य मूर्ति, अभीक्ष्ण ज्ञानोपयागी आ. श्री वसुनंदी जी महाराज ने भी अपना जीवन गुरु चरणों में समर्पित किया और संयम के मार्ग पर कदम बढ़ाते हुए, अपना और अनेक भव्य जीवों का कल्याण कर रहे हैं।

आर्यिका श्री दीप्ति श्री माताजी
हुमचा पद्मावती

मीठे प्रवचन से जग में जिनका नाम है।

आचार्य वसुनंदी जी को चेलना का प्रणाम है।।

आप सतत तपस्या संयम-ध्यानाध्ययन की ऊर्जा से ऊर्जावान रहते हैं, अत: आप अपनी ऊर्जा का बहुमूल्य अंश स्व-पर कल्याण की जड़ को सिंचित करने के लिए नियोजित करते रहते हैं।

आपकी ऊर्जा से भक्तगण, शिष्यगण, त्यागीगण अनमोल आध्यात्मिकता से सदा उपकृत एवं लाभान्वित होते रहेंगे।

आपका हृदय अत्यन्त पावन एवं पवित्र है।

आपका आध्यात्मिक जीवन मेरे जीवन के शिक्षास्प्रद बने।

आर्यिका श्री पुनीत चेतन्यमति त्रियोगाश्रम, श्री सम्मेद शिखर जी, झारखण्ड

परम्पराचार्य अर्घावली

वीतराग जिनगिरि से निसृत द्वादशांग जिनवर वाणी, गणधर सूरी ज्ञान कुण्ड से झरती पीते भवि प्राणी।
मुनिराजों ने जिन्हें स्वयं ही शब्दों में लिपिबद्ध किया, प्रथम चरण अरु करण द्रव्य को अर्घ चढ़ा हम नमन किया।।

ॐ ह्रीं श्री जिनमुखोद्भव द्वादशांग मय सरस्वती देव्यै: नम: अनर्घ पद प्राप्तये अर्घं निर्वपामीति स्वाहा।

उन आचार्यों के चरणों में, झुका रहे अपना माथा। जिनकी अमृतवाणी सुनकर, हो जाता निज से नाता।।
षट्खण्डागम आदि सिद्धांतों, को जिनने लिपिबद्ध किया। पुष्पदंत, धरसेन, भूतबली आचार्यों से ज्ञान लिया।।

ॐ ह्रूँ परमपूज्य आचार्य भगवन् श्री-धरसेन-पुष्पदंत-भूतबलि परमेष्ठिभ्यो अनर्घ-पद-प्राप्तये अर्घं निर्वपामीति स्वाहा।

आध्यात्मरसिक सिद्धान्त मनीषी आगम के मर्मज्ञ महान, परम तपस्वी अविचल ध्यानी निजानंद करते रसपान।
निज आतम कल्याणहेतु हम करते पूजन अरु गुणगान, कुंद कुंद आचार्य श्री को नमन करूँ जो हैं भगवान।।

ॐ ह्रूँ परमपूज्य आध्यात्मरसिक आचार्य भगवान् श्री कुंद कुंद स्वामिने अनर्घ-पद-प्राप्तये अर्घं निर्वपामीति स्वाहा।

परम तपस्वी शांति सिंधु मुनि पंचम युग में तीर्थ समान, तीर्थंकर वत् कलिकाल में जिनशासन का कर यशगान।
चक्रवती चारित्र शिरोमणि भव्यों को सत्यार्थ प्रमाण, तीन भक्ति युत अर्घ चढ़ाऊँ पाने को समकित वरदान।।

ॐ ह्रूँ परमपूज्य चारित्र चक्रवर्ती आचार्य भगवत श्री शांतिसागरजी मुनीन्द्राय अनर्घ पद प्राप्तये अर्घं निर्वपामीति स्वाहा।

भव तन भोग विरागी हे गुरु ज्ञान ध्यान तप लीन महान, विषय वासना अरु कषाय से रिक्त चित्त जिनका अमलान।
पायसिन्धु को पाकर हम सब शिवमग पावें विषय नशाय, ऐसे उत्तम मुनिपद पंकज अर्घ चढ़ाकर शीश नवाय।।

ॐ ह्रूँ परमपूज्य परम तपस्वी आचार्य भगवन् श्री पायसागर मुनीन्द्राय अनर्घ-पद-प्राप्तये अर्घं निर्वपामीति स्वाहा।

अक्ष विजेता मन के जेता सूरीवर जयकीर्ति प्रधान, निर्विकल्प शुभ ध्यान पायकर पाया निज आतम का ज्ञान।
भाव सहित गुरु भक्ति पूजा करती पाप कर्म की हान, जल फलादि वसु अर्घ चढ़ाकर पाएं हम भी उत्तम ज्ञान।।

ॐ ह्रूँ परमपूज्य आध्यात्म योगी आचार्य भगवन् श्री जयकीर्ति मुनीन्द्राय अनर्घ-पद-प्राप्तये अर्घं निर्वपामीति स्वाहा।

मुनिराजों में आप प्रमुख हैं सूरीवर जो कहलाते, भारत गौरव जिनवृष सौरभ मार्ग धर्म का बतलाते।।
रत्नत्रय से आप विभूषित गुरू देश भूषण स्वामी, भक्तियुत शुभ अर्घ चढ़ाकर बन जाऊँ मैं निष्कामी।।

ॐ ह्रीं परमपूज्य भारतगौरव आचार्य भगवन् श्री देशभूषण मुनीन्द्राय अनर्घ-पद-प्राप्तये अर्घं निर्वपामीति स्वाहा।

नीरादिक वसु द्रव्य मिलाकर कंचन थाल भराये हैं, निज आतम के वसु गुण पाने तव पद आज चढ़ाये हैं।
राष्ट्रसंत विद्यानंद सूरि, प्राणीमात्र हितकारी हो, सिद्ध-शास्त्र-आचार्य भक्ति युत नित प्रति धोक हमारी हो।।

ॐ ह्रूँ परमपूज्य सिद्धान्त चक्रवर्ती राष्ट्रसंत श्वेतपिच्छाचार्य श्री विद्यानंद जी मुनीन्द्राय अनर्घ-पद-प्राप्तये अर्घं निर्वपामीति स्वाहा।

ज्ञान-ध्यान-तप लीन निरन्तर समता रस के भोगी हैं, विषय वासना पाप रहित निर्ग्रन्थ मुनीश्वर योगी हैं।
वसुधा के वसु द्रव्य संजोकर वसु गुण पाने आये हैं, वसुनंदी आचार्य प्रवर को अर्घ चढ़ा हर्षाये हैं।

ॐ ह्रूँ प.पू. अभीक्ष्ण ज्ञानोपयोगी आचार्य श्री वसुनंदी जी मुनीन्द्राय अनर्घ-पद-प्राप्तये अर्घं निर्वपामीति स्वाहा।

परम पूज्य आचार्य श्री वसुनंदी जी गुरुवर की पूजन

रचयिता : आर्यिका वर्धस्वनंदनी

स्थापना

(तर्ज–श्रीमद् वीर हरें)

सूरिवर श्री शांतिसागर, पाय जयकीर्ति गुणधारी, श्री देशभूषण भारत गौरव, सूरिवर यश जिनका भारी।
सितपिच्छी धारी श्री विद्यानंद के नंदन जय हो तुम्हारी, वसुनंदी गुरुदेव पधारो, उर में है ये विनय हमारी।।

ॐ ह्रूं प.पू. आचार्य श्री वसुनंदी मुनीन्द्र! अत्र अवतर-अवतर सवौषट् आह्वाननं। ॐ ह्रूं प.पू. आचार्य श्री वसुनंदी मुनीन्द्र! अत्र तिष्ठ-तिष्ठ ठः ठः स्थापनं। ॐ ह्रूं प.पू. आचार्य श्री वसुनंदी मुनीन्द्र! अत्र मम सन्निहितो भव-भव वषट् सन्निधिकरणं।

अष्टक

(तर्ज– रोम रोम से.....)

निर्मल जल निर्मल चित हेतु, गुरु चरणों में लाए। वचनामृत तव प्यास बुझाता, अतः शरण में आए।।
पूजन करने आये अलिवत्, तव पद के अनुरागी। वसुनंदी के पूजक जग में, कहलाते बड़भागी।।

ॐ ह्रूं प.पू. आचार्य श्री वसुनंदी-मुनीन्द्राय जन्म-जरा-मृत्यु-विनाशनाय जलं निर्वपामीति स्वाहा।

शीत ऊष्ण वा क्षुधा तृषादिक, कठिन परीषह सहते।
क्रोध आदि की नहीं ऊष्णता, अनुपम शीतल रहते॥

चंदन से भी शीतल गुरुवर, निश्छल सरल स्वभावी।
वसुनंदी के पूजक जग में, कहलाते बड़भागी॥

ॐ ह्रूं प.पू. आचार्य श्री वसुनंदी-मुनीन्द्राय नमः संसार-ताप- विनाशनाय चंदनं निर्वपामीति स्वाहा।

नश्वर जग में रहकर के भी, क्षरातीत गुण ध्यायें। पुरुषार्थी निज अक्षय पद के, अक्षत पूज रचायें॥

गुरुदेव तव सम बनने की, मेरी प्रीत भी जागी। वसुनंदी के पूजक जग में, कहलाते बड़भागी॥

ॐ ह्रूं प.पू. आचार्य श्री वसुनंदी-मुनीन्द्राय नमः अक्षय-पद-प्राप्तये अक्षतं निर्वपामीति स्वाहा।

आत्म गुणों की अनुपम सुरभि, से आनंद मनायें। पुष्प से कोमल गुरु चरणों में, पुष्प चढ़ा हर्षायें।

नहीं काम अब रहा काम से, अत: लगन मम लागी। वसुनंदी के पूजक जग में, कहलाते बड़भागी॥

ॐ ह्रूं प.पू. आचार्य श्री वसुनंदी-मुनीन्द्राय नमः कामबाण-विध्वंसनाय पुष्प निर्वपामीति स्वाहा।

अतंराय उपवास आदि भी, समता युत हो सहते। बाधा के तूफानों में भी, नहीं कभी कुछ कहते॥

चरुवर से पूजें समता रस, पाएँ परम प्रभावी। वसुनंदी के पूजक जग में, कहलाते बड़भागी॥

ॐ ह्रूं प.पू. आचार्य श्री वसुनंदी-मुनीन्द्राय नमः क्षुधारोग-विनाशनाय नैवेद्यं निर्वपामीति स्वाहा।

आत्म गुणों के अन्वेषक, वैज्ञानिक अनुपम ज्ञानी। तव प्रयोगशाला प्रयोग, करते विस्मित हे ध्यानी॥

दीप चढ़ाकर ज्ञान दीप की, आशा मम मन जागी। वसुनंदी के पूजक जग में, कहलाते बड़भागी॥

ॐ ह्रूं प.पू. आचार्य श्री वसुनंदी-मुनीन्द्राय नमः मोहांधकार- विनाशनाय दीपं निर्वपामीति स्वाहा।

वसुविध कर्मों को दहकाने, वेष दिगम्बर धारा। वातावरण आपके गुण से, हुआ सुगंधित सारा॥

उसी गंध से हम खिंच आए, तव पूजन को त्यागी। वसुनंदी के पूजक जग में, कहलाते बड़भागी॥

ॐ ह्रूं प.पू. आचार्य श्री वसुनंदी-मुनीन्द्राय नमः अष्टकर्म-दहनाय धूपं निर्वपामीति स्वाहा।

तीन रत्न बहुमूल्य धार, तुम सर्वश्रेष्ठ कहलायें। देव इंद्र नर असुर सभी मिल, तव गुण गौरव गायें॥

रत्नत्रय पा तुम सम मुनि बनने की भावना जागी। वसुनंदी के पूजक जग में, कहलाते बड़भागी॥

ॐ ह्रूं प.पू. आचार्य श्री वसुनंदी-मुनीन्द्राय नमः महामोक्ष-फल- प्राप्तये फलं निर्वपामीति स्वाहा।

अनुपम ध्यानी तव अंतर में, ज्ञान सिंधु लहराता। मूलाचार के हो दर्पण, चारित्र यही बतलाता॥

तीर्थंकर सी सूरत जिनकी, गुरु सिद्ध जो भावी। वसुनंदी के पूजक जग में, कहलाते बड़भागी॥

ॐ ह्रूं प.पू. आचार्य श्री वसुनंदी-मुनीन्द्राय नमः अनर्घपद-प्राप्तये अर्घ्यं निर्वपामीति स्वाहा।**जयमाला**

दोहा

अभीक्ष्ण ज्ञानोपयोगी गुरु,
सरल स्वभावी आप।
रत्नत्रय से जड़ित हो,
नख से शिख तक आप॥

(तर्ज- हे चन्द्रप्रभु....)

श्री वसुनंदी गुरु के चरणों में, अपना शीश झुकाता हूँ, भक्ति से प्रेरित होकर के, गुरु गौरव गाथा गाता हूँ।
चारित के हिमगिरि हो अंकप, निश्चल मेरु से खड़े हुये, बाधाओं के तूफानों में भी संयम हेतु अड़े हुये॥1॥

देख दिगम्बर चर्या को मन श्रद्धा से झुक जाता है, मूलाचार के हो दर्पण, संयम तेरा बतलाता है।
मिशरी से भी मीठी वाणी, जादू सब पर कर जाती है, स्याद्व ादमयी, निर्दोष, ज्ञान से पूर्ण, सभी को भाती है॥2॥

विद्वत्ता और तपस्या का शुभ संगम दुर्लभ ही जानो, गुरु श्रेष्ठ तपस्वी ज्ञानवान्, प्रभुवर की मूरत ही मानो।
दर्शन कर मन में भाव उठे, तीर्थंकर जगती पर होते, वो तुमसे ही दिखते होंगे, जो धर्म बीज जन-जन बोते॥3॥

मुस्कान खिले चेहरे पर जब भक्तों की दृष्टि जाती है, सब के चित को मोहे तत्क्षण, खुशियाँ सबके मन छाती।
तेरे शुभ चरण जहाँ पड़ते, स्थान तीर्थ वह बन जाता, हो समवशरण सा लगा हुआ, दर्शन कर मन भी भर जाता॥4॥

सम्यग्दर्शन गुरु की भक्ति, प्रवचन सुज्ञान कहे जग में, अनुसरण करें तेरे पथ का, संयम के भाव जगे मन में।
तुमसे संयम का परिपालन, तुमसे आनंदमयी दृष्टि, तुम से ही है सारी विद्या, तुम में ही है मेरी सृष्टि॥5॥

शब्दों की सीमा में गुरु को, बाँधूँ दुस्साहस है मेरा। आकाश समा निर्लेप शुभ्र, अनुपम व्यक्तित्व गुरु तेरा॥
है देव! न हो मुक्ति जबलौं तबलौं हमको तव चरण मिले। भव-भव में तेरे चरणों में, श्रद्धा संयम के पुष्प खिले॥6॥

ॐ ह्रूं प.पू. आचार्य श्री वसुनंदी-मुनिन्द्राय नमः जयमाला पूर्णार्घं निर्वपामिति स्वाहा॥

घत्ता

गुरुवर अभिनंदन, संयम
वंदन, है ऐसा मैंने जाना,
हे संयम दाता, मम मन त्राता,
तुमसे निज को पहचाना॥

॥पुष्पांजलिं क्षिपेत्॥

शांति शांति धारा.....

अभीक्ष्ण ज्ञानोपयोगी आचार्य श्री वसुनंदी मुनिराज की आरती

धरती खड़ी अम्बर खड़ा जिनके सहारे,
आरती गुरुवर की उतारो मिलके सारे।
सूरज जिनका जिनके हैं, चांद सितारे,
आरती गुरुवर की उतारो मिलके सारे॥

आश्विन कृष्ण अमावस्या को, धरती पे
आये थे, ऋषभ त्रिवेणी संग, सब हर्षाये थे।
दूर हुए तब ही, धरा से अंधियारे,
आरती गुरुवर की उतारो मिलके सारे॥
सूरज जिनका....॥1॥

तप से तपायी देह, कुंदन बनाई है,
भक्तों में ज्ञान की, ज्योति जलाई है।
साध रहे मन बिन, साधन सहारे,
आरती गुरुवर की, उतारो मिलके सारे॥
सूरज जिनका....॥2॥

विद्यानंद गुरुवर के शिष्य कहाये हैं,
आचार्य वसुनंदी गुरुवर हमने पाए हैं।
भक्त कहें कि, गुरुवर प्राण हैं हमारे,
आरती गुरुवर की उतारो मिलके सारे॥
सूरज जिनका....॥3॥

गुरुवर सब शिष्यों के, मध्य ऐसे लागे हैं,
समवशरण के बीच जैसे, तीर्थंकर विराजे हैं।
लेकर रूप वीरा का, धरा पे अवतारे।
आरती गुरुवर की उतारो मिलके सारे॥
सूरज जिनका....॥4॥

अभीक्ष्ण ज्ञानोपयोगी आचार्य श्री वसुनंदी जी चालीसा

दोहा

रवि किरण से भी प्रखर, तप का दिव्य प्रकाश। इंदु प्रभा सम दमक रही, गुरु तन आभा राश।।
वसुगुण अभिलाषी गुरु, वसु भू पथिक सुनाम । वसुनंदी गुरुदेव को, नमन करूँ वसु याम ||
गुणगण जिनके हैं विमल, है आचार्य महान । अल्पमतिकहूँ गुण कछुक, कर गुरु चरण प्रणाम ।

चौपाई

जयश्री वसुनंदी गुरु ज्ञानी, कहते जो हर वाक्य प्रमाणी। मुक्ति पथ के है अनुगामी, श्रेष्ठ गुरु तुम जग में नामी ॥1 ॥
पंचम युग में धर्म सिखाया, तीर्थंकर सा रूप दिखाया। गुण छत्तीस के धारी गुरुवर, सुर नर पूजित पूज्य ऋषिवर ॥12 ॥
राजस्थान में जिला धौलपुर, मनियाँ है तहसील वहाँ पर। ग्राम विरौधा है मनभावन, जन्मभूमि गुरु की अति पावन ॥3॥
रिखव त्रिवेणी के घर आँगन, धर्ममयी जहाँ सबका जीवन। अवतारे गुरु जनमन हारी, गूँजी बालक की किलकारी ॥4॥
अद्भुत तेज लखा श्री मुख पर रवि इन्दु के तेज से बढ़कर। नाम दिनेश रखा रविन्दु, आभा ज्यों पूनम का इंदु ॥5॥
तीन अक्टूबर अरु सन् सड़सठ, अश्विन कृष्ण अमावस अवसर। जन्मे गुरुवर गुणनिधि सिंधु, जिनमत अम्बुधि वर्द्धक इन्दु ॥6॥
बल साहस बुद्धि अति उत्तम, करुणा विनय दया का संगम । उत्तम लौकिक पाकर शिक्षा, प्रकट हुई मन में इक इच्छा || 7 ||
लौकिक पुस्तक में छः ढाला, रखकर जिनआगम पढ़ डाला। दौल समझ सुन चेत सयाने, पंक्ति पढ़कर हुये विराने ॥8॥
युवा मृत्यु अरु लख परछाई, समझी भौतिक जग सच्चाई। बारह भावन का शुभ चिंतन, आगम का नित करते अध्ययन | 19 ||
सन् अट्ठासी सोलह नवम्बर, नगर बरासो में फिर आकर । क्षुल्लक दीक्षा धारी गुरुवर, नाम हुआ तब जिनेन्द्र सागर ॥10॥
वसुयाम अध्ययन अध्यापन, आगम मंथन अद्भुत चिंतन | तप दिन दिन नित बढ़ता जाता, हुये गुरुवर जग विख्याता ॥11॥
सन् नवासी ग्यारह अक्टूबर, तज आडम्बर हुये दिगम्बर । भिण्ड नगर ने गौरव पाया, निर्णय सागर नाम कहाया ॥12॥
सुख के क्षण या कठिन समस्या, समता युत करें कठिन तपस्या । शीत पड़े या ग्रीष्म सतावे, दृढ़ चित हो नित आतम ध्यावें ॥13॥
विद्यानंद तव गुरु महाज्ञानी, महिमा जिनकी सब जग जानी। पुरुषोत्तम शिष्योत्तम गुरुवर रहे शुद्ध नित जिनका अन्तर॥14॥
चौमासा गुरु जहाँ भी करते, सज्जन नित नित वंदन करते । धर्मामृत उसको मिल जाता, जो गुरु शुभ सान्निध्य है पाता ॥15॥
गुरु का वरद हस्त शुभ पाया, पाठक पद से तुम्हें सजाया । अभीक्ष्ण ज्ञानोपयोगी कहाये, पाठक पद का मान बढ़ाये ||16||
पढ़ते अरु शिष्यों को पढ़ाते, ज्ञान सूत्र नव नव है सिखाते। त्रिशतादि ग्रंथों का लेखन जिनवाणी का किया प्रकाशन ॥17॥
ऐलाचार्य शुभ पद जब पाया, वसुनंदी शुभ नाम कहाया। छत्तीस मूलगुणों से शौभित गुरुवर पर सब जनता मोहित ॥18॥
वो हजार पन्द्रह शुभ सन् था बीस जनवरी सुप्रभात था। पद आचार्य से हुए सुशोभित, वसुनंदी सूरी जगवंदित ॥19॥
योग्य शिष्य की लख श्रुतधारा, विद्यानंद गुरुवर ने संवार। विद्या गगन के दिव्य सितारे, तुमको सौ सौ नमन हमारे ||20||
जिन शासन के स्तंभ गुरुवर, सिद्धों के वंशज श्री ऋषिवर । भक्तों के गुरु आप सहारे, तारण तरण है चरण तुम्हारे ||21||
श्रुत वारिधि संवर्द्धक इंदु, अध्यातम के गहरे सिंधु । हो चारित्र के उच्च हिमालय, भवि हिरदय के आप जिनालय 112211
है व्यक्तित्व बहु आयामी, इसीलिये गुरु सबके स्वामी । संस्कार शुभ सबको देते, अवगुण सबके सब हर लेते 112311
शांतिपाय जयकीर्ति स्वामी, देशभूषण विद्यानंद नामी । परम्परा ध्वज के संवाहक, वसुनंदी आचार्य प्रभावक || 24||
बहुभाषा विद् अरु मृदुभाषी, प्रज्ञा मनीषी पूर्वाभासी । चिंतामणि सम गुरु वरदानी, मीठे प्रवचन हितमित वाणी ||25||

दोहा

संयम चारित साधना, अरु सुज्ञाना धार। गुरुवर वसुनंदी तुम्हें, नमन अनंतो बार।।
पुण्य उदय से गुरु मिले, मिला गुरु का प्यार। गुरु चरण की शरण में, सर्व सुखों का सार ।।
मात पिता बंधु सखा, गुरु ही ईशा समान। इनसे ही जीवन शुरु, अरु अंतिम विश्राम।।

॥ इति ॥

जहां जहाँ गुरु चरण पड़ें,
वहां वहां तीरथ होये।

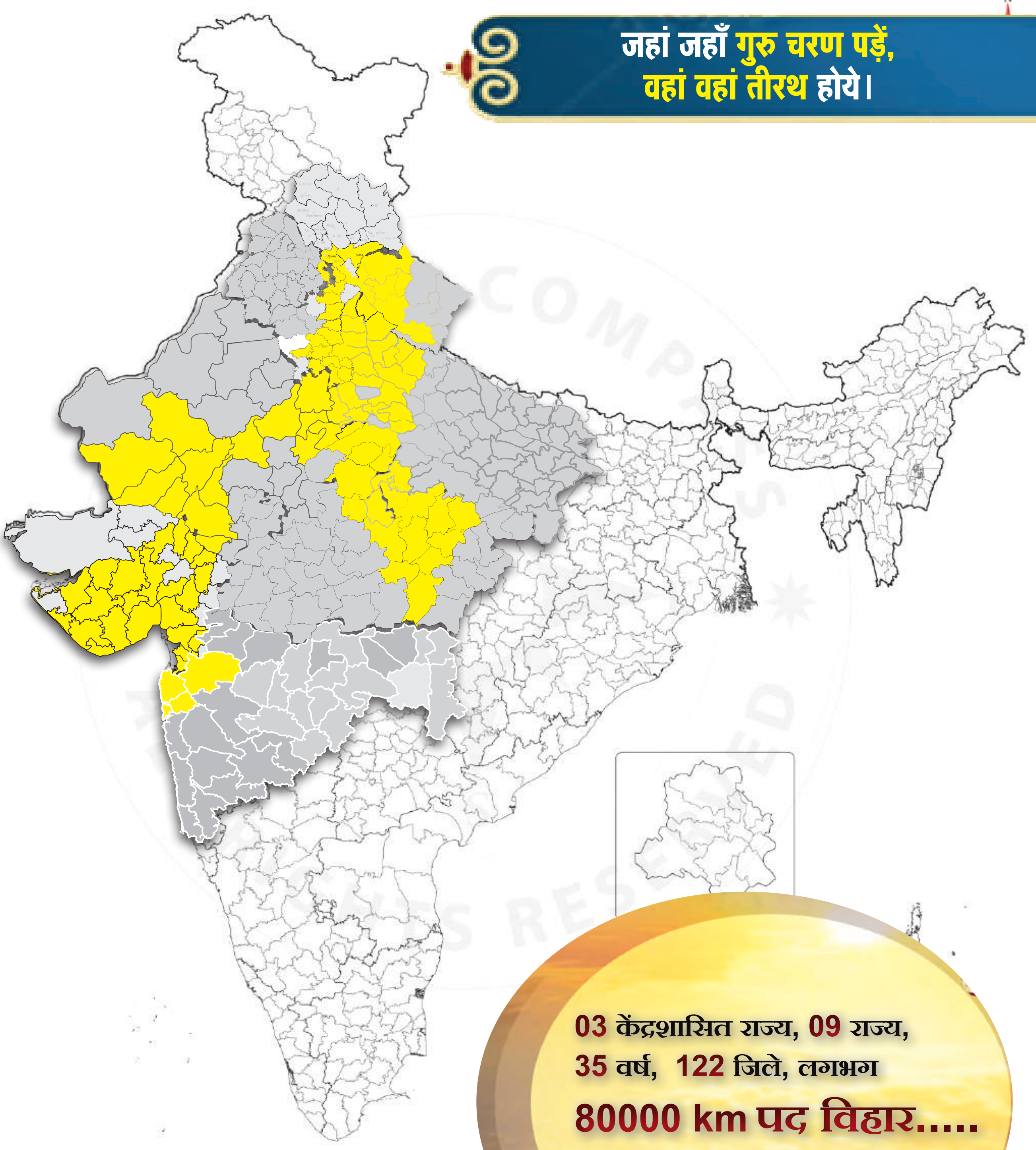

03 केंद्रशासित राज्य, 09 राज्य,
35 वर्ष, 122 जिले, लगभग

80000 km पद विहार.....

- **मध्य प्रदेश :** मुरैना, भिंड, ग्वालियर, शिवपुरी, दतिया, अशोकनगर, निवारी, टीकमगढ़, छतरपुर, पन्ना, सतना, सागर, दमोह, कटनी, जबलपुर, नरसिंहपुरा, सिवनी,
- **हिमाचल प्रदेश :** सोलन, शिमला
- **उत्तरप्रदेश :** ललितपुर, झांसी, इटावा, मैनपुरी, फिरोजाबाद, एटा, आगरा, हाथरस, मथुरा, कासगंज, बदायुं, बरेली, रामपुर, मुरादाबाद, सम्भल, बुलंदशहर, नोएडा (गौतमबुद्धनगर), हापुड़
- **राजस्थान :** धोलपुर, भरतपुर, अलवर, दौसा, करोली, सवाईमाधोपुर, जयपुर, अजमेर, राजसमंद, उदयपुर, सिरोही, जालोर, बाड़मेर, जोधपुर, पाली, डूंगरपुर
- **महाराष्ट्र :** नासिक, ठाणे, मुम्बई
- **उत्तराखंड :** हरिद्वारदेहदादुन , टिहरी गढ़वाल, रुद्रप्रयाग, उत्तरकाशी, पोढी गढवाल,
- **हरीयाणा :** पलवल, नूंद, फरीदाबाद, गुरुग्राम, रवाडी, झज्जर, रोहतक, पानीपत, करनाल,कुरुक्षेत्र, अम्बाला, पंचकुला
- **पंजाब :** मोहाली, (SAS) नगर,
- **गुजरात :** अरावली, साबरकांठा, महेसाना, सुरेन्द्रनगर, मोरवी, जामनगर, राजकोट, पोरबंदर, जूनागढ, गिर सोमनाथ, अमरेली, भावनगर, बोटाद, आनन्द, वडोदरा,भरूच, सुरत, नवसारी, पंचमहाल, महीसागर
- **केन्द्रशासित राज्य :** दिल्ली (सभी जिल्ले), चंदीगढ, दमन और दीव

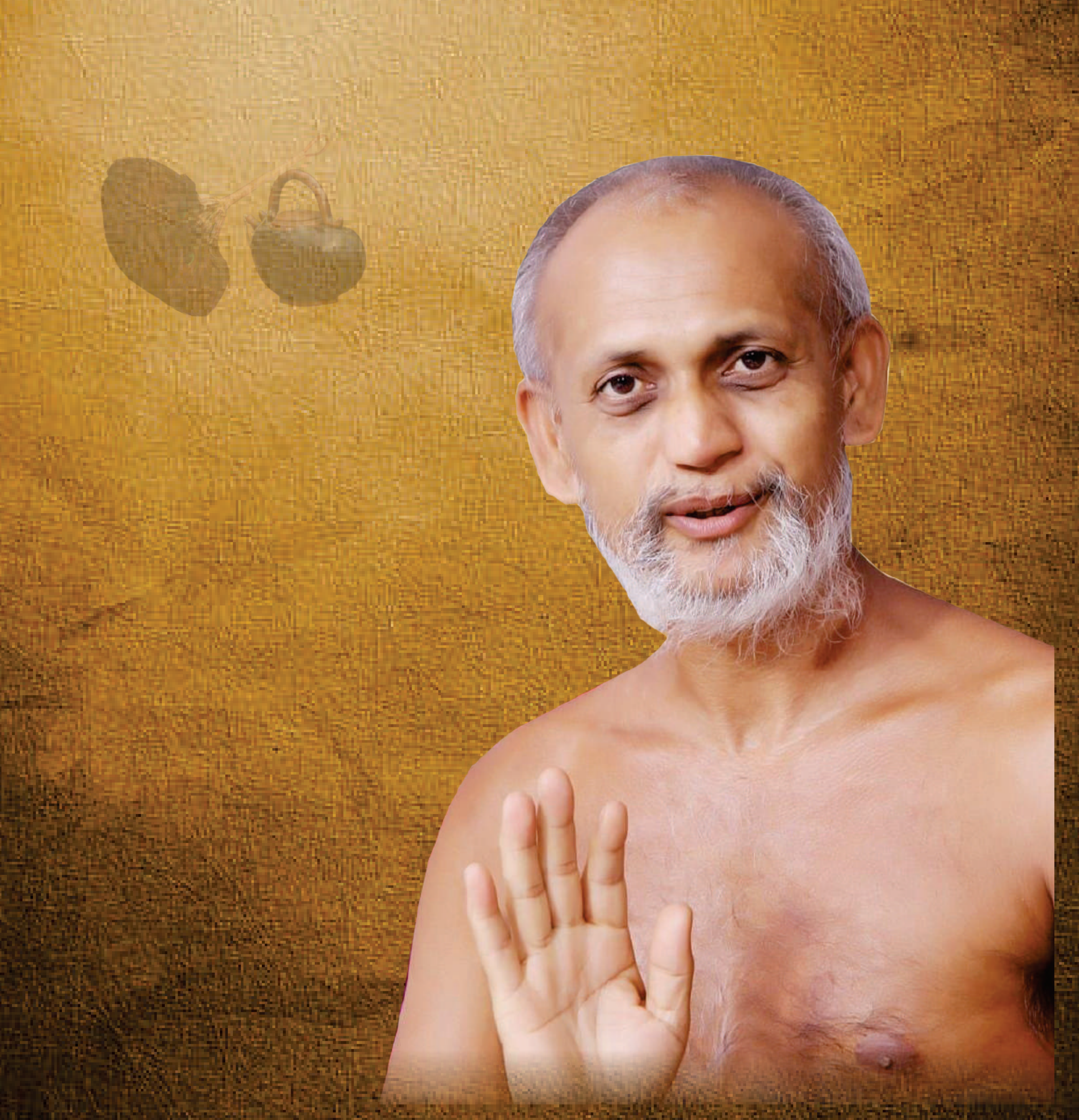

प.पू. अभीक्षण ज्ञानोपयोगी
आचार्यश्री वसुनंदी जी मुनिराज